CMYK

www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार ...

छत्तीसगढ़ का पहला राष्ट्रीय दैनिक

संपर्क करें : bilaspurdeshbandhu@gmail.com

पत्र नहीं मित्र

देशबन्धु

बिलासपुर, मंगलवार, 21 नवम्बर 2023 । वर्ष – 33 । अंक –202 । पृष्ठ –12 । मूल्य – 4.00 रु

कांग्रेस के शासनकाल में किसान कर्ज में डूबे : केसीआर पृष्ठ 3

- क्या भाजपा लोकप्रियतावाद के रास्ते पर बढ़ रही है? पृष्ठ 4
- युद्धविराम ही रोक सकता है इस मानवीय त्रासदी को पृष्ठ 4
- गजा में तलाशी और बचाव अभियान में शामिल हुईं इजरायली महिला सैनिक पृष्ठ 9
- गजा में फिलीस्तीनियों की मौत का आंकड़ा 13,000 पार पृष्ठ 9

ओ डॉनेल की भविष्यवाणी, ट्रैविस हेड हैं ऑस्ट्रेलिया के फ्यूचर कप्तान पृष्ठ 10

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से कहा

जजों की नियुक्ति में पसंद-नापसंद ठीक नहीं

नई दिल्ली, 20 नवंबर (देशबन्धु)। देश की सबसे बड़ी अदालत सुप्रीम कोर्ट ने कॉलेजियम की सिफारिश के बावजूद जजों की नियुक्ति में हो रही देरी पर केंद्र सरकार से नाराजगी जताई है। कोर्ट ने कहा कि जजों की नियुक्ति में पसंद-नापसंद की नीति ठीक नहीं है। ये अच्छे संकेत नहीं हैं। यह देश में गलत संदेश देता है। जस्टिस संजय किशन कौल और सुधांशु धूलिया की बेंच ने सोमवार को मामले की सुनवाई करते हुए कहा- जजों की नियुक्ति और तबादले भी सरकार अपनी पसंद नापसंद के मुताबिक कर रही है। हमने इसके लिए सरकार को पहले भी आगाह किया है। बेंच ने कहा कि अभी भी इलाहाबाद, दिल्ली, पंजाब और गुजरात हाईकोर्ट में जजों के तबादले की सिफारिश वाली फाइल सरकार ने लटका रखी है। गुजरात

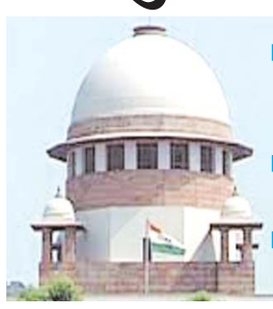

- सर्वोच्च अदालत ने कहा ये अच्छे संकेत नहीं, इससे देश में गलत संदेश जाता है
- जजों की नियुक्ति में हो रही देरी पर जताई नाराजगी
- सरकार को पहले भी आगाह कर चुका है सुप्रीम कोर्ट

हाईकोर्ट में तो चार जजों के तबादले पेंडिंग हैं। इन पर सरकार ने अब तक कुछ भी नहीं किया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि दोबारा भेजे गए नामों पर नियुक्ति नहीं करना परेशान करने वाला है।

5 दिसम्बर को होगी अगली सुनवाई- कॉलेजियम की सिफारिशों पर अमल करने के लिए और वक्त देते हुए कोर्ट ने कहा कि केंद्र इसका समाधान लेकर आए। 5 दिसंबर को अगली सुनवाई होगी। बेंगलुरु एडवोकेट्स एसोसिएशन की ओर से जजों की नियुक्ति को लेकर यह याचिका लगाई गई है। अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी ने कहा कि विधानसभा चुनावों में व्यस्तता की वजह से देरी हुई है। सरकार की ऐसी कोई मंशा ➤➤ शेष पृष्ठ 2 पर ➤

नहीं थी। हमने सरकार को सूचित कर रखा है। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने

अलग राज्यों में एफआईआर के बावजूद दी जा सकती है जमानत

सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक फैसले में कहा कि उच्च न्यायालय और सत्र न्यायालय आरोपी को ट्रांजिट अग्रिम जमानत दे सकते हैं, भले ही एफआईआर किसी दूसरे राज्य में ही क्यों न दर्ज हो। न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ राजस्थान में एक महिला द्वारा दायर दहेज की मांग की शिकायत से संबंधित एक मामले की सुनवाई कर रही थी, जिसमें पति को बेंगलुरु जिला अदालत द्वारा अग्रिम जमानत दी गई थी। शीर्ष अदालत ने फैसला सुनाया कि एचसी या सत्र अदालतें किसी आरोपी को ट्रांजिट अग्रिम जमानत दे सकती हैं, भले ही अपराध उसके अधिकार क्षेत्र में नहीं किया गया हो और अंतरिम सुरक्षा तब तक जारी रहेगी जब तक आरोपी क्षेत्राधिकार वाली अदालत में नहीं पहुंचता।

केंद्र व केरल राज्यपाल कार्यालय को सुप्रीम कोर्ट का नोटिस

सुप्रीम कोर्ट ने केरल विधानसभा से पारित विधेयकों को मंजूरी देने में अनिश्चितकालीन देरी के मामले में सोमवार को वहां के राज्यपाल कार्यालय और केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने केरल सरकार की ओर से दायर रिट याचिका पर केंद्र सरकार और राज्यपाल के प्रधान सचिव को जवाब-तलब किया। पीठ ने अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी से भी अदालत की सहायता करने को कहा।

चुनाव वाले 5 राज्यों से 1760 करोड़ की शराब-नकदी जब्त

2018 विधानसभा चुनाव में हुई बरामदगी का 7 गुना है आंकड़ा

नई दिल्ली, 20 नवम्बर (एजेंसियां)। चुनाव आयोग ने सोमवार 20 नवंबर को कहा कि चुनाव वाले पांच राज्यों से 1760 करोड़ की शराब, ड्रग्स, कैश और महंगी धातु बरामद की गईं। ये सब चीजें वोटरों को रिझाने के लिए बांटी गई थीं। इन चीजों की बरामदगी 9 अक्टूबर से हो रही थी। इसी दिन इलेक्शन कमीशन ने पांच राज्यों में चुनाव की तारीखों का ऐलान किया था।

आयोग ने यह भी बताया कि आंकड़ा 1760 करोड़ इन राज्यों में 2018 विधानसभा चुनाव के दौरान हुई बरामदगी का 7 गुना है। पिछली बार 239.15 करोड़ की चीजें जब्त की गई थीं। अभी मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, तेलंगाना और मिजोरम में चुनाव चल रहे हैं। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और मिजोरम में

- 194 सीटों को चुनावी खर्च के लिहाज से बताया था संवेदनशील

वोटिंग हो चुकी है। राजस्थान में 25 तो तेलंगाना में 30 नवंबर को वोट डाले जाएंगे।

आयोग ने पांच राज्यों में चुनावी खर्च पर नजर रखने के लिए 228 पर्यवेक्षक तैनात किए थे। साथ ही 194 विधानसभा सीटों को चुनावी खर्च के लिहाज से संवेदनशील बताया था।

6 राज्यों से 14 करोड़ की चीजें की थी जब्त

आयोग के मुताबिक, इससे पहले जिन 6 राज्यों गुजरात, हिमाचल प्रदेश, नगालैंड, मेघालय, त्रिपुरा और कर्नाटक में चुनाव हुए थे, वहां से 1400 करोड़ की चीजें बरामद की गई थीं। यह इन राज्यों में पिछले चुनाव के दौरान हुई बरामदगी का 11 गुना था।

मिजोरम, मध्य प्रदेश व छत्तीसगढ़ में हो चुका मतदान

मिजोरम, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में मतदान कराए जा चुके हैं। राजस्थान और तेलंगाना में क्रमश: 25 और 30 नवंबर को मतदान होगा और मतों की गिनती तीन दिसंबर को करायी जाएगी।

सार संक्षेप

उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ छठ महापर्व का समापन

नई दिल्ली। उगते सूरज को अर्घ्य देने के साथ सोमवार को छठ महापर्व संपन्न हो गया। चार दिन चले इस पर्व के दौरान जगह-जगह पर छठ पूजा का आयोजन किया गया था। बड़ी संख्या में महिलाएं अपने परिवार जनों के साथ उगते सूर्य को अर्घ्य देने पहुंची थी। छठ महापर्व की शुरुआत नहाय-खाय से होती है।

पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत अस्पताल में भर्ती

देहरादून। पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत को अचानक मैक्स अस्पताल में भर्ती किया गया है। उनकी स्थिति सामान्य है। डॉक्टर ने हरीश रावत को पेट में दर्द और उल्टी की शिकायत बताई है। उनके अस्पताल में भर्ती होने की खबर के बाद कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा उनसे मिलते पहुंचे है। पिछले दिनों हादसे में घायल होने के बाद से ही पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत को कुछ दिक्कत हो रही थी। कुछ दिन पहले भी हरीश रावत की तबीयत बिगड़ी थी।

फर्जी खबरें रोकने के लिए फैक्ट चेक यूनिट बनाएगी कर्नाटक सरकार

बेंगलुरु। कर्नाटक सरकार ने झूठी खबरों और सूचना प्रचार का मुकाबला करने के लिए फैक्ट चेक यूनिट स्थापित करने का फैसला किया है। राज्य मंत्री प्रियांक खड़गे ने सोमवार को घोषणा की। राज्य के आईटी मंत्री के मुताबिक, कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने इस संबंध में एक टेंडर जारी किया है और पांच कंपनियों को शॉर्टलिस्ट किया है। सोमवार को पत्रकारों को संबोधित करते हुए खड़गे ने कहा कि एक बार इन कंपनियों की सत्यापन प्रक्रिया पूरी हो जाने के बाद, कंपनियों के नामों की घोषणा की जाएगी।

राष्ट्रीय फार्मेसी आयोग विधेयक पर आम जनता से मांगी राय

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने राष्ट्रीय फार्मेसी आयोग विधेयक, 223 के प्रारुप पर आम जनता से राय मांगी है। मंत्रालय ने सोमवार को यहां बताया कि विधेयक के प्रारुप पर 14 दिसंबर तक अपनी राय, सुझाव या आपत्ति मंत्रालय को भेजी जा सकती हैं।

अब मजदूरों को बचाने में रोबोट की ली जाएगी मदद

- पिछले नौ दिनों से सुरंग में फंसे हैं 41 मजदूर
- बचाव अभियान में लग सकते हैं 3 से 4 घंटे

देहरादून, 20 नवम्बर (देशबन्धु)। सुरंग के अंदर पिछले नौ दिनों से फंसे 41 की जिंदगियों को बचाने के लिए अब रोबोट की मदद ली जाएगी। अभी अभियान में 30 से 40 घंटे और लग सकते हैं। सिलक्यारा सुरंग हादसे में फंसे 41 मजदूरों की जिंदगी बचाने के लिए रोबोट के जरिए दूसरी तरफ पाइप डालने समेत अन्य संभावनाएं तलाशी जाएंगी। यह रोबोट सुरंग के अंदर आए मलबे के ऊपर बची थोड़ी सी जगह से दूसरी तरफ जाएगा। यह जानकारी सचिव आपदा प्रबंधन डॉ.रंजीत कुमार सिन्हा ने दी। 12 नवंबर को यमुनोत्री हाईवे पर निर्माणाधीन सिलक्यारा सुरंग में भूस्खलन के बाद से 41 मजदूरों का जीवन संकट में है।

करीब छह एजेंसियां काम कर रही

वर्तमान में मजदूरों को बचाने के लिए पांच प्लान पर केंद्र व राज्य की करीब छह एजेंसियां काम कर रही हैं। जिसमें सिलक्यारा सुरंग के मुहाने से ऑगर मशीन से ड्रिलिंग, बड़कोट छोर से ड्रिलिंग, सुरंग के ऊपर और दाएं व बाएं तरफ से ड्रिलिंग की तैयारी हो चुकी है। सुरंग के ऊपर से ड्रिलिंग के लिए अस्थायी सड़क का निर्माण भी किया जा रहा है। लेकिन, अब इन पांच प्लान के साथ छठा प्लान भी तैयार किया जा रहा है। छोटा रोबोट ही जा सकता है सचिव आपदा प्रबंधन डॉ. रंजीत कुमार सिन्हा ने बताया कि सुरंग के अंदर भूस्खलन के कारण जो मलबा आया है उसके और सुरंग की ऊपरी छत के बीच थोड़ी जगह है। जिससे एक रोबोट को भेजकर देखा जाएगा कि दूसकी तरफ कितनी जगह है। ताकि दूसरी तरफ पाइप डाला जा सके।

करीब 400 मीटर सुरंग की खुदाई शेष

बड़कोट छोर से अभी करीब 400 मीटर सुरंग की खुदाई शेष है। अंदर फंसे लोगों को बचाने के लिए बड़कोट छोर से भी खोदाई शुरू करवाई जा रही है। हालांकि अभी उस छोर से पूरी खोदाई की जगह केवल दो से ढाई मीटर व्यास की सुरंग तैयार की जाएगी।

ओपीएस को लेकर देश भर के सरकारी कर्मचारियों का प्रदर्शन कल दिल्ली में

- छत्तीसगढ़ से भी होंगे शामिल
- प्रधानमंत्री मोदी को ज्ञापन देंगे

रायपुर, 20 नवंबर (देशबन्धु)। भारतीय मजदूर संघ के अनुषांगिक संगठन सरकारी कर्मचारी राष्ट्रीय परिसंघ के आव्हान पर देश भर से केंद्र और राज्य सरकार के सरकारी कर्मचारी 22 नवंबर को जंतर मंतर नईदिल्ली में एकत्रित होकर पुरानी पेंशन बहाली (ओपीएस) की मांग को लेकर जंगी प्रदर्शन करेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को ज्ञापन देंगे।इस प्रदर्शन में रेलवे, प्रतिरक्षा, पोस्टल, स्वायत्तशासी, केंद्र व राज्य के शासकीय कर्मचारी अपने अपने महासंघ के नेतृत्व में शामिल होंगे। छत्तीसगढ़ से भी काफी संख्या आंदोलन में शामिल होने आज और कल विभिन्न साधनों से रवाना होंगे।उक्त जानकारी जारी विज्ञप्ति में राज्य कर्मचारी संघ छत्तीसगढ़ के प्रदेश महामंत्री ए के चेलक ने दी है।

राज्य कर्मचारी संघ छत्तीसगढ़ के प्रांताध्यक्ष अरुण तिवारी तथा प्रदेश महामंत्री ए के चेलक ने बताया कि पुरानी पेंशन योजना, सी सी एस पेंशन नियम 1972 के तहत देश भर लागू करने की मांग लेकर यह राष्ट्र व्यापी आंदोलन कर केंद्र सरकार का ध्यान आकर्षित किया जायेगा। नए पेंशन योजना (एनपीएस) से कर्मचारी परेशान हैं। रिटायर होने पर मिलने वाली पेंशन से घर परिवार के साथ जीवन यापन में कठिनाई हो रहा है। छत्तीसगढ़, राजस्थान, पंजाब जैसे कुछ राज्यों ने ओपीएस लागू करने का प्रयास किया है,परंतु वह दिखावा बनकर रह गया है। राज्य सरकार असहाय की स्थिति में है। इसलिए देशभर में ओपीएस लागू करने के लिए केन्द्र सरकार पर दबाव बनाया जा रहा है ताकि देश भर में कर्मचारियों का भला हो सके।

प्रियंका ने भाजपा को घेरा

यह सिर्फ हिन्दुस्तान पाकिस्तान करते हैं

केकड़ी, 20 नवंबर (एजेंसी)। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी राजस्थान में भाजपा के मुख्यमंत्री के चेहरे को लेकर लगातार हमलावर बनी हुई है। उन्होंने कहा कि बीजेपी की नीति केवल लोगों को धर्म जाति के नाम पर लड़ाना है। सदा हिंदुस्तान और पाकिस्तान की बातें कर लोगों को भटकाती रहती है। इस दौरान प्रियंका गांधी ने सोमवार को वसुंधरा का नाम लिए बगैर उनके प्रति अपनी हमदर्दी जताई। प्रियंका गांधी ने राजस्थान की केकड़ी विधानसभा में प्रत्याशी रघु शर्मा के पक्ष में चुनावी

सभा को संबोधित किया। इस सभा में भी प्रियंका गांधी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जमकर घेरती हुई नजर आई। उन्होंने लोगों से अपील की है कि जनता सोच समझकर आकलन करें, कि किस सरकार ने उन्हें राहत दी है और किस सरकार ने उन्हें नुकसान।आपकी एक बड़ी गलती आने वाले 5 सालों में बड़ा नुकसान कर सकती है। प्रियंका गांधी ने अपनी भाषण की शुरुआत ठेठ राजस्थानी भाषा में 'घणी राम राम सा' कहकर शुरुआत की। प्रियंका गांधी ने अपने भाषण की शुरुआत प्रधानमंत्री मोदी को घेरते हुए शुरू की। उन्होंने कहा कि मोदी जी राजस्थान में लगातार जो भाषण दे रहे हैं। उनमें जो आरोप और बातें कर रहे हैं। उनका मैंने आकलन किया तो, मुझे महसूस हुआ कि पीएम मोदी के आरोपों और उनकी बातों में कोई वजन नहीं है। वे केवल इधर-उधर की बातें करते हुए लोगों को भटकाने की कोशिश करते हैं।

तेलंगाना में निर्माणाधीन इनडोर स्टेडियम ढहने से 2 की मौत

हैदराबाद। तेलंगाना के रंगारेड्डी जिले में सोमवार को एक निर्माणाधीन इनडोर स्टेडियम का एक हिस्सा गिरने से दो श्रमिकों की मौत हो गई। छह कर्मचारियों को मामूली चोटें आईं। मृतकों की पहचान बिहार के बब्लू और पश्चिम बंगाल के सुनील के रूप में हुई। पुलिस ने कहा कि बचाव अभियान जारी है क्योंकि एक अन्य कर्मचारी मलबे में फंसा हुआ है। यह घटना हैदराबाद से लगभग 40 किमी दूर मोइनाबाद ब्लॉक के कनकमामिडी में खेल परिसर में हुई।

मप्र में मतदान के बाद सियासी दलों के निशाने पर नौकरशाह

सत्ता में आने पर सबक सिखाने तक की बात कही जा रही है

भोपाल, 20 नवम्बर (देशबन्धु)। मध्य प्रदेश में मतदान होने के बाद दोनों प्रमुख राजनीतिक दल भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस के निशाने पर नौकरशाह आ गए हैं। दोनों ही ओर से अधिकारियों को हिदायत दी जा रही है और सत्ता में आने पर सबक सिखाने तक की बात कही जा रही है। राज्य की 230 विधानसभा सीटों पर 17 नवंबर को मतदान हुआ है। मतदान के दौरान कई स्थानों पर छिटपुट हिंसा की घटनाएं हुई। छतरपुर जिले के राजनगर विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस समर्थक सलमान खान की वाहन से कुचलकर मौत हो गई।

कांग्रेस के उम्मीदवार विक्रम सिंह नाती राजा ने पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कर भाजपा उम्मीदवार अरविंद पटेरिया सहित अन्य लोगों पर हत्या और हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कराया। गिरफ्तारी न होने पर कांग्रेस आक्रामक हुई और पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह राजनगर पहुंच गए और उन्होंने थाने के सामने धरना दिया। इतना ही नहीं वह खटोली पर रात भर वहीं सोए भी।

इस मामले में भाजपा ने भी कांग्रेस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा के नेतृत्व में भाजपा के प्रतिनिधिमंडल ने चुनाव आयोग और पुलिस महानिदेशक से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। साथ ही चुनावी लाभ पाने के लिए अपने ही कार्यकर्ता की हत्या करने का आरोप कांग्रेसियों पर लगाया। भाजपा ने छतरपुर के एसपी अमित सांघी और राजनगर के थानेदार पर बगैर जांच के मामला दर्ज करने का आरोप लगाया। दोनों अधिकारियों के निलंबन तक की मांग कर डाली।

इसी तरह सागर जिले के रहली में भी कांग्रेस उम्मीदवार ने भाजपा कार्यकर्ताओं पर हमले करने का आरोप लगाया और पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह भी यहां पहुंचे। पूर्व मुख्यमंत्री का रुख हमलावर है और उन्होंने अधिकारियों को हिदायतें भी दे डाली। एक अन्य मामला ग्वालियर में भी मतदान के दौरान सामने आया था जब जिलाधिकारी और कांग्रेस उम्मीदवार प्रवीण पाठक के बीच काफी बहस हुई थी। कांग्रेस के प्रदेश महामंत्री सैयद जाफर ने तो एक्स पर लिखकर उन अधिकारियों का ब्योरा मांगा है, जिन्होंने बीजेपी के लिए काम किया है।

कमलनाथ ने भाजपा के लिए काम करने वालों को किया सावधान- उन्होंने लिखा है, जेब में भाजपा का बैज रखकर काम करने वाले अधिकारी सावधान...! कमलनाथ जी ने सभी प्रत्याशियों को पत्र लिखकर भाजपा की मदद करने वाले अफसरों की लिस्ट भेजने के दिए निर्देश। भाजपा सरकार के इशारों पर काम करने वाले अफसरों की शिकायत कांग्रेस के स्थानीय प्रत्याशियों एवं नेताओं ने की है, कुछ जगह यह शिकायत गंभीर प्रतीत हुई हैं। ऐसे अधिकारी और कर्मचारियों की सूची तैयार की जा रही है जो भाजपा के एजेंट की तरह काम कर रहे थे।

गोवा में 54वां भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव शुरू

गोवा, 20 नवम्बर (एजेंसियां)। गोवा में सोमवार से 54वां भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव- आईएफएफआई शुरू हो गया है। सूचना और प्रसारण मंत्रालय के संयुक्त सचिव फिल्म पृथुल कुमार के अनुसार महोत्सव के दौरान 270 से अधिक फिल्में 4 स्थानों आईनॉक्स पंजिम, माक्विनेज पैलेस, आईनॉक्स पोरवोरिम और जेड स्क्वायर सम्राट अशोक पर प्रदर्शित की जाएंगी।

54वें आईएफएफआई के 'अंतरराष्ट्रीय खंड' में 198 फिल्में होंगी, जो 53वें आईएफएफआई से 18 अधिक हैं। इसमें 13 विश्व प्रीमियर, 18 अंतर्राष्ट्रीय प्रीमियर, 62 एशिया प्रीमियर और 89 भारत प्रीमियर होंगे। पृथुल कुमार ने कहा, इस वर्ष आईएफएफआई को 105 देशों से रिकॉर्ड संख्या में 2,926 प्रविष्टियां

- महोत्सव के दौरान 27 से अधिक फिल्में दिखाई जाएगी

प्राप्त हुईं, जो पिछले वर्ष की तुलना में अंतरराष्ट्रीय प्रविष्टियों से तीन गुना अधिक है। 'इंडियन पैनोरमा' अनुभाग में भारत की 25 फीचर फिल्में और 20 गैर-फीचर फिल्में प्रदर्शित की जाएंगी। फीचर सेक्शन में ओपनिंग फिल्म मलयालम फिल्म 'अट्टम' है, और गैर-फीचर सेक्शन में मणिपुर की 'एंड्रो ड्रीम्स' है।

उन्होंने कहा कि इस वर्ष सर्वश्रेष्ठ वेब सीरीज (ओटीटी) पुरस्कार की शुरुआत ओटीटी प्लेटफार्मों की समृद्ध सामग्री और इसके रचनाकारों को स्वीकार करने, प्रोत्साहित करने और सम्मानित करने के उद्देश्य से की गई है। उन्होंने कहा, 15 ओटीटी प्लेटफार्मों से 10 भाषाओं में 32 प्रविष्टियां प्राप्त हुई हैं। विजेता श्रृंखला को पुरस्कार राशि के रूप में प्रमाण पत्र और 10 लाख रुपए का नकद पुरस्कार दिया जाएगा, जिसकी घोषणा समापन समारोह में की जाएगी।

मौसम

आगे और भी भयानक सर्दी का पड़ने का है अनुमान

कश्मीर में 'चिल्लेकलां' से पहले ही भयानक सर्दी

सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, 20 नवम्बर(देशबन्धु)। कश्मीर में चिल्लेकलां (भयानक सर्दी का मौसम) का आगमन अभी एक माह दूर है पर कश्मीरी अभी से ठंड से चिल्लाने लगे हैं। ऐसे में उन्हें चिंता है कि इस बार चिल्लेकलां के दौरान कितनी भयानक सर्दी पड़ेगी। कश्मीर में 21 और 22 दिसम्बर की रात से सर्दी के मौसम की शरु आत मानी जाती है। करीब 40 दिनों तक के मौसम को चिल्लेकलां कहा जाता है।

इस दिन हुई बर्फबारी कई सालों के बाद सही समय पर हुई है। नतीजतन कुदरत का समय चक्र सुधरा तो कश्मीरियों की परेशानियां बढ़ गई क्योंकि पिछले कई सालों से बर्फबारी के समय पर न होने के कारण वे चिल्लेकलां को ही भुला बैठे थे।

40 दिनों तक चलता चिल्लेकलां- *चिल्लेकलां करीब 40 दिनों तक चलता है और उसके बाद चिल्ले खुर्द और फिर चिल्ले बच्चा का मौसम आ जाता है। अभी तक चिल्लेकलां के दौरान 1986 में कश्मीर में तापमान शून्य ये 9 डिग्री नीचे गया था जब विश्व प्रसिद्ध डल झील दूसरी बार जम गई थी। वैसे चिल्लेकलां के दौरान कश्मीर के तापमान में जो गिरावट देखी गई है उसके मुताबिक तापमान शून्य से 5 व 7 डिग्री ही नीचे जाता है। हालांकि समय चक्र के सुधार से कश्मीर में पानी की किल्लत और बिजली की कमी जैसी परेशानियों से निजात मिलने की उम्मीद तो जगती है लेकिन कश्मीरी परेशानियों के दौर से गुजरने को मजबूर इसलिए हो जाते हैं क्योंकि पिछले कई सालों से मौसम के खराब रहने के कारण राजमार्ग के बार-बार बंद रहने का परिणाम यह होता है कि कश्मीरियों को चिंता इस बात की रहती है कि उन्हें खाने पीने की वस्तुओं की भारी कमी का सामना किसी भी समय करना पड़ सकता है।*

रोजमर्रा की वस्तुओं की आपूर्ति होती है बाधित- *पहले चिल्लेकलां के शुरू होने से पहले ही कश्मीरी सब्जियों को सुखा कर तथा अन्य चीजों का भंडारण कर लेते थे मगर कई सालों से मौसम चक्र के गड़बड़ रहने के कारण वे इसे भुला बैठे थे। और अब तो राजमार्ग के बार-बार बंद होने से घाटी में रोजमर्रा की वस्तुओं की आपूर्ति समय पर न होने के कारण उन्हें कई बार महंगे दामों पर खाने पीने की वस्तुएं खरीदनी पड़ती हैं। फलहाल सर्दी से कोई राहत भी नहीं मिल पा रही है। अनुमान इस बार का यह है कि सर्दी अपना भयानक रूप दिखा सकती है। वैसे भी कुछ सालों से मौसम की पश्चिमी गड़बड़ियों के कारण कश्मीर कभी बर्फीले सुनामी के दौर से गुजरता है तो कभी बाढ़ से कश्मीरियों को सामना करना पड़ रहा है।*

कलेक्टर-एसपी ने धान खरीदी केन्द्रों का किया औचक निरीक्षण

■ किसानों से मिलकर व्यवस्थाओं का लिया जायजा

बलौदाबाजार, 20 नवम्बर (देशबन्धु)। कलेक्टर चंदन कुमार और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दीपक झा ने आज बलौदाबाजार और पलारी विकासखंड के धान खरीदी केंद्रों में पहुंचकर औचक निरीक्षण किया. इस दौरान उन्होने बलौदाबाजार के ग्राम सकरी, पलारी के ग्राम पंचायत अमेरा और नगर पंचायत पलारी के धान खरीदी केन्द्रों में धान बेचने पहुंचे किसानों से मुलाकात कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया.

कलेक्टर ने निरीक्षण के दौरान स्टॉक पंजी,बारदाना रजिस्टर,टोकन रजिस्टर की बारिकी से जांच की. इसके साथ ही ढेरी में लगाए हुए धान को पॉस मशीन के जरिये आर्द्रता को मापा गया. जांच के दौरान धान की गुणवत्ता सही पाई गई. इस दौरान कलेक्टर को कही कही किसानों से सूखत के नाम से किसानों से अधिक धान खरीदी और निर्धारित तय सीमा में नमी धान की शिकायतों को बड़ी गंभीरता से लिया है. उन्होने सभी अधिकारियों एवं प्रबंधको को दो टूक कहा कि किसी भी स्थिती में किसानों से सूखत के नाम से अधिक धान की तोलाई ना करे ना ही तय सीमा से अधिक नमी वाले धान की खरीदी की जाएं इस तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी.

कलेक्टर ने उचित व्यवस्था बनाने दिए निर्देश

इस दौरान कलेक्टर ने धान खरीदी केंद्र प्रभारी से कहा कि किसान कड़ी मेहनत कर धान उत्पादन करता है. किसान की मेहनत का वाजिब दाम मिले और उनके काम का सम्मान हो, इसका विशेष ध्यान रखें. उन्होंने कहा कि धान उपार्जन केंद्र में छाया और बैठक व्यवस्था अनिवार्य रूप से बनाए रखें. एक दिन में जितने किसानों से धान की खरीदी हो सके, उतने ही किसानों को धान खरीदी केंद्र में बुलाया जाए. ऐसा ना हो कि कोई किसान धान बेचने के लिए आए और उसे अनावश्यक रूप से अधिक समय तक रूकना पड़े.

कलेक्टर ने किसानों से की बात

कलेक्टर कुमार ने मौके पर किसानों, फड़ प्रभारी, मजदूरों अन्य ग्रामवासीयों से भी बातचीत की. बातचीत के दौरान ग्राम अमेरा निवासी प्रदीप कुमार ने कलेक्टर कुमार को बताया कि मुझे धान बेचने में किसी भी तरह की परेशानी नहीं हुई. सकरी धान खरीदी में किसान ग्राम सकरी धनी राम साहू ने बताया कि आज मैंने 900 कट्टा धान सकरी खरीदी केन्द्र में बेचा हूं. इसी तरह पलारी धान खरीदी के प्रबंधक ने बताया कि लगभग 800 किसान समिति में पंजीयन है. जिसमें से अभी तक 60 किसानो ने अपने धान बेचे हैं. उक्त निरीक्षण के दौरान सहायक कलेक्टर नम्रता चौबे,खाद्य अधिकारी विमल कुमार दुबे,नोडल अधिकारी शर्मा, डीएमओ निधि शशांक दुबे और डीआरसीएस गौड़ सहित संबंधित अन्य अधिकारी कर्मचारी मौजूद थे.

जिले में अब तक इतनी हुई धान की खरीदी

खाद्य विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार अब तक जिले में 6 हजार 328 किसानों से 21 हजार 282 में. टन धान की खरीदी की जा चुकी है. जिसके तहत 19 हजार 591 में.टन मोटा, 718 मे.टन पतला, 973 मे..टन सरना शामिल है. इसके एवज में लगभग 43 करोड़ रूपये का भुगतान आंनलाईन माध्यम से किया जा चुका है. अभी तक 4 हजार 192 में.टन डीओ जारी की जा चुकी है। लगभग मिलर द्वारा 1 हजार 97 में.टन का उठाव भी किया चुका है.

गौरतलब है कि जिले में 1 लाख 62 हजार 534 किसान पंजीकृत है. जिसके तहत इस वर्ष 7 लाख 48 हजार 924 में.टन खरीदी अनुमानित है. अभी तक कुल खरीदी का महज 2.84 प्रतिशत ही खरीदी हुई है.

गोपाष्टमी पर गोप पूजन का कार्यक्रम

गौरेला पेंड्रा मरवाही 20 नवंबर (देशबन्धु)। गोपाष्टमी के पावन पर्व पर सर्वोदय पशु संरक्षण केन्द्र गौशाला में % ग्राम सरखोर में गौ पूजन एवं भंडारा प्रसाद का आयोजन किया गया।

गोपाष्टमी कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि को मनाते हैं। सनातन धर्म में मान्यता है कि गोपाष्टमी वाले दिन भगवान श्री कृष्ण के ग्वाल रूप की पूजा की जाती है। इस दिन उन ग्वालों एवं गायों की पूजा की जाती है, जो गाय, बछड़े और गैय्या चराते हैं। इसी तारतम में आज सरखोंर स्थित गौशाला गौ पूजन का कार्यक्रम रखा गया कार्यक्रम के अवसर पर पेंड्रा के स्थानीय पशु प्रेमीयो सहित धर्मावलंबीयो द्वारा गौ पूजन के साथ गायों के महत्व एवं उनके विशेषताओं को बताते हुए एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें पेंड्रा नगर के सभी गौ सेवकों ने अपनी गौ पूजन में शामिल होकर भंडार प्रसाद प्राप्त किया।

बीमारी से परेशान होकर फांसी लगाया

तखतपुर 20 नवंबर (देशबन्धु)। स्वास्थ्य को लेकर पीड़ित व्यक्ति ने व्यथित होकर फांसी लगा लिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले को विवेचना में ले लिया। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार वार्ड 11 निवासी राजकुमारी कैवर्त पति महावीर जो पिछले कुछ समय से अस्वस्थ्य हो रही थी कई बार उपचार कराई पर कोई लाभ नही हुआ जिसके कारण वह हमेशा परेशान रहती थी बीती रात्रि में जब परिवार के सभी सदस्य खाना खाकर सो गए तभी वह रात्रि में कमरे से बाहर निकली और उसके बाद जब सुबह उसका पति 5 बजे देखा तो बिस्तर पर नही थी और जब बाहर निकलकर देखा तो वह फांसी पर लटक रही थी तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले को विवेचना में ले लिया।

गाली गलौज मारपीट करने वाले के खिलाफ अपराध दर्ज

तखतपुर 20 नवंबर (देशबन्धु)। दुकान के सामने बैठे युवक के साथ आरोपी ने गाली गलौज करते हुए मारपीट किया। जिसकी शिकायत थाने में दर्ज कराई गई है पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 294, 506, 323 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर मामले को विवेचना में ले लिया।

सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार उमरिया निवासी गिरजा बाई क्षत्री ने थाने में शिकायत किया है कि 18 नवम्बर को शाम 7 बजे वह किराना दुकान के पास बैठा था तभी गांव का ही आरोपी इंद्रेश ठाकुर आया और उसके साथ गाली गलौज् करते हुए मारपीट करने लगा जब वह अपना बचाव करने के लिए अपने दीदी

के घर के तरफ दौड़ा तो इंद्रेश और गोलू दोनों दौड़ते हुए पकड़े और ईंट को सिर पर दे मारा जिससे युनाथ को गंभीर चोंटे आयी। जिसकी शिकायत थाने में दर्ज करायी गई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 294, 506, 323 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर मामले को विवेचना में ले लिया।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में फाइलेरिया मुक्त अभियान चलाकर जागरूक किया

तखतपुर 20 नवंबर (देशबन्धु)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में खंड चिकित्साधिकारी डॉ सुनील हंसराज ,विकाश खंड प्रबंधक केसर सिंह, विकास खंड विस्तार अधिकारी लाल दास बंजारे के नेतृत्व में समस्त विकास खंड के चिकित्सा अधिकारी, सभी पर्वेक्षक और समस्त स्टाफ नर्स की उपस्थिति में आज फाइलेरिया मुक्ति अभियान कार्यक्रम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में सभी ओपीडी मरीजों को फाइलेरिया मुक्ति अभियान के तहत जागरूक किया गया एवम फाइलेरिया बीमारी की गंभीरता को देखते हुए इस बीमारी से आम जनमानस को कैसे बचाया जाए,,क्या सावधानी अपने आसपास रखनी है सभी मरीजों को प्रचार प्रसार के माध्यम से बताने हेतु प्रेरित किया गया। और फाइलेरिया से तखतपुर के मरीजों को मुक्त रखने हेतु आज के कार्य शाला में संगोष्ठी के माध्यम से अवगत कराया गया।

इससे बचने का एक मात्र उपाय है की लोगो में जागरूक और प्रति छः माह में प्रोफिलाइक्सिस दवाई के रूप में एक गोली अल्बेंडाजोल और दो गोली डी ई सी की सभी सामान्य मरीजों को खिलाई जाए।इस अवसर पर केसर,लाल दास बंजारे सहित अन्य उपस्थित रहे।

बीएड-डीएलएड की तीन हजार से ज्यादा सीटें खाली

रायपुर, 20 नवंबर (देशबन्धु)। बैचलर आफ एजुकेशन(बीएड) और डिप्लोमा इन एलीमेंट्री एजुकेशन (डीएलएड) पाठ्यक्रम की प्रवेश प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। इसके बावजूद अभी भी बीएड में 2400 और डीएलएड में 850 सीटें खाली हैं। इन खाली सीटों में प्रवेश के लिए जल्द ही समय-सारिणी जारी की जाएगी। प्रदेश में विधानसभा चुनाव होने के कारण आचार संहिता लागू है, आचार संहिता हटते ही प्रवेश प्रक्रिया शुरू होने की संभावना है। एससीईआरटी की तरफ से प्रवेश प्रक्रिया अलग-अलग दो चरण में पूरी की गई। हर चरण में छात्रों को दो-दो राउंड में प्रवेश लेने का समय दिया गया। इसके बावजूद भी बीएड और डीएलएड की सीटें खाली रह गई हैं। राज्य में बीएड की पढ़ाई लगभग 146 कालेज में हो रही है। यहां 14,400 सीटें हैं, जबकि 91 कालेजों में डीएलएड की 6,725 सीटें हैं। निजी बीएड कालेजों में दूसरे राज्य के छात्रों के लिए 20 प्रतिशत सीटें आरक्षित हैं।

केबीसी जूनियर में भिलाई के शतरंज खिलाड़ी विराट अय्यर दिखेंगे हॉट सीट पर

दुर्ग, 20 नवंबर (देशबन्धु)। कौन बनेगा करोड़पति जूनियर के हॉट सीट पर भिलाई के प्रतिभावान शतरंज खिलाड़ी 8 वर्षीय विराट अय्यर के हॉट सीट पर चयन होने पर जिला शतरंज संघ दुर्ग ने विराट को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए शुभकामनाएं दी है। जिला शतरंज संघ दुर्ग के अध्यक्ष ईश्वर सिंह राजपूत कोषाध्यक्ष तुलसी सोनी ने बताया कि जिला शतरंज संघ दुर्ग द्वारा अगले माह आयोजित होने वाले श्री जलाराम ट्रॉफी में विराट अय्यर का भव्य सम्मान किया जाएगा।

श्री शंकराचार्य सेक्टर 10 भिलाई में कक्षा तीसरी में अध्यनरत विराट के के बी सी हॉट सीट पर चयन होने पर जिला शतरंज संघ दुर्ग के अध्यक्ष ईश्वर सिंह राजपूत, कोषाध्यक्ष तुलसी सोनी, उपाध्यक्ष दिनेश जैन, एस के भगत, ललित वर्मा, दिनेश नलोडे, मोरध्वज चंद्राकर, अजय राय, सचिव मिथिलेश बंजारे, सह सचिव संजय खंडेलवालस रॉकी देवांगन, सदस्य आर के ताम्रकारस जवाहर सिंह राजपूतस हरीश सोनी ने जिले के प्रतिभावान शतरंज खिलाड़ी विराट को कौन बनेगा करोड़पति जूनियर हाट सीट पर चयन होने पर बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है। जिला शतरंज संघ दुर्ग ने विराट के माता-पिता के अलावा अंतर्राष्ट्रीय महिला शतरंज खिलाड़ी एवं प्रशिक्षक किरण अग्रवाल को भी इस उपलब्धि के लिए बधाई प्रेषित की है।

सार-संक्षेप

महापुराण यज्ञ का आयोजन 3 से

तखतपुर 20 नवंबर (देशबन्धु)। संगीतमय मां परमेश्वरी देवी महापुराण कथा यज्ञ का आयोजन 3 से 9 दिसम्बर तक किया गया है। जिसमें संगीतकार छोटू देवांगन, कथा वाचक किशन राव रहेंगे।

आयुष ने निःशक्त को दिया हैण्डस्टिक

तखतपुर 20 नवंबर (देशबन्धु)। खटोला दर्री के रागेन्द्र ध्रुव जो निःशक्त है उसको आयुष सिंह ठाकुर ने हैण्डस्टिक डोनेट किया। जिससे रागेन्द्र को चलने में आसानी हो जाएगी।स्टिक मिलने से उसकी चहरे में खुशी साफ झलक रही थी। आयुष सिंह ठाकुर ने उसको भविष्य में हर संभव मदद करने की बात कही। इस अवसर पर अनीता पोर्ते, पंकज साहू, सतीश जायसवाल, लक्ष्मीनारायण साहू, शुभम् क्षत्रिय, राहुल ठाकुर, रविराज सोनी, आदर्शी सोनी सहित अन्य उपस्तिथ रहे।

अखिल भारतीय सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा 21 जनवरी को

16 दिसम्बर तक जमा कर सकते है ऑनलाईन आवेदन

रायगढ़, 20 नवंबर (देशबन्धु)। शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए सैनिक स्कूल अम्बिकापुर में कक्षा 6 वीं एवं 9 वीं में प्रवेश हेतु अखिल भारतीय सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा 21 जनवरी 2024 को राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए)द्वारा आयोजित की जाएगी। सैनिक स्कूल अम्बिकापुर में प्रवेश हेतु ऑनलाईन आवेदन, राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी की अधिकारिक वेबसाईट www.nta.ac.in या https://e&ams.nta.ac.in/AISSEE/ पर 16 दिसम्बर 2023 शाम 5 बजे तक भरे जायेंगे।

न्यायालय अपर आयुक्त कैम्प कोर्ट रायगढ़ में 23 नवम्बर को नियत प्रकरणों की सुनवाई तिथि में परिवर्तन

रायगढ़, 20 नवंबर (देशबन्धु)। न्यायालय श्रीमान अपर आयुक्त, बिलासपुर संभाग, बिलासपुर (कैम्प रायगढ़) में नियत पेशी 23 नवम्बर 2023 को स्थानीय अवकाश (देवउठनी)घोषित हो जाने के कारण उक्त तिथि को नियत समस्त प्रकरणों की आगामी सुनवाई 22 फरवरी 2024 को नियत की गई है।

प्रथम पृष्ठ का शेष

जजों की नियुक्ति में ...

नहीं थी। हमने सरकार को सूचित कर रखा है। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा हमने हाईकोर्ट्स में 14 जजों की नियुक्ति की सिफारिश की है, लेकिन नियुक्ति सिर्फ गुवाहाटी हाईकोर्ट में हुई। सरकार की इस पसंद-नापसंद से जजों के वरिष्ठता के क्रम पर असर पड़ता है। वकील जज बनने के लिए अपनी मंजूरी वरिष्ठता के लिए ही तो देते हैं। जब इस पर अमल नहीं होगा, तो वे जज बनने को क्यों राजी होंगे?

आधे से ज्यादा नाम लटका रखे हैं

पिछली बार हमने जो नाम दोहराए थे, उनमें से 8 अब तक पेंडिंग हैं। हमें पता है वे नाम क्यों लटकाए गए हैं। हमें सरकार की चिंता भी मालूम है। आधे से ज्यादा नाम सरकार ने क्लियर नहीं किए। हमारी जानकारी के अनुसार, आपने 5 लोगों के लिए तबादला आदेश जारी किए हैं, लेकिन 6 अन्य के लिए नहीं, उनमें से 4 गुजरात से हैं। यह अच्छा संकेत नहीं है। इस पर अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी कि कोर्ट सरकार को थोड़ा और वक्त दे।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कॉलेजियम ने 11 जजों के ट्रांसफर की सिफारिश केंद्र सरकार से की थी। इसमें से 5 जजों का तो ट्रांसफर हो गया, लेकिन 6 के अभी भी रुके हुए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि केंद्र इसका समाधान लेकर आए। 5 दिसंबर को अगली सुनवाई होगी।

निधन

कावेरी दुबे

बिलासपुर। अशोक नगर डीएलएस कालेज के पीछे रहने वाली कावेरी दुबे(मस्तुरहिन गौटनिन) मोहलाइन वाले का 85 वर्ष की आयु में 20 नवंबर को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार सोमवार को सरकंडा स्थित मुक्तिधाम में किया गया। वे बसंत दुबे, सनत दुबे की मां थी।

मेसर्स बैनिस्टर ट्रेडकॉम लिमिटेड
पंजीकृत कार्यालयः दुकान नंबर 1, वाणिज्यिक भवन, रामा लाइफ सिटी कॉलोनी, सकरी, बिलासपुर (सी.जी.) - 495001

कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय के क्षेत्रीय निदेशक के समक्षउत्तर पश्चिमी क्षेत्र

कंपनी अधिनियम, 2013 के मामले में, कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 14 और कंपनी (निगमन) नियम, 2014 के नियम 41और मेसर्स बैनिस्टर ट्रेडकॉम लिमिटेड का पंजीकृत कार्यालय दुकान नंबर 1, वाणिज्यिक भवन, रामा लाइफ सिटी कॉलोनी, सकरी, बिलासपुर (सी.जी.) - 495001 में होने के मामले में, आवेदक।

इसके द्वारा आम जनता को सूचना दी जाती है कि कंपनी उपरोक्त नियमों के साथ पठित कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 14 के तहत केंद्र सरकार को आवेदन करने का इरादा रखती है और पारित विशेष प्रस्ताव के अनुसार एक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में परिवर्तित होने की इच्छुक है।

कंपनी को इस तरह के रूपांतरण को प्रभावी करने में सक्षम बनाने के लिए 20.11.2023 को आयोजित असाधारण आम बैठक में कोई भी व्यक्ति जिसका हित कंपनी के प्रस्तावित परिवर्तन/स्थिति से प्रभावित होने की संभावना है, वह अपने हित की प्रकृति और क्षेत्रीय विरोध के आधार बताते हुए एक हलफनामे द्वारा समर्थित अपनी आपत्तियों को पंजीकृत डाक से वितरित या करा सकता है या भेज सकता है। निदेशक, अहमदाबाद, रॉक भवन, रूपल पार्क सोसायटी के सामने, अंकुर बस स्टॉप के पीछे, नारणपुरा, अहमदाबाद-380013 (फोनः 079-27437597 फैक्सः079-27438371 ईमेल आईडी - rd.northwest@mca.gov.in) चौदह दिनों के भीतर इस नोटिस के प्रकाशन की तिथि और एक प्रति आवेदक कंपनी को उसके पंजीकृत कार्यालय में भेजें।

आवेदक के लिए और उसकी ओर से
मेसर्स बैनिस्टर ट्रेडकॉम लिमिटेड
एसडी/-
विवेक अग्रवाल
निदेशक
डीआईएनः 07013974
पताः मकान नंबर 273/3 स्कूल पारा मनेन्द्रगढ़ कोरिया (छ.ग.)-497442

दिनांकः 21.11.2023
स्थानः बिलासपुर

शपथ-पत्र

मैं **श्रीमती कविता आहूजा**, उम्र 56 वर्ष, पति श्री **पूरन लाल आहूजा**, निवासी आदर्श कॉलोनी, दयालबंद, बिलासपुर, तहसील व जिला बिलासपुर (छ.ग.) की हूं जो कि निम्नलिखित कथन शपथपूर्वक करती हूं –

1/ मेरा भारतीय जीवन बीमा निगम शाखा क्र. 01 बिलासपुर में बीमा पॉलिसी है, जिसका पॉलिसी संख्या 385389520 है।

2/ उक्त बीमा पॉलिसी में मेरा घरेलू नाम **सुधा आहूजा पति श्री पूरन लाल आहूजा** दर्ज है।

3/ भारत सरकार द्वारा मेरे नाम पर जारी आधार संख्या 4319-2881-5611 में मेरा नाम **श्रीमती कविता आहूजा पति श्री पूरन लाल आहूजा** दर्ज है।

4/ **सुधा आहूजा** एवं **कविता आहूजा** यह दोनों नाम एक ही व्यक्ति का नाम अर्थात् मेरा ही नाम है।

5/ भारतीय जीवन बीमा निगम की पॉलिसी संख्या 385389520 में मेरा घरेलू नाम **सुधा आहूजा** के स्थान पर मेरा आधार संख्या 4319-2881-5611 में दर्ज नाम **कविता आहूजा** सुधार कराना चाहती हूं।

6/ मैं यह शपथ-पत्र उक्त कथन के समर्थन में भारतीय जीवन बीमा निगम शाखा क्र. 01 बिलासपुर के समक्ष प्रस्तुत करने हेतु निष्पादित कर रही हूं।

शपथकर्ता
कविता आहूजा सुधा आहूजा
आदर्श कॉलोनी, दयालबंद, बिलासपुर, तहसील व जिला बिलासपुर (छ.ग.)

शपथ-पत्र

मैं **जवाहर लाल चौरसिया**, उम्र 56 वर्ष, पिता **श्री बेनी प्रसाद चौरसिया**, निवासी फजलबाड़ा जूना बिलासपुर तहसील एवं जिला बिलासपुर (छ.ग.) का हूं जो कि निम्न कथन शपथपूर्वक करता हूं कि :–

1/ मेरा नाम **जवाहर लाल चौरसिया** है और उपरोक्त पते का निवासी हूं।

2/ भारतीय जीवन बीमा निगम में मेरी पॉलिसी है, जिसका पॉलिसी नंबर 358140386 (पॉलिसी प्रारंभ 24.02.2010 शाखा क्रमांक 02 व्यापार विहार बिलासपुर हुई थी) जिसमे मेरा नाम **ननकू प्रसाद चौरसिया** दर्ज है, जो कि मेरा घरेलू नाम **ननकू प्रसाद चौरसिया** है, अभी वर्तमान में प्रचलित नाम **जवाहर लाल चौरसिया** दर्ज किया जावे जो कि सही नाम **जवाहर लाल चौरसिया** दर्ज किया जावे चूंकि मेरे आधार कार्ड नं. 8903 2711 5476 पेन नं. **ANSPC8768N,** बैंक खाता यूको बैंक एवं अन्य दस्तावेजों में मेरा सही नाम जवाहर लाल चौरसिया दर्ज है।

3/ इस प्रकार से **जवाहर लाल चौरसिया** और **ननकू प्रसाद चौरसिया** मेरे ही नाम है। इस प्रकार दोनों ही नाम एक ही व्यक्ति का नाम है, अर्थात एक ही व्यक्ति के हैं, अलग या दूसरा नहीं है।

4/ उक्त कथन के समर्थन में यह शपथ-पत्र प्रस्तुत कर रहा हूं।

शपथकर्ता
जवाहर लाल चौरसिया
फजलबाड़ा जूना बिलासपुर तहसील एवं जिला बिलासपुर (छ.ग.)

नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है की मैं पुराना नाम अनिल कुमार त्रिपाठी पिता रामशरण त्रिपाठी अपना पुराना नाम को बदलकर नया नाम अनिल त्रिपाठी पिता राम शरण त्रिपाठी निवासी आर-8/15, रामा वैली, रायपुर रोड, बोदरी, चकरभाठा, बिलासपुर (छ.ग.) 495220 रख लिया हूं अतः अब मुझे भविष्य में समस्त शासकीय अर्द्धशासकीय व अन्य दस्तावेजों में नया नाम अनिल त्रिपाठी पिता रामशरण त्रिपाठी से जाना एवं पहचाना जाय।

अनिल त्रिपाठी
आर-8/15, रामा वैली, रायपुर रोड, बोदरी,
चकरभाठा बिलासपुर,
(छग) 495220

NAME CHANGE

It is informed to the general public that I, DEVENDRA PRASAD KAUSHIK S/O GANDHI RAM KAUSHIK resident of H.NO-814, WARD NO-09, BHARTIYA NAGAR, BILASPUR (C.G) 495001 have changed my old name DEVENDRA PRASAD KAUSHIK S/O GANDHI RAM KAUSHIK so in future I should be recognized by my new name that is DEVENDRA KAUSHIK S/O-GANDHI RAM KAUSHIK in all Government and other documents.

DEVENDRA KAUSHIK
H.NO-814, WARD NO-09,
BHARTIYA NAGAR,
BILASPUR (C.G) 495001

मेसर्स लक्ष्मीवान बिजनेस लिमिटेड
पंजीकृत कार्यालयः दुकान नंबर 2, वाणिज्यिक भवन, रामा लाइफ सिटी कॉलोनी, सकरी, बिलासपुर (छत्तीसगढ़) - 495001

क्षेत्रीय निदेशक, कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय के समक्ष उत्तर पश्चिमी क्षेत्र

कंपनी अधिनियम, 2013 के मामले में, कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 14 और कंपनी (निगमन) नियम, 2014 के नियम 41 और मेसर्स लक्ष्मीवान बिजनेस लिमिटेड के मामले में, जिसका पंजीकृत कार्यालय दुकान नंबर 2, वाणिज्यिक भवन, रामा लाइफ सिटी कॉलोनी, सकरी, बिलासपुर (सी.जी.) - 495001 में है, आवेदक।

इसके द्वारा आम जनता को सूचना दी जाती है कि कंपनी उपरोक्त नियमों के साथ पठित कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 14 के तहत केंद्र सरकार को आवेदन करने का इरादा रखती है और पारित विशेष प्रस्ताव के अनुसार एक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में परिवर्तित होने की इच्छुक है।

कंपनी को इस तरह के रूपांतरण को प्रभावी करने में सक्षम बनाने के लिए 20.11.2023 को आयोजित असाधारण आम बैठक में कोई भी व्यक्ति जिसका हित कंपनी के प्रस्तावित परिवर्तन/स्थिति से प्रभावित होने की संभावना है, वह अपने हित की प्रकृति और क्षेत्रीय विरोध के आधार बताते हुए एक हलफनामे द्वारा समर्थित अपनी आपत्तियों को पंजीकृत डाक से वितरित या करा सकता है या भेज सकता है। निदेशक, अहमदाबाद, रॉक भवन, रूपल पार्क सोसायटी के सामने, अंकुर बस स्टॉप के पीछे, नारणपुरा, अहमदाबाद-380013 (फोनः 079-27437597 फैक्सः079-27438371 ईमेल आईडी - rd.northwest@mca.gov.in) चौदह दिनों के भीतर इस नोटिस के प्रकाशन की तिथि और एक प्रति आवेदक कंपनी को उसके पंजीकृत कार्यालय में भेजें।

आवेदक के लिए और उसकी ओर से
मेसर्स लक्ष्मीवान बिजनेस लिमिटेड
एसडी/-
विवेक अग्रवाल
निदेशक
डीआईएनः 07013974
पताः मकान नंबर 273/3 स्कूल पारा मनेन्द्रगढ़, कोरिया (छ.ग.)-497442

दिनांकः 21.11.2023
स्थानः बिलासपुर

देश

उवाच

उत्तर प्रदेश में कांग्रेस मजबूती से लड़ेगी। इसके लिए प्रदेश में कार्यकर्ताओं व नेताओं से संवाद स्थापित किया जा रहा है। योगी का मॉडल फेल हो चुका है। प्रदेश में आए दिन लोगों की हत्याएं हो रही हैं और प्रदेश सरकार इस पर अंकुश लगाने में नाकाम है।

-अजय राय, कांग्रेस नेता

तापमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	27°	18°
मुंबई	33°	26°
कोलकाता	28°	20°
चेन्नई	29°	27°

बाड़मेर में कांग्रेस की निर्दलीय उम्मीदवार से टक्कर

विधानसभा सीट पर पार्टियों में आपसी तकरार से मुकाबला बना दिलचस्प

बाड़मेर,20 नवम्बर (एजेंसियां)। बाड़मेर में कांग्रेस को भाजपा से नहीं, बल्कि निर्दलीय उम्मीदवार से कड़ी चुनौती मिल रही है। बाड़मेर विधानसभा सीट पर तीन बार चुनाव जीत चुके मेवाराम जैन चौथी बार अपनी किस्मत आजमाने के लिए मैदान में हैं। क्षेत्र में कामकाज को लेकर लोगों की बीच उन्हें कुछ नाराजगी भी झेलनी पड़ रही है, लेकिन इसके बाद भी उनके समर्थक उनके साथ हैं। वहीं, भाजपा ने टिकट के स्थानीय दावेदारों की आपसी प्रतिद्वंद्विता को समाप्त करते हुए दीपक कड़वासरा को अपना उम्मीदवार बनाया है। लोगों के बीच कमजोर पकड़ दीपक कड़वासरा की सबसे बड़ी कमी साबित हो रही है। जमीन पर चर्चा है कि केंद्रीय मंत्री अशोक चौधरी की दखल के कारण उन्हें टिकट मिल गया है, इससे उनकी छवि को खासा नुकसान हो रहा है। अशोक चौधरी का क्षेत्र में काफी विरोध हो रहा है। वे कड़वासरा के चुनाव प्रचार तक में शामिल नहीं हो पा रहे हैं। भाजपा को बाड़मेर में इस स्थिति का नुकसान हो सकता है।

दोनों ही राष्ट्रीय दलों के उम्मीदवारों को सबसे कड़ी चुनौती भाजपा की बागी उम्मीदवार डॉ. प्रियंका चौधरी से मिल रही है। जाट समुदाय के प्रभावशाली राजनीतिक परिवार से आने वाली प्रियंका चौधरी को भाजपा का मजबूत संभावित प्रत्याशी माना जा रहा था। दीपक कड़वासरा को टिकट मिलने के बाद प्रियंका चौधरी निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव मैदान में कूद पड़ीं। स्थानीय निवासी उनकी जीत की प्रबल संभावना जता रहे हैं। जाट समुदाय अपने समाज से आने

■ भाजपा से टिकट न मिलने पर निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव मैदान में कूदी प्रियंका चौधरी

वाली लड़की के साथ डटकर खड़ा हुआ है। जाट समुदाय ही नहीं, अन्य स्थानीय समुदाय भी उनके साथ हैं। प्रियंका चौधरी स्वयं अपने चुनाव प्रचार में खुद को हर समाज, हर वर्ग की बेटी बता रही हैं। वे पिछले 15 साल से जमीन पर राजनीतिक तैयारी करती रहीं और जनता के हर संघर्ष में साथ खड़ी रहीं। उन्हें अपने इस संघर्ष का सकारात्मक परिणाम यहां से जीत के रूप में मिल सकता है, उनके करीबियों का यही मानना है।

प्रियंका चौधरी को टिकट न मिलने से भाजपा कार्यकर्ता भी नाराज

भाजपा कार्यकर्ता अनिल खत्री ने कहा कि वे नरेंद्र मोदी के साथ खड़े हैं। लोकसभा चुनाव में उन्हें जिताने के लिए पूरा संघर्ष करेंगे। राजस्थान में भी भाजपा की सरकार बनेगी, लेकिन बाड़मेर में वे प्रियंका चौधरी को वोट करेंगे, क्योंकि भाजपा की असली उम्मीदवार उन्हीं को होना चाहिए था। उन्होंने कहा कि भाजपा यहां तीसरे-चौथे नंबर पर रहने वाली है। व्यापारी गोविंद कुमार कहते हैं कि मेवाराम ने काम ठीक ठाक किया है, लेकिन अब उन्हें बदलाव चाहिए। लोग प्रियंका चौधरी के साथ खड़े हैं। उनकी जीत तय है क्योंकि जनता ने 15 साल उनके संघर्ष को देखा है। अशोक गहलोत के करीबी मेवाराम जैन पर भी प्रवर्तन निदेशालय की जांच की आंच आई थी। इसका उन्हें नुकसान होने की बजाय फायदा होता दिखाई पड़ रहा है। क्षेत्र के लोगों को लगता है कि कांग्रेस के मजबूत सहयोगी को केंद्र के इशारे पर कमजोर करने का काम किया जा रहा है। मेवाराम जैन को इसका लाभ मिल सकता है। स्थानीय निवासी रवि जैन बताते हैं कि 15 साल में मेवाराम जैन ने क्षेत्र का काफी विकास किया है। कांग्रेस के कद्दावर नेता हरीश चौधरी एक बार फिर मजबूत दावेदारी कर रहे हैं। बायतू सीट पर वे अपने काम जनता को गिना रहे हैं। रेगिस्तानी क्षेत्र में लोगों के लिए जल की सुविधा, कोरोना काल में लोगों की मदद उनकी बड़ी ताकत साबित हो रही है।

भाजपा ने तीन सीटों पर संतों पर लगाया दांव

जयपुर। राजस्थान में भाजपा ने तिजारा, पोखरण और हवा महल में कांग्रेस के मुस्लिम उम्मीदवारों के खिलाफ तीन हिंदू संतों को मैदान में उतारा है। राज्य के कुल 5.25 करोड़ मतदाताओं में से 62 लाख से ज्यादा मतदाता मुस्लिम हैं, लेकिन इस बार लंबे समय बाद भाजपा ने कुल 200 में से एक भी सीट पर किसी मुस्लिम नेता को टिकट नहीं दिया। बल्कि, तीन मुस्लिम बहुल सीटों पर संतों को मैदान में उतारा गया है। भगवा पार्टी के नेताओं ने कहा कि इसे ध्रुवीकरण के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है, जिससे लंबे समय में भाजपा को फायदा होने की उम्मीद है। पोखरण में, पिछले विधानसभा चुनाव के दौरान, केवल 872 वोटों ने विजेता को पराजित उम्मीदवार से अलग कर दिया था, इसलिए अब एक हिंदू संत को एक मुस्लिम धार्मिक नेता के बेटे के खिलाफ खड़ा किया गया है।

कांग्रेस के मौजूदा विधायक सालेह मोहम्मद का मानना है कि लोग धार्मिक आधार पर नहीं बल्कि उनके विकास कार्यों के लिए वोट करेंगे। वह सीट पर सत्ता विरोधी रुझान को कम करने की उम्मीद कर रहे हैं। अनुमान है कि पोखरण में लगभग 2.22 लाख मतदाता हैं, उनमें से अधिकांश मुस्लिम या राजपूत हैं। यहां करीब 60,000 मुस्लिम, 40,000 राजपूत, 35,000 एससी/एसटी, 10,000 जाट, 6,000 बिश्नोई, 5,000 माली और 3,000 ब्राह्मण मतदाता हैं। स्थानीय मुद्दे और पिछले पांच वर्षों में लोगों के साथ नेताओं के व्यक्तिगत संबंध भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

चुनावी दौर में पांच राज्यों में 1760 करोड़ की नकदी, माल-असबाब जब्त : आयोग

सबसे अधिक नकदी तेलंगाना में व सबसे कम मिजोरम में पकड़ी गई

नई दिल्ली, 20 नवम्बर (एजेंसियां)। भारतीय निर्वाचन आयोग ने सोमवार को बताया कि पांच राज्यों में इस समय चल रहे विधानसभा चुनावों की घोषणा के बाद उसने इन राज्यों में अब तक कुल 1760 करोड़ रुपए की नकदी, शहराब और मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए उन्हें मुफ्त दिए जाने वाले सामान जब्त किए हैं। आयोग ने एक विज्ञप्ति में बताया कि यह जब्ती प्रवर्तन एजेंसियों के सहयोग और समन्वय के साथ की गई है। इन कार्रवाइयों में सबसे अधिक नकदी तेलंगाना में और सबसे कम (शून्य) नकदी मिजोरम में पकड़ी गयी है। इन राज्यों में इस बार की गयी जब्ती इन पांचों राज्यों में 2018 में कराये गये राज्य विधानसभा चुनावों के दौरान इस तरह की जब्ती की तुलना में करीब सात गुना है।

आयोग की चुनाव के दौरान जब्ती की कार्रवाई के लिये स्थापित प्रबंधन प्रणाली और प्रवर्तन एजेंसियों ने अब तक 373 करोड़ रुपए की नकदी, 215 करोड़ रुपए की शराब, 245 करोड़ रुपए की ड्रग, 371 करोड़ रुपए की बहुमूल्य धातुएं, 556 करोड़ रुपए के मुफ्त बांटने के सामान जब्त किए हैं। इस दौरान छत्तीसगढ़ में करीब 21 करोड़ रुपए की नकदी, दो करोड़ रुपए से अधिक की शबरा, साढ़े चार करोड़ रुपए से अधिक के मादक द्रव्य, करीब 23 करोड़ रुपए की बहुमूल्य धातुएं और करीब 26 करोड़ 70 लाख रुपए के सामान जब्त किए

गए। मध्य प्रदेश में 33.72 करोड़ रुपए की नकदी, 69.85 करोड़ रुपए की शराब, 15.53 करोड़ रुपए के ड्रग्स, 84.1 करोड़ रुपए की महंगी धातुएं, और 120.53 करोड़ रुपए के सामान जब्त किए गए हैं। मिजोरम में 4.67 रुपए की शराब, 29.82 रुपये की ड्रग्स, और 15.16 रुपए के सामान की जब्ती की गई है। राजस्थान में 93.17 करोड़ रुपए की नकदी, 51.29 करोड़ की शराब, 91.71 करोड़ रुपए के ड्रग्स, 73.36 करोड़ रुपए की मूल्यवान धातुएं तथा 341.24 करोड़ रुपए मूल्य के बांटने के सामान पकड़े गए हैं। तेलंगाना में चुनाव में मतदाताओं को लुभा कर चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने की अवांछित गतिविधियों की रोकथाम के तहत जब्ती की कार्रवाई में सबसे अधिक 225.23 करोड़ रुपए की नकदी, 86.82 करोड़ रुपए की शराब, 103.74 करोड़ रुपए के ड्रग्स, 191.02 करोड़ रुपए की बहुमूल्य धातुएं तथा 52.41 करोड़ रुपए के सामान पकड़े गए हैं। मिजोरम, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में मतदान कराए जा चुके हैं। राजस्थान और तेलंगाना में क्रमशः 25 और 30 नवम्बर को मतदान होगा।

सार संक्षेप

मप्र कांग्रेस ने शाजापुर जिलाध्यक्ष को पद से हटाया

भोपाल। मध्य प्रदेश कांग्रेस ने शाजापुर जिलाध्यक्ष योगेंद्र सिंह बंटी को पद से हटा दिया है। उन पर चुनाव में पार्टी के खिलाफ काम करने का आरोप है। इस संबंध में उनसे सात दिन में जवाब मांगा गया है। मध्य प्रदेश विस चुनाव के बाद कांग्रेस ने अधिकारी-कर्मचारियों के साथ ही अपने नेताओं पर भी कार्रवाई शुरू कर दी है। चुनाव में पार्टी के खिलाफ काम करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में मप्र कांग्रेस ने पार्टी के खिलाफ काम करने पर शाजापुर जिलाध्यक्ष योगेंद्र सिंह बंटी को पद से हटा दिया है। सात दिन में जवाब मांगा है। इसमें संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई करने की चेतावनी दी गई है। योगेंद्र सिंह बंटी पर पार्टी के खिलाफ काम करने और अपने समर्थकों को भाजपा में शामिल कराने का आरोप है।

राजस्थान में मतदान कार्मिकों ने डाक मतपत्रों से किया मतदान

जयपुर। राजस्थान में 25 नवम्बर को होने वाले विधानसभा आम चुनाव में लगे एक लाख 83 हजार से अधिक कार्मिक डाक मतपत्र से अपना मतदान कर चुके हैं। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि चुनाव ड्यूटी में लगे कार्मिकों, पुलिस अधिकारियों आदि द्वारा सभी जिलों में बने फेसिलिटेशन सेंटर्स पर अब तक एक लाख 83 हजार 467 मत डाले गए हैं। रविवार को 45 हजार 872 मतदान कार्मिकों द्वारा मताधिकार का प्रयोग किया गया। गुप्ता ने बताया कि प्रदेश के सभी विधानसभा क्षेत्रों एवं अन्य जिलों में चुनाव कार्य में नियुक्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए डाक मतपत्र से मतदान करने के लिए फेसिलिटेशन सेंटर स्थापित किये गए हैं। इन केंद्रों पर 24 नवम्बर तक मतदान किया जा सकेगा। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि इन सुविधा केंद्रों के अतिरिक्त प्रत्येक रिटर्निंग अधिकारी स्वयं के कार्यालय में एक सुविधा केन्द्र 22 से 24 नवंबर तक स्थापित करना सुनिश्चित करेंगे।

तेलंगाना में सभी घोटालों की होगी जांच : रेड्डी

हैदराबाद। तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष जी. किशन रेड्डी ने दोहराया कि अगर उनकी पार्टी राज्य में सत्ता में आती है, तो वह बीआरएस सरकार द्वारा सभी भ्रष्टाचार, घोटालों की न्यायिक जांच का आदेश देगी। तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि केसीआर के नेतृत्व वाली सरकार के खिलाफ भ्रष्टाचार के सभी आरोपों की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट के एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में एक आयोग का गठन किया जाएगा। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि दोषियों को सजा मिले, चाहे वे केसीआर के परिवार के सदस्य हों, बीआरएस मंत्री हों या बीआरएस विधायक हों।

छग में 50 विस क्षेत्रों में महिलाओं ने पुरुषों से ज्यादा किया मतदान

रायपुर, 20 नवम्बर (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में मतदान के मामले में महिलाएं का प्रतिशत पुरुषों से कहीं ज्यादा रहा है। इसके साथ ही 90 में से 50 विधानसभा क्षेत्रों में भी महिला मतदाता पुरुषों से आगे रही है। छत्तीसगढ़ में दो चरणों सात और 17 नवम्बर को हुए मतदान में कुल एक करोड़ 55 लाख 61 हजार 460 मतदाताओं ने अपने

मताधिकार का प्रयोग किया, जिसमे 77 लाख 48 हजार 612 पुरुष मतदाता और 78 लाख 12 हजार 631 महिला मतदाता शामिल हैं। विधानसभा चुनाव में अपने मताधिकार का प्रयोग करने वाली महिला मतदाताओं की कुल संख्या वोट डालने वाले पुरुष मतदाताओं की कुल संख्या से अधिक है। छत्तीसगढ़ की 90 विधानसभा क्षेत्रों में से 50 विधानसभा क्षेत्रों में पुरुषों की तुलना में महिलाओं ने ज्यादा मतदान किया है। भरतपुर-सोनहत, प्रतापपुर, रामानुजगंज, सामरी, लुण्ड्रा, अंबिकापुर, सीतापुर, जशपुर, कुनकुरी, पत्थलगांव, लैलूंगा, सारंगढ़, खरसिया, धर्मजयगढ़, रामपुर, पालीतानाखार, जैजैपुर, मरवाही, सरायपाली, बसना, खल्लारी, महासमुंद, बिलाईगढ, राजिम, बिंद्रानवागढ़, सिहावा, डोंडीलोहारा, गुंडरदेही, संजारी-बालोद, धमतरी, दुर्ग शहर, पंडरिया, कवर्धा, खैरागढ़, डोंगरगढ़, राजनांदगांव, डोंगरगांव, खुज्जी, मोहलामानपुर, भानुप्रतापपुर, कांकेर, केशकाल, कोंडागांव, नारायणपुर, बस्तर, जगदलपुर, चित्रकोट, दंतेवाड़ा, बीजापुर और कोंटा विधानसभा क्षेत्रों में मतदान केंद्रों में आकर वोट डालने वाले महिला मतदाताओं की संख्या वोट डालने वाले पुरुष मतदाताओं की तुलना में अधिक है।

मप्र में मतदान के बाद सियासी दलों के निशाने पर नौकरशाह

भोपाल, 20 नवम्बर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में मतदान होने के बाद दोनों प्रमुख राजनीतिक दल भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस के निशाने पर नौकरशाह आ गए हैं। दोनों ही ओर से अधिकारियों को हिदायत दी जा रही है और सत्ता में आने पर सबक सिखाने तक की बात कही जा रही है। राज्य की 230 विधानसभा सीटों पर 17 नवम्बर को मतदान हुआ है।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा के नेतृत्व में भाजपा के प्रतिनिधिमंडल ने चुनाव आयोग और पुलिस महानिदेशक से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। साथ ही चुनावी लाभ पाने के लिए अपने ही कार्यकर्ता की हत्या करने का आरोप कांग्रेसियों पर लगाया। भाजपा ने छतरपुर के एसपी अमित सांघी और राजनगर के थानेदार पर बगैर जांच के मामला दर्ज करने का आरोप लगाया। दोनों अधिकारियों के निलंबन तक की मांग कर डाली। इसी तरह सागर जिले के रहली में भी कांग्रेस उम्मीदवार ने भाजपा कार्यकर्ताओं पर हमले करने का आरोप लगाया और पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह भी यहां पहुंचे। पूर्व

■ दोनों ही राष्ट्रीय दलों की ओर से अधिकारियों को दी जा रही हिदायत
■ सत्ता में आने पर सबक सिखाने तक की कही जा रही बात

मुख्यमंत्री का रुख हमलावर है और उन्होंने अधिकारियों को हिदायतें भी दे डाली। एक अन्य मामला ग्वालियर में भी मतदान के दौरान सामने आया था जब जिलाधिकारी और कांग्रेस उम्मीदवार प्रवीण पाठक के बीच काफी बहस हुई थी। कांग्रेस के प्रदेश महामंत्री सैयद जाफर ने तो एक्स पर लिखकर उन अधिकारियों का ब्योरा मांगा है, जिन्होंने बीजेपी के लिए काम किया है। उन्होंने लिखा है, जेब में भाजपा का बैज रखकर काम करने वाले अधिकारी सावधान...! कमलनाथ ने सभी प्रत्याशियों को पत्र लिखकर भाजपा की मदद करने वाले अफसरों की लिस्ट भेजने के दिए निर्देश। भाजपा सरकार के इशारों पर काम करने वाले अफसरों की शिकायत कांग्रेस के स्थानीय प्रत्याशियों एवं नेताओं ने की है, कुछ जगह यह शिकायत गंभीर प्रतीत हुई हैं। ऐसे अधिकारी और कर्मचारियों की सूची तैयार की जा रही है जो भाजपा के एजेंट की तरह काम कर रहे थे। उन्होंने आगे लिखा, कमलनाथ ने कहा कि 30 नवम्बर की शाम तक ऐसे अफसरों की सूची आवश्यक रूप से पहुंचाई जाए, जो भाजपा को अनैतिक लाभ पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं।

मतदान के दौरान छिटपुट हिंसा की घटनाओं से राजनीति गरमाई

मध्य प्रदेश में मतदान के दौरान कई स्थानों पर छिटपुट हिंसा की घटनाएं हुई। छतरपुर जिले के राजनगर विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस समर्थक सलमान खान की वाहन से कुचलकर मौत हो गई। कांग्रेस के उम्मीदवार विक्रम सिंह नाती राजा ने पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कर भाजपा उम्मीदवार अरविंद पटेरिया सहित अन्य लोगों पर हत्या और हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कराया। गिरफ्तारी न होने पर कांग्रेस आक्रामक हुई और पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह राजनगर पहुंच गए और उन्होंने थाने के सामने धरना दिया। इतना ही नहीं वह खटोली पर रात भर वहीं सोए भी। इस मामले में भाजपा ने भी कांग्रेस पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

मानकोंदूर में आयोजित आशीर्वाद सभा में बोले केसीआर

कांग्रेस के शासनकाल में किसान कर्ज में डूबे

मानकोंदूर, 20 नवम्बर (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव ने सोमवार को मानकोंदूर में आयोजित आशीर्वाद सभा को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस के पचास साल के शासनकाल में कर्ज में डूबे किसानों का दिल टूट गया और उनकी मौत होती रही। इंदिरम्मा के राज्य में चावल नहीं था। अगर इंदिराम्मा का राज्य अच्छा था तो एनटी रामाराव की पार्टी क्यों बनी। तब आपको दो रुपए प्रति किलो चावल मिलना शुरू हुआ। इंदिरम्मा के राज्य में आपातकाल की स्थिति थी, सभी को गिरफ्तार किया जा रहा था, सरकारों को उखाड़ फेंका जा रहा था। हमने 1956 में तेलंगाना को आंध्र में विलय नहीं करने का निर्णय लिया तो हमारी इच्छा के विरुद्ध उसे जबरन विलय कर दिया गया। कांग्रेस की गलती के कारण 58 साल तक तेलंगाना अस्तित्व में नहीं आया।

1969 के तेलंगाना आंदोलन में कांग्रेस सरकार ने तेलंगाना के 400 बच्चों को बटेर की तरह गोली मार दी थी। 2004 में वह तेलंगाना देने के लिए हमारे साथ गठबंधन करके केंद्र और राज्य में सत्ता में आए, लेकिन हमें तेलंगाना नहीं मिला। कांग्रेस

कांग्रेस की गलती के कारण 58 साल तक तेलंगाना अस्तित्व में नहीं आया : चंद्रशेखर राव

पार्टी ने बीआरएस पार्टी को विभाजित करने की साजिश रची। हम डटकर लड़े और देश की 33 पार्टियों का समर्थन लेकर आए हैं, तब वे तेलंगाना देने तैयार हुए। बीआरएस पार्टी का गठन तेलंगाना राज्य की उपलब्धि और तेलंगाना के लोगों के अधिकारों के लिए हुआ है।

मुख्यमंत्री केसीआर ने कहा कि बीआरएस पार्टी का कांग्रेस से 15 साल तक लड़ने का इतिहास है। तेलंगाना मिलने के बाद हालात और खराब हो गए। ताजा पानी, सिंचाई का पानी, बिजली नहीं था, हथकरघा श्रमिकों के बच्चे मर जाते थे। किसान आत्महत्या करते थे। कांग्रेस शासनकाल में पेंशन मात्र 200 रुपए थी। बीआरएस सरकार ने पेंशन को पहले 1,000 रुपए और फिर 2,000 रुपए तक बढ़ा दिया। चुनाव के बाद पेंशन बढ़ाकर 5000 रुपए कर दी जाएगी।

भाजपा को वोट देना लोगों को मारने जैसा : केसीआर

प्रधानमंत्री मोदी ने मीटर नहीं लगाने पर तेलंगाना को 25 हजार करोड़ रुपये का झटका दिया। भाजपा बेशर्मी से तेलंगाना के लिए वोट कैसे मांग सकती है। उस भाजपा को एक भी वोट मत देना जिसने तेलंगाना को एक भी मेडिकल कॉलेज या एक भी नवोदय विद्यालय दिए बिना 25 हजार करोड़ रुपए डुबो दिए हैं। यदि आप भाजपा को वोट देते हैं, तो यह लोगों को मारने जैसा है।

राजस्थान में 60 हजार से अधिक बुजुर्ग व दिव्यांगों ने घर बैठे डाले वोट

जयपुर, 20 नवम्बर (एजेंसियां)। राजस्थान में 25 नवम्बर को होने वाले विधानसभा आम चुनाव में भारत निर्वाचन आयोग की होमवोटिंग की पहल के प्रति बुजुर्ग और दिव्यांग मतदाताओं में उत्साह है और इसके प्रथम चरण में प्रदेश भर में इन श्रेणियों के 60 हजार से अधिक मतदाताओं ने घर बैठे अपने मताधिकार उपयोग किया। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि पहले चरण में 60 हजार 424 बुजुर्ग एवं दिव्यांग मतदाताओं ने मतदान किया।

गुप्ता ने बताया कि होम वोटिंग के दौरान अब तक 1220 मतदाता घर पर नहीं मिले जबकि इस सुविधा के लिए पात्र 884 मतदाताओं की मृत्यु हो चुकी है। उन्होंने बताया कि प्रथम चरण में 96.64 प्रतिशत बुजुर्ग और दिव्यांग मतदाताओं ने होम वोटिंग की है। इनमें 96.49 प्रतिशत बुजुर्ग एवं 97.56 प्रतिशत दिव्यांग शामिल है। विधानसभा आम चुनाव के तहत प्रदेश में 80 वर्ष से

अधिक उम्र के वरिष्ठ मतदाता तथा 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांग मतदाताओं को घर से ही मतदान करने की सुविधा का विकल्प दिया गया है। प्रदेश में होम वोटिंग के पहले पांच दिन में 47196 बुजुर्ग तथा 20,161 दिव्यांग एवं रविवार को 1485 बुजुर्ग एवं 286 दिव्यांग मतदाताओं ने घर से मतदान करने की सुविधा का लाभ लिया।

उन्होंने बताया कि पात्र 62 हजार 927 मतदाताओं ने विकल्प के तौर पर होम वोटिंग सुविधा के लिए आवेदन किया है। विशेष मतदान दल ऐसे मतदाताओं के घर जाकर पूरी गोपनीयता के साथ डाक मतपत्र के माध्यम से उनका मतदान करवा रहे हैं।

चुनाव *मध्य प्रदेश के मालवा निमाड़ में उम्मीद से कम वोटिंग ने बढ़ाई कांग्रेस-भाजपा की चिंता*

13 सीटों पर बीते विधानसभा चुनाव से भी कम हुआ मतदान

इंदौर, 2 नवम्बर (एजेंसियां)। विधानसभा चुनाव 223 के मतदान के अंतिम आंकड़े चुनाव आयोग द्वारा जारी कर दिए गए हैं। प्रदेश में 2533 उम्मीदवारों का भाग्य वोटिंग मशीनों में बंद हो गया है, बस इंतजार है तो 3 दिसंबर का। उस दिन सभी के भाग्य का फैसला हो जाएगा। मालवा-निमाड़ में विधानसभा की 66 सीटें हैं। इसमें से 22 अनुसूचित जनजाति।

नौ अनुसूचित जाति और 35 सामान्य के लिए आरक्षित हैं। सभी दलों के नेताओं ने मालवा निमाड़ में चुनावी सभाओं को सम्बोधित किया है। मालवा-निमाड़ में हुए मतदान की बात करें तो वर्ष 2018 के मुकाबले मात्र 0.47 प्रतिशत मतदान ज्यादा हुआ है, जबकि 2013 के मुकाबले 2018 में 3.39 प्रतिशत मतदान अधिक हुआ था। मालवा निमाड़ में मतदान के प्रति जागरूकता या मतदाताओं की बेरुखी एक चिंता का विषय है। मालवा निमाड़ की 66 सीटों पर 2018 के मुकाबले सबसे कम मतदान बड़वानी में हुआ, जो वर्ष 2018 से 5.25 प्रतिशत कम है, जबकि 2018 में यह सीट भाजपा के पास थी। पिछले विधानसभा चुनाव में हुए मतदान प्रतिशत करीब 13 स्थानों पर इस बार मतदान कम हुआ है, मांधाता, खंडवा, पंधाना, बड़वाह, पेटलावद, गंधवानी, मनावर, बदनावर, महू, जावद, देवास, खातेगांव और बागली में कम मतदान में

■ मालवा-निमाड़ में हैं विधानसभा की 66 सीटें

शामिल है। इन 13 कम मतदान सीटों पर 7 भाजपा और 6 कांग्रेस के पास थी, जाहिर है दोनों के पास सीटों का सामान्य अंतर है। इलाके की 26 सीटों पर पिछले चुनाव के मुकाबले एक प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ। इसमें से पिछले चुनाव में 13 स्थान कांग्रेस, 12 भाजपा और 1 निर्दलीय के पास था।

इस तरह इसमें भी कोई बड़ा अंतर नहीं है। अनुसचित जनजाति की सीटों पर 2018 के मुकाबले इस वर्ष 0.03 प्रतिशत मतदान कम हुआ। इसी तरह वर्ष 2013 के मुकाबले 2018 में इन अजजा सीटों पर 5.15 प्रतिशत मतदान अधिक हुआ था। अनुसचित जाति की सीटों पर भी 2018 के मुकाबले 0. 68 प्रतिशत कम मतदान दर्ज किया गया, जबकि 2013 के मुकाबले 2018 में 2.98 प्रतिशत अधिक मतदान दर्ज किया था। जोबट में हमेशा कम मतदान होता रहा है पर इस बार 2018 के मुकाबले 1.53 प्रतिशत अधिक दर्ज किया गया है। सैलाना में मालवा का सर्वाधिक 90.1 प्रतिशत मतदान रिकॉर्ड दर्ज किया गया। मालवा निमाड़ में मतदान सैलाना के बाद थांदला और रतलाम ग्रामीण में हुआ। सैलाना में महिलाओं ने सर्वाधिक मतदान किया। थांदला और जावद महिला मतदान में दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। मालवा निमाड़ में कुछ स्थानों पर पुरुषों के मुकाबले महिला मतदाता की संख्या अधिक थी, वहां भी महिलाओं ने कम मतदान किया। अलीराजपुर में 3.07, पानसेमल में 3.35, कुक्षी में 3.94 ,पेटलावद में 1..83 और झाबुआ में 2.32 प्रतिशत महिलाओं ने पुरुषों के मुकाबले कम मतदान किया है।

बिलासपुर, मंगलवार 21 नवम्बर 2023

संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में टीम इंडिया और खेल भावना की हार

रविवार 19 नवबर 2023 का दिन भारत के लिए ऐतिहासिक हो सकता था। 1983 और 2011 की तरह टीम इंडिया क्रिकेट विश्वकप तीसरी बार जीत सकती थी। लेकिन खेल है तो हार-जीत लगी रहती है। और इस बार टीम इंडिया सभी मैचों में अपराजेय रहने के बावजूद फाइनल का मुकाबला हार गई। इसका मतलब यही है कि भारतीय टीम मजबूत है, उसके पास बेहतरीन खिलाड़ी हैं, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के पास अकूत धन-संपत्ति है, जिससे वो सभी तरह की सुविधाएं और साधन खिलाड़ियों को मुहैया करा सकती है। यह सब होने के बावजूद भारतीय टीम ठीक-ठाक स्कोर बनाकर भी हार गई, तो इस हार को गरिमा के साथ स्वीकार करने में ही क्रिकेट की शोभा है, जिसे भद्रजनों का खेल भी कहा जाता है। लेकिन अफसोस कि इस बार क्रिकेट विश्वकप की मेजबानी करते हुए भारत में न केवल भारतीय टीम हारी, बल्कि खेल भावना भी नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में बुरी तरह मात खाती नजर आई।

दरअसल खेल भावना की हार की पटकथा तो उसी दिन से लिखनी शुरु हो गई थी, जब सरदार पटेल के नाम पर बने स्टेडियम को मौजूदा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम पर किया गया। इतने बड़े देश में कई और नए स्टेडियम बनाए जा सकते हैं और इनमें से किसी का भी नाम प्रधानमंत्री मोदी के नाम पर हो सकता था, लेकिन तुच्छ राजनैतिक सोच के कारण नाम बदलने का जो सिलसिला शुरु हुआ है, उसका एक और उदाहरण नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में देखने मिला। 1 लाख 32 हजार लोगों को बिठाने की क्षमता वाले स्टेडियम का जब फिर से उद्घाटन हुआ था, तो यहां कोई खेल प्रतियोगिता आयोजित न होकर नमस्ते ट्रंप कार्यक्रम किया गया। खेल और राजनीति के घालमेल का यह मोदीयुगीन उदाहरण था। इसके बाद ऐसी कई और मिसालें देखने मिली हैं।

महिला पहलवानों ने अपने साथ हुए यौन शोषण की न केवल शिकायत की, बल्कि इसके लिए अदालत तक से गुहार लगा दी, जंतर-मंतर पर लंबा धरना-प्रदर्शन किया। लेकिन जिस ब्रजभूषण शरण सिंह पर मुख्यत: आरोप हैं, वो आज भी संसद में मौजूद है और पीड़ित खिलाड़ी इंसाफ की बाट जोह रहे हैं। इन खिलाड़ियों के समर्थन में संसद में ही मौजूद नामचीन खिलाड़ी पी टी उषा ने कोई आवाज नहीं उठाई, उल्टा उन्हें नसीहत दे दी। लेकिन भारत को पहला विश्वकप दिलाने वाले कपिल देव ने महिला खिलाड़ियों के हक में आवाज उठाई थी, तो वे इस बार नरेन्द्र मोदी स्टेडियम नहीं पहुंच पाए। कपिल देव ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि वे तो चाहते थे कि उनके साथ पहली बार विश्वकप उठाने वाली पूरी टीम फाइनल मुकाबला देखने पहुंचती, लेकिन बीसीसीआई शायद इतने जरूरी कामों में व्यस्त है कि उन्हें फाइनल मुकाबला देखने के लिए आमंत्रित ही नहीं किया गया। वैसे ये देखना रोचक है कि कपिल देव के किरदार को सिनेमा में उतारने वाले रणवीर सिंह अपनी पत्नी दीपिका पादुकोण के साथ नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में मौजूद थे। फिल्मी, उद्योग और आध्यात्मिक व्यापार से जुड़े कई नामी लोग स्टेडियम में टीम इंडिया का हौसला बढ़ाने के लिए मौजूद थे। भारत रत्न सचिन तेंदुलकर और जग्गी वासुदेव अगल-बगल ही बैठे थे और उन दोनों को आपस में बात करते हुए देखा गया। हालांकि सचिन के आखिर विश्वकप में उन्हें जीत का तोहफा देने वाले कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी भी इस फाइनल मुकाबले में नहीं रहे। शायद बीसीसीआई के लिए क्रिकेट के अहम हस्ताक्षरों से कहीं जरूरी उन लोगों की मौजूदगी थी, जिनके कारण यह खेल सोने का अंडा देने वाली मुर्गी की तरह बना हुआ है। खेल भावना में हार का यह एक और उदाहरण है।

विश्वकप मुकाबले में भारत की जीत की उम्मीदें लगाए दर्शकों को काफी मायूसी हुई और यह जायज भी है। लेकिन इसके लिए बहुत से लोगों ने, जिनमें कई राजनेता भी शामिल हैं, नरेन्द्र मोदी को जिम्मेदार ठहराना शुरु कर दिया। अगर इस हार का ठीकरा मोदी सरकार की खेल नीति की वजह से फोड़ा जाता, तब भी बात समझ में आती। मगर कई लोगों ने नरेन्द्र मोदी के लिए पनौती शब्द का इस्तेमाल किया, सोशल मीडिया पर भी यह शब्द ट्रेंड करने लगा। यह सरासर खेल भावना के विरुद्ध बात है। खेल से तो शारीरिक और मानसिक तंदरुस्ती अच्छी होती है, इसमें अंधविश्वास जैसी बीमारी की कोई जगह नहीं होनी चाहिए। नरेन्द्र मोदी की मौजूदगी शिकायत का कारण हो सकती है, क्योंकि जब देश में मणिपुर की गंभीर समस्या है, जब उत्तरकाशी की सुरंग में आठ दिनों से मजदूर फंसे हुए हैं, ऐसे संकटों के बीच प्रधानमंत्री मोदी खेल का आनंद लेने के लिए पहुंचे, यह सही बात नहीं है। श्री मोदी से इस बात की भी शिकायत की जा सकती है कि उनके शासन में देश ये कैसे मुकाम पर आ पहुंचा है, जहां धर्म और राष्ट्रवाद के उन्माद में हम मेहमाननवाजी और सामान्य शिष्टाचार भी भूलते जा रहे हैं। इसी स्टेडियम में पिछले महीने पाकिस्तान के साथ हुए मुकाबले में दर्शकों ने जय श्री राम के नारे लगाकर भारत की अतिथि परंपरा को ठेस पहुंचाई थी। उसके बाद रविवार को आस्ट्रेलियाई टीम के साथ भी ऐसा ही व्यवहार किया गया। उनकी जीत और अच्छे प्रदर्शन पर वाहवाही की जगह सन्नाटा पसरा रहा। लाख की क्षमता वाले स्टेडियम में जब विजेता टीम विश्वकप उठा रही थी तो उसकी हौसलाअफजाई के लिए उंगलियों पर गिने जाने लायक दर्शक मौजूद थे, खुद प्रधानमंत्री आस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस को मंच पर ट्राफी के साथ अकेले छोड़कर चले गए। श्री मोदी के गृहराज्य और उनके नाम पर बने स्टेडियम में विजेता टीम के साथ यह अफसोसनाक व्यवहार हुआ, इसकी शिकायत होनी चाहिए। पनौती जैसे शब्दों के साथ विरोध करने वाले अपने पक्ष को ही कमजोर कर रहे हैं।

आखिरी बात, नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल में भारत विश्वकप जीतता तो भाजपा इसे भी चुनावी मुद्दे की तरह इस्तेमाल करती। एक टीवी चैनल ने तो शीर्षक ही लगा दिया था कि मोदी पहुंचे स्टेडियम, अब भारत की जीत पक्की। मोदी राजनीति के धुरंधर खिलाड़ी हो सकते हैं, लेकिन क्या बचपन से उन्होंने क्रिकेट की दीक्षा भी ली है, इस तथ्य का खुलासा होना अभी बाकी है। बहरहाल, आस्ट्रेलिया की लगातार छठवीं जीत और भारतीय टीम की हार के बीच भारत में खेल भावना क्यों हारती जा रही है, इसकी समीक्षा जरूरी है। आस्ट्रेलिया के अखबार तो हमारे इस रवैये की समीक्षा कर ही रहे हैं।

क्या भाजपा लोकप्रियतावाद के रास्ते पर बढ़ रही है?

विधानसभाई चुनाव के मौजूदा चक्र में पांच में से तीन राज्यों—मिजोरम, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश— में वोट डाले जा चुके हैं और चौथे राज्य—राजस्थान—में इसी हफ्ते के आखिर में वोट पड़ जाएंगे। उसके बाद, इस चक्र में से तेलंगाना ही बचेगा, जहां मतदान इस महीने के आखिरी दिन, 30 नवंबर को होना है। लेकिन, तेलंगाना का मामला वैसे भी इस चक्र में कुछ अलग सा है। विधानसभाई चुनावों के इस चक्र में शामिल यह इकलौता दक्षिणी राज्य, ऐसा इकलौता राज्य भी है जहां एक क्षेत्रीय पार्टी— बीआरएस (पहले तेलंगाना राष्ट्र समिति)—सत्ता में है। दूसरी तरफ, मिजोरम की तरह, इस चक्र का यह एक और ऐसा चुनाव मुकाबला है, जहां केंद्र में सत्ताधारी भाजपा, अपनी सारी कोशिशों तथा सारे पैंतरों के बावजूद, चुनावी हाशिए पर ही है। प्राय: सभी चुनावी रिपोर्टें और चुनाव-पूर्व सर्वे इस पर एकमत हैं कि तेलंगाना में वास्तविक चुनावी मुकाबला बीआरएस और कांग्रेस के बीच ही है, जबकि भाजपा काफी पीछे तीसरे स्थान के लिए होड़ कर रही है। इस माने में तेलंगाना के विधानसभाई चुनाव की कहानी के संकेत, मिजोरम की तरह, चुनाव के इस चक्र की मुख्य कहानी से अलग ही रहने जा रहे हैं। इसीलिए, हैरानी की बात नहीं है कि अब तक बाकायदा इसकी चर्चाएं भी शुरू हो गयी हैं कि चुनाव के इस चक्र के मोटे तौर उत्तरी भारत के लिए क्या संकेत हैं और विशेष रूप से आगामी आम चुनाव के लिए, सीधे चुनावी नतीजों के अलावा क्या संकेत नजर आते हैं।

इस सिलसिले में एक स्वत: स्पष्ट रुझान की ओर स्वाभाविक रूप से अनेक टिप्पणीकारों का ध्यान गया है। विशेष रूप से उत्तरी भारत के तीनों राज्यों—छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश तथा राजस्थान—में, इस चुनाव में भाजपा और कांग्रेस के बीच जिस तरह कल्याणकारी कदमों के वादों की होड़ लगी हुई है, इससे पहले कम से कम हिंदीभाषी इलाके में शायद ही कभी देखने को मिली हो। छत्तीसगढ़ और राजस्थान में, जहां कांग्रेस सत्ता में है, कांग्रेसी सरकारों में इन कल्याणकारी कदमों के वादों को और बढ़ाने की और भाजपा की ओर से, उनसे बढ़कर वादे करने की होड़ लगी हुई है। इसी प्रकार, मध्य प्रदेश में जहां भाजपा सरकार में रही है, उसकी ओर से बढ़-चढ़कर वादे करने की कोशिश की गई है और उसे चुनौती दे रही कांग्रेस ने भी उसके एक-एक वादे का मुकाबला करने की कोशिश की है। इस कोशिश में दोनों ओर के चुनाव घोषणापत्रों में जैसे सभी संभव तबकों के लिए रियायतों के वादों को समेट लिया गया है।

विभिन्न तबकों के लिए रियायतों के वादों की इस होड़ में, जिसमें एक प्रकार से दोनों पक्ष एक जैसे ही वादे करते नजर आते हैं, एक दिलचस्प मुकाबला और जुड़ गया है। यह मुकाबला है, अपने इन वादों की विश्वसनीयता का भरोसा दिलाने और प्रतिद्वंद्वी के वादों को हवा-हवाई साबित करने के मुकाबले का। जाहिर है कि इस मुकाबले में छत्तीसगढ़ तथा राजस्थान में कांग्रेस और मध्य प्रदेश में भाजपा, अपनी पिछली सरकार के रिकार्ड के आधार पर, अपने वादों की विश्वसनीयता साबित करने में लगी हुई हैं और दूसरी ओर, जो पार्टियां सत्ता में नहीं हैं, वे संबंधित राज्यों की पिछली सरकारों के रिकार्ड के दावों पर भी सवालिया निशान लगाने में जुटी हुई हैं। इस सब के बीच भाजपा ने, जो कि इन तीनों हिंदीभाषी राज्यों में एक प्रकार से प्रधानमंत्री मोदी के ही नाम पर चुनाव लड़ रही है और जिसने इस चक्र में अपने इकलौते मुख्यमंत्री, शिवराज चौहान तक की मुख्यमंत्री पद की दावेदारी पर खुद ही संदेह खड़े कर दिए हैं, फिर पूर्व-मुख्यमंत्रियों—वसुंधरा राजे और रमन सिंह—की तो बात ही क्या करना, एक नया काम यह किया है कि इन सारे वादों को बाकायदा 'मोदी की गारंटियां' का नाम दे दिया है।

राजेन्द्र शर्मा

मुद्दा सिर्फ विभिन्न तबकों के लिए रियायतों की इन घोषणाओं के मामले में मुख्य प्रतिद्वंद्वियों के रूप में कांग्रेस और भाजपा के बीच होड़ होने का ही नहीं है। अव्वल तो यह नहीं भूलना चाहिए कि भाजपा इस होड़ में कोई स्वेच्छा से शामिल नहीं हुई है। उसका स्वाभाविक रुख तो, जिसे उसके शीर्ष सिद्धांतकारों ने फिलहाल ताक पर भले रख दिया हो, पर त्यागा अब भी नहीं है।

यह दूसरी बात है कि इस संदर्भ में 'गारंटियां' शब्द के उपयोग को, कांग्रेस अपनी शब्दावली में से बौद्धिक चोरी का मामला बता रही है।

इस सबसे कुछ टिप्पणीकारों ने यह कहना शुरू कर दिया है कि अब इन चुनावों में मुकाबला, जनता के लिए रियायतों के वादों के बीच हो चला है। इसके साथ उसी सांस में यह भी जोड़ दिया जाता है कि सांप्रदायिक ध्रुवीकरण के मुद्दे और प्रयास, पीछे पड़ गए लगते हैं! लेकिन, ऐसा कोई निष्कर्ष निकालना सही नहीं होगा। बेशक, इसमें कोई शक नहीं है कि एक बार फिर चुनाव सामने देखकर, प्रधानमंत्री मोदी ने और जाहिर है कि उनसे संकेत ग्रहण कर संघ-भाजपा के समूचे नेतृत्व ने, कथित 'मुफ्त की रेवड़ियों' के प्रति अपनी हिकारत को अचानक सिर्फ त्याग ही नहीं दिया है, जोर-शोर से खुद भी अपनी ओर से इस तरह की रियायतें देने की कसमें खाने में लगे हुए हैं। यह दूसरी बात है कि 'मोदी की गारंटी' की शब्दावली का सहारा लेने के बावजूद, अपने वादों को विश्वसनीय बनाने के लिए उन्हें 'मुफ्त की रेवड़ियों' के प्रति हिकारत के अपने सुप्रीमो के रिकार्ड के चलते, कुछ न कुछ अतिरिक्त मेहनत भी करनी पड़ रही है।

फिर भी मुद्दा सिर्फ विभिन्न तबकों के लिए रियायतों की इन घोषणाओं के मामले में मुख्य प्रतिद्वंद्वियों के रूप में कांग्रेस और भाजपा के बीच होड़ होने का ही नहीं है। अव्वल तो यह नहीं भूलना चाहिए कि भाजपा इस होड़ में कोई स्वेच्छा से शामिल नहीं हुई है। उसका स्वाभाविक रुख तो, जिसे उसके शीर्ष सिद्धांतकारों ने फिलहाल ताक पर भले रख दिया हो, पर त्यागा अब भी नहीं है, इस सब को ज्यादा से ज्यादा एक जरूरी भटकाव मानने का ही है। बेशक, इसके बावजूद विपक्ष के ज्यादा से ज्यादा असरदार होते दबाव में, संघ-भाजपा को इसके आरोपों का खंडन करने के लिए कि उसके पास 'हिंदू-मुस्लिम करने' के सिवा, जनता को देने के लिए कुछ है ही नहीं, जनता को देने के लिए अपनी ओर से पेशकशें करनी जरूर पड़ रही हैं, लेकिन उसकी यह मुद्रा चुनावी-कार्यनीतिक मुद्रा ही है। इससे भी महत्वपूर्ण यह कि इस तरह की चुनावी कार्यनीतिक मुद्रा के अपनाए जाने में, सांप्रदायिक ध्रुवीकरण के पैंतरों को पीछे रखे जाना खोजना सही नहीं होगा। यह ज्यादा से ज्यादा इतना दिखाता है कि संघ-भाजपा खांटी सांप्रदायिक ध्रुवीकरण के नारे पर चुनाव नहीं लड़ने जा रहे हैं बल्कि जनहितकारी वादों का भी सहारा लेने जा रहे हैं। लेकिन, खांटी सांप्रदायिक ध्रुवीकरण के नारे पर चुनाव लड़ने की कल्पना तो वास्तविकता न होकर, बहस में या आलोचना में पेश किया जाने वाला एक कैरीकेचर भर ही हो सकती है। जनतांत्रिक चुनाव में लोगों को उनके हितों का ख्याल रखने का भरोसा तो किसी भी राजनीतिक पार्टी को दिलाना ही होता है।

तो क्या हम जो देख रहे हैं, उसे सांप्रदायिक और लोकप्रिय, इन दो अलग-अलग तत्वों के मिश्रण के रूप में देखा जाना सही होगा? पहली नजर में जरूर यह इस प्रकार के मिश्रण का मामला लग सकता है और इस मिश्रण में कोई लोकप्रिय तत्व की अधिकता या प्रमुखता भी खोज सकता है। लेकिन, संघ-भाजपा के मामले में इन दो प्रकार के तत्वों की उपस्थिति को इस तरह से देखना भ्रामक होगा। असल में इस मामले में सांप्रदायिक ध्रुवीकरण का आवेग, एक बुनियादी खाके का काम करता है और इस बुनियादी खाके में ही लोकप्रिय तत्व समेत दूसरे सभी तत्व संयोजित हो जाते हैं। इसके लिए संघ-भाजपा अपने लिए, चुनाव प्रचार के दौरान ही नहीं बल्कि उससे आगे-पीछे, एक प्रकार से समग्रता में अपनी गतिविधियों के जरिए, एक धार्मिक-राजनीतिक यानी बहुसंख्यकवादी सांप्रदायिक पहचान बनाती है। और यही पहचान, उनके लोकप्रियतावाद को भी परिभाषित करती है। जैसे वे आदिवासियों के हित की दुहाई तो देंगे, लेकिन उसके साथ ही उसमें ईसाई-आदिवासीविरोधी तत्व जोड़ देंगे। वे रोजगार की बात तो करेंगे, लेकिन फौरन उसके साथ अनारक्षण का आग्रह या अन्य पिछड़े वर्ग के आरक्षण पिछड़े गैर-हिंदुओं को बाहर करने का आग्रह ले आएंगे। जनतंत्र की दुहाई देंगे और अल्पसंख्यकों के अधिकारों का छीनने के जतन कर रहे होंगे।

इस सिलसिले में विधानसभाई चुनाव के इस चक्र में ही तथाकथित 'तुष्टीकरण' विरोध को, भाजपा के बहुसंख्यकवादी सांप्रदायिक संदेश का मुख्य वाहक बना दिया गया है, उसे याद रखना जरूरी है।

इस बार के अपने स्वतंत्रता दिवस भाषण से शुरू कर के मोदी ने, बार-बार प्रयोग कर 'तुष्टीकरण' विरोध को, अपने अल्पंख्यक और विशेष रूप से मुस्लिम अल्पसंख्यकविरोधी मंतव्यों का संकेतक बना दिया है। सबसे बढ़कर राजस्थान में कन्हैयालाल टेलर की हत्या के प्रसंग के बहाने से, जाहिर है कि बिना किसी ठोस आधार के प्रधानमंत्री मोदी से लेकर नीचे तक, संघ-भाजपा की सेनाएं जिस तरह 'तुष्टीकरण' का शोर मचाती मिल जाएंगी, सांप्रदायिक ध्रुवीकरण की ही पुकार है। यह उनके लिए अयोध्या में राम मंदिर की दुहाई से भी ज्यादा असरदार पुकार है।

हैरानी की बात नहीं होगी कि विधानसभाई चुनावों के मौजूदा चक्र के नतीजों के बाद, संघ-भाजपा को विभिन्न तबकों के लिए रियायतों के वादों के रूप में और भी ज्यादा लोकप्रियतावाद की मिलावट करनी पड़े। लेकिन, यह मिलावट सांप्रदायिक ध्रुवीकरण के खाके में अन्य तत्वों के संयोजन के रूप में की जा रही होगी। और राम मंदिर की दुहाई से भी बढ़कर, 'तुष्टीकरण' विरोध का शोर, इस सांप्रदायिक ध्रुवीकरण औजार बनाया जाएगा।

(लेखक साप्ताहिक पत्रिका लोक लहर के संपादक हैं।)

युद्धविराम ही रोक सकता है इस मानवीय त्रासदी को

■ नित्य चक्रवर्ती

इजरायल-हमास युद्ध सोमवार को 45वें दिन में प्रवेश कर गया। लड़ाई अब एकतरफा हो गयी है। इजरायली रक्षा बल हमास आतंकवादियों द्वारा 7 अक्तूबर को इजरायलियों पर 'आतंकी' हमले के जवाब में आतंकियों को खत्म करने के नाम पर नागरिक क्षेत्रों और अस्पतालों सहित गाजा पट्टी पर बमबारी कर रहे हैं। 18 नवंबर तक, फिलिस्तीनियों की मौत का आंकड़ा 13,000 से अधिक था और30,000से अधिक घायल हुए थे।

संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन के स्पष्ट समर्थन से समर्थित इजरायली प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने खुले तौर पर घोषणा की है कि हमासबलों के पूर्ण उन्मूलन तक इजरायली हमलों पर कोई रोक नहीं लगेगी। संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों के अनुसार, इस प्रक्रिया में, नागरिकों, विशेषकर महिलाओं और बच्चों की हत्याएं हुई हैं, जो मरने वालों की संख्या का 70प्रतिशत है। गाजा पट्टी के 28 अस्पतालों में से 18 को दवाओं की अभूतपूर्व कमी और बिजली और पानी की कटौती के कारण बंद कर दिया गया है, जबकि दस अस्पताल ऑक्सीजनसिलेंडर सहित न्यूनतम आवश्यकता के बिना ही छोटे पैमाने पर काम कर रहे हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के महानिदेशक शुक्रवार को टीवी पर उस समय लगभग रो पड़े जब उन्होंने कहा कि जब तक युद्धविराम लागू नहीं होता और सामान्य चिकित्सा आपूर्ति गाजा के कब्जे वाले निवासियों तक नहीं पहुंचती, हजारों लोग इलाज के बिना मर जायेंगे। , के कारण अत्याधुनिक रॉकेट सहित हमास के बहुत हथियार नष्ट हो गये, लेकिन मारे गये हमास सैनिकों की संख्या में बहुत अधिक वृद्धि नहीं हुई। एक सैन्य अनुमान में छह सौ से कम हमास सैनिकों के मारे जाने की बात कही गयी है।

प्रधान मंत्री नेतन्याहू के लिए, 7 अक्टूबर के हमले ने उन्हें फिलिस्तीन को इज़राइल के जागीरदार राज्य में बदलने का अवसर दिया। सुदूर दक्षिणपंथी नेता ने एक संगीत हॉल में एक कार्यक्रम में भाग लेने वाले लोगों सहित नागरिकों की भयानक हत्या के बाद अपने लोगों की भावनाओं का पूरा फायदा उठाया और हमास आतंकवादियों के पूर्ण पैमाने पर विनाश कार्यक्रम को लागू करने का विकल्प चुना। सुरक्षा परिषद को छोड़कर संयुक्त राष्ट्र निकायों ने युद्धविराम के लिए प्रस्ताव पारित किये हैं। डब्ल्यूएचओ और अन्य निकाय केवल नागरिकों के संहार को समाप्त करने के लिए रो रहे हैं, लेकिन किसे परवाह है। संयुक्त राष्ट्र हमेशा की तरह दंतहीन है। चूंकि अमेरिका समर्थन कर रहा है इसलिए इजराइल संयुक्त राष्ट्र के उपदेशों की बहुत कम परवाह कर रहा है।

जहां तक चीन और रूस का संबंध है, दोनों के अपने-अपने भू-राजनीतिक खेल हैं जहां फिलिस्तीनी त्रासदी को संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ उनके संबंधित द्विपक्षीय संबंधों की तुलना में पिछवाड़े जैसा व्यवहार मिलता है। चीनी राष्टपति शी जिनपिंग ने 15 नवंबर को सैनफ्रांसिस्को में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के साथ चार घंटे की बैठक की। चीनी नेता इस बात पर ध्यान केंद्रित कर रहे थे कि यह ग्रह दो महाशक्तियों को समायोजित करने के लिए पर्याप्त बड़ा है। शी ने इजराइल-हमास युद्ध के बारे में सामान्य शब्दों में बात की। ऐसी कोई रिपोर्ट नहीं थी कि चीनी राष्ट्रपति ने नेतन्याहू को तत्काल युद्धविराम घोषित करने के लिए मनाने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति पर बहुत दबाव डाला हो।

गौरतलब है कि 7 अक्टूबर को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का 71वां जन्मदिन था। दिन भर वह अपने उत्सवों में व्यस्त रहे। उन्होंने तीन दिन बाद प्रतिक्रिया दी लेकिन यह इजराइल के बजाय संयुक्त राज्य अमेरिका के खिलाफ अधिक था। राष्ट्रपति पुतिन पश्चिम एशियाई क्षेत्र में अमेरिका की विफलता और रूस द्वारा इस अंतर को भरने की संभावना पर विचार कर रहे हैं। रूस हाल के वर्षों में इज़राइल के साथ अपने द्विपक्षीय संबंधों को बेहतर बनाने की प्रक्रिया में है। वह इज़राइल के साथ अपने संबंधों में अचानक किसी भी गिरावट का स्वागत नहीं करता है। रूस से हमास को सीधे तौर पर कोई सहायता देने की उम्मीद नहीं है। जरूरत पड़ने पर पुतिन कुछ मदद के लिए ईरान का इस्तेमाल कर सकते हैं।

कुल मिलाकर, फ़िलिस्तीनियों को दो बड़ी शक्तियों सहित हमास और उनके मित्र राष्ट्रों द्वारा अधर में छोड़ दिया गया है। गाजा की आबादी 23 लाख है। इसमें से 12 लाख से ज्यादा लोग विस्थापित हो चुके हैं। यदि इजरायलीबलों को गाजा पट्टी में काम करने की खुली छूट दी गयी तो शेष आबादी को इजरायली हमलों का खामियाजा भुगतना पड़ेगा। अब तक, फिलिस्तीन के लोगों ने हमास आतंकवादियों की घोर गलती की भारी कीमत चुकायी है। हत्याओं के मामले में इजरायलियों की ओर से जवाबी कार्रवाई कहीं अधिक रही है।

दक्षिण अफ्रीकी सांसदों ने आर्थिक स्वतंत्रता सेनानियों के विपक्षी दल द्वारा पेश किए गये एक प्रस्ताव पर सहमति व्यक्त की और सत्तारूढ़ अफ़्रीकी राष्ट्रीय कांग्रेस द्वारा दक्षिण अफ़्रीका में इज़रायली दूतावास को बंद करने और देश के साथ सभी राजनयिक संबंधों को तब तक ख़त्म करने की मांग की, जब तक कि वह गाजा में युद्धविराम पर सहमत न हो जाये।

वैश्विक दक्षिण के केवल कुछ देशों ने ही इजरायल सरकार के खिलाफ कुछ कार्रवाई करने की हिम्मत दिखायी है। राष्ट्रपति सिरिलरामफोसा ने गुरुवार को कहा कि दक्षिण अफ्रीका ने गाजा में इजरायल द्वारा किये गये कथित युद्ध अपराधों की जांच के लिए प्रस्ताव अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) में भेजा है। महत्वपूर्ण भू-राजनीतिक महत्व का यह बयान तब आया जब गाजा के सबसे बड़े अस्पताल पर अवैध इजरायली हमला हुआ था। इज़रायल ने कहा कि कमांड सेंटर अस्पताल परिसर में स्थित था लेकिन अभी तक आईडीएफ को ऐसी कोई जगह नहीं मिली है। यह एक तरह से उस परिदृश्य की पुनरावृत्ति थी जो 2003 में बगदाद पर अमेरिकी बमबारी के साथ हुआ था, इस दलील पर कि परमाणु बम सामग्री एक विशिष्ट स्थान पर छिपी हुई थी। आखरिकार, अमेरिकी सैनिकों को ऐसी कोई चीज़ नहीं मिली लेकिन जनसंहारतो पहले ही हो चुका था।

दक्षिण अफ्रीकी सांसदों ने आर्थिक स्वतंत्रता सेनानियों के विपक्षी दल द्वारा पेश किए गये एक प्रस्ताव पर सहमति व्यक्त की और सत्तारूढ़ अफ़्रीकी राष्ट्रीय कांग्रेस द्वारा दक्षिण अफ़्रीका में इज़रायली दूतावास को बंद करने और देश के साथ सभी राजनयिक संबंधों को तब तक ख़त्म करने की मांग की, जब तक कि वह गाजा में युद्ध विराम पर सहमत न हो जाये।

ब्राज़ील के राष्ट्रपति लूला ने भी इज़रायल को कड़ी चेतावनी दी और तत्काल युद्धविराम का जोरदार आह्वान किया। मेक्सिको, होंडुरास, कोलंबिया, बोलीविया, ग्वाटेमाला और चिली सहित अन्य वामपंथी लैटिन अमेरिकी शासनों ने संयुक्त राष्ट्र में अपने संबंधित राजदूतों को तत्काल युद्धविराम के लिए काम करने का निर्देश दिया है। वैश्विक दक्षिण के कुछ देशों के इस कड़े कदम के विपरीत, भारतीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को ग्लोबल साउथ बैठक में अपने आखिरी बयान में भी नागरिक की हत्या को रोकने की बात की, लेकिन यह उल्लेख नहीं किया कि नागरिक हत्याओं के लिए मुख्य रूप से इज़रायल जिम्मेदार था, जिसमें मरीजों से भरे अस्पतालों पर बमबारी भी शामिल है। प्रधानमंत्री मोदी इन दिनों अमेरिका के पूर्ण सहयोगी के रूप में काम कर रहे हैं।

फिलहाल, युद्धविराम में हर दिन की देरी का मतलब है कुछ और सैकड़ों फिलिस्तीनियों की मौत। नेतन्याहू राष्ट्रपति बाइडेन के अलावा किसी की भी नहीं सुनेंगे। अगर अगले कुछ दिनों में युद्धविराम नहीं हुआ तो यह पूरी तरह से मानवीय आपदा होगी।

पावन प्रसंग

मनो अवसाद व चिंता का उपचार आध्यात्मिकता

पिछले दशक से लेकर अब तक यदि देखा जाए तो भारत सहित पूरी दुनिया में इंटरनेट के उपयोग में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। शिक्षा संचार-व्यवसाय, प्रबंधन, शोध अनुसंधान के क्षेत्र व ज्ञान विज्ञान की सुलभ जानकारी की दृष्टि से इंटरनेट का महत्व भी अत्यधिक हो गया है, परंतु इसके दुरुपयोग ने अनेक तरह के समस्याओं को भी उत्पन्न कर दिया है। व्यक्ति किसी आवश्यकता की दृष्टि से इंटरनेट आदत व्यसन का रूप लेकर समस्या कब बन जाती है, यह समझ पाना मुश्किल है। इंटरनेट का व्यसन बच्चों से लेकर हर आयु वर्ग के लोगों में सहज देखा जा सकता है।

यह हमारे आधुनिक समाज की एक विकट समस्या बन चुकी है। मनोवैज्ञानिकों ने इस समस्या पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए तथ्यात्मक रूप से यह समझाने का प्रयास किया है कि इंटरनेट पर अधिक समय बिताना अनेक प्रकार की मनोशारीरिक समस्याओं को जन्म दे रहा है। सोशल मीडिया का अधिक प्रयोग भी व्यक्ति के मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर रहा है।

इंटरनेट के बेतहाशा उपयोग और इससे उत्पन्न समस्याओं को लेकर विश्व भर में अनेक शोधकार्य किए जा रहे हैं विशेषत्रों की मान्यता है कि इंटरनेट की आभासी दुनिया मनुष्य को उसके जीवन की वास्तविक स्थिति से भटका देती है, जिसके फलस्वरूप उसके निजी और सामाजिक जीवन में गंभीर समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं। तनाव, चिंता, असुरक्षा, अवसाद, निराशा, आत्मसम्मान की कमी और कुसमायोजन जैसे मनोवैज्ञानिक समस्याओं का एक बड़ा कारण इंटरनेट का ज्यादा प्रयोग करना है। यह समस्या और ज्यादा गंभीर तब हो जाती है, जब बच्चे और युवाओं को बुरी तरह इसकी गिरफ्त में देखते हैं। विडंबना यह है कि किसी भी स्तर पर ऐसा कोई तंत्र अभी नहीं है, जो इंटरनेट का उपयोग कब, कैसे कितना करना है, इस बात का प्रशिक्षण देता हो। साथ ही इंटरनेटजनित अर्थात साइबर उपभोक्ताओं की समस्याओं के समाधान की कोई समुचित उपचार विधि भी मौजूद नहीं है। ऐसे में आवश्यकता है कि इंटरनेट की आभासी दुनिया का व्यसन न विकसित हो, इसके प्रति सजगता और जो समस्या उत्पन्न हो चुकी है, उसकी जीवनशैली में आवश्यक सुधार कर समाधान प्राप्त करना। सजगता और समाधान के इन दोनों पहलुओं को समाहित करते हुए एक विशिष्ट शोधकार्य योग विज्ञान विभाग के अंतर्गत संपन्न किया गया है।

इसके लिए सर्वसुलभ विधि है- योग, साधना आदि की दृष्टि से तो इसका महत्व है ही, साथ ही सामान्य जीवन में भी प्रत्येक दिन को अधिक सार्थकता, सजगता और कर्तव्यनिष्ठ होकर जीने तथा तनावमुक्त बने रहने में भी आत्मबोध, तत्वबोध साधना का नियमित अभ्यास अत्यन्त सहायक होता है। अपने एक दिन के जीवन का श्रेष्छतम व सार्थक उपयोग ही इस साधना का मर्म है। आत्मबोध, तत्वबोध का साधक भविष्य की चिंता से मुक्त हो जाता है, क्योंकि वह अपने दैनिक कार्यों-कर्तव्यों को सम्यक व कुशलतापूर्वक करने में विश्वास करता है साथ ही स्वयं व परिस्थितियों के प्रति सजग बना रहता है। उसमें सहज आत्मविश्वास और सकारात्मक जैसे गुण विकसित हो उठते हैं। फलस्वरूप वह जीवन के अंत:बाह्य पक्षों में आसानी से समायोजन कर पाता है।

दूसरा उपाय है-प्रार्थना। प्रार्थना चिंतामुक्त जीवन जीने में सहायक एक प्रभावी एवं सर्वसुलभ साधना है। प्रार्थना में व्यक्ति अपने मनोभावों को पूर्ण समर्पण के साथ परमात्मा के समक्ष बड़ी ही सहजता से प्रकट कर देता है। प्रार्थना की तकनीक में आंतरिक भावनाओं की प्रबलता होती है। भावनात्मक परिष्कार से चिंतन भी शुद्ध और सकारात्मक बनता है, जिसका सीधा प्रभाव व्यक्ति के कर्म, व्यवहार और आचरण पर पड़ता है।

युग निर्माण योजना

आपके पत्र

पलायन के दर्द से गुज़रता गांव

देश का दूर दराज़ ग्रामीण क्षेत्र आज भी बिजली, पानी, सड़क, अस्पताल और शिक्षा जैसी कई बुनियादी ज़रूरतों से जूझ रहा है। इसमें रोज़गार प्रमुख है जो ग्रामीणों को पलायन के लिए मजबूर करती है। परिवार के लिए दो वक्त की रोटी की व्यवस्था करने के लिए लोग अपने गांव से निकल कर दूसरे शहरों और राज्यों का रुख करते हैं। जहां वह खेतों, फैक्ट्रियों और दिहाड़ी मज़दूर के रूप में 16 से 17 घंटे कड़ी मेहनत करते हैं। जिसके बाद भी वह मुश्किल से 15 से 20 हज़ार रुपए महीना कमा पाते हैं। पलायन का आंकड़ा सबसे अधिक उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और उत्तराखंड में देखने को मिलता है, जहां प्रति वर्ष लाखों लोग रोज़गार की खातिर दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, सूरत, मुंबई और कोलकाता का रुख करते हैं। गांव में रोज़गार का कोई साधन उपलब्ध नहीं होने की वजह से लोग पलायन करने को मजबूर हो जाते हैं और पीछे छोड़ जाते हैं परिवार वालों से बिछड़ने का दर्द।

बिहार के कई ऐसे गांव हैं जहां प्रति वर्ष ग्रामीणों की एक बड़ी आबादी रोज़गार के लिए पलायन करती है। इनमें अधिकतर संख्या अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, ओबीसी और पसमांदा तबके की है। जो आर्थिक रूप से काफी कमज़ोर होते हैं। इन्हीं में एक उचला गांव भी है। बुद्ध की धरती बोध गया से करीब 54 किमी दूर बांकेबाज़ार ब्लॉक के रौशनगंज पंचायत स्थित इस गांव के अधिकतर परिवार का कोई एक सदस्य रोज़गार के बेहतर ख्वाब के साथ महानगरों की ओर पलायन करता है। करीब 350 परिवारों वाले इस गांव में उच्च वर्ग और अनुसूचित जाति की मिश्रित आबादी निवास करती है। उच्च वर्ग जहां खेती के लिए पर्याप्त ज़मीन और रोज़गार के स्थानीय साधन के साथ आर्थिक रूप से संपन्न है तो वहीं अनुसूचित जाति के अधिकतर परिवारों के पास कृषि योग्य उतनी ज़मीन नहीं है कि उनके परिवार की आजीविका चल सके। जिसकी वजह से इस समुदाय के ज़्यादातर पुरुष गांव से निकल कर महानगरों का रुख करते हैं और कामगार या दैनिक मज़दूर के रूप में काम करते हैं।

हाल ही में पंजाब से मज़दूरी करके गांव लौटे 47 वर्षीय संजय कुमार बताते हैं कि गांव में अनुसूचित जाति के लगभग 60 प्रतिशत पुरुष बाहर जाकर कमाते हैं। यह सभी कृषि या कारखानों में मज़दूर के रूप में काम करते हैं। जहां आमदनी कम और काम के घंटे ज़्यादा होते हैं। छोटे उद्योगों में फैक्ट्री मालिकों द्वारा उनका आर्थिक शोषण भी किया जाता है। लेकिन काम का दूसरा विकल्प नहीं होने के कारण वह इसे सहने को मजबूर होते हैं। संजय बताते हैं कि कई बार उन्हें तीन महीने तक वेतन नहीं मिलता है, ऐसे में न केवल घर वालों बल्कि स्वयं उनकी आर्थिक स्थिति भी डगमगा जाती है। वह कहते हैं कि अगर गांव में रहकर रोज़गार मिल जाए तो पलायन की समस्या खुद ही ख़त्म हो जायेगी।

इस संबंध में गांव के वार्ड न. 8 की पंच शकुंतला देवी कहती हैं कि जाति भेदभाव के कारण गांव के गरीब लोगों को घर पर ही रहकर काम नहीं मिल पाता है और वह पलायन को मजबूर होते हैं। वह आरोप लगाती हैं कि अक्सर संबंधित अधिकारी अथवा जनप्रतिनिधि अपनी ही जाति के लोगों या करीबियों को बेरोज़गारी भत्ता या रोज़गार का लाभ दिलवा देते हैं। जिससे ज़रूरतमंद वंचित रह जाते हैं और उन्हें मजबूरन पलायन करनी पड़ती है। बहरहाल, पलायन रोकने के लिए बिहार सरकार उद्यमी योजना सहित अन्य कई योजनाएं चला रही हैं। इसका प्रभाव भी दिखने लगा है और पिछले कुछ वर्षों में पलायन की संख्या घटी भी है। लेकिन सवाल यह उठता है कि उचला गांव के इन अनुसूचित जाति परिवारों तक इसका लाभ क्यों नहीं पहुंच रहा है? केवल योजनाओं के बनाने से समस्या का हल मुमकिन नहीं है। ज़रूरत है ऐसे तंत्र विकसित करने की जिससे योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों को मिल सके।

यशोदा कुमारी, बिहार

देशबन्धु
संस्कारधानी
5 बिलासपुर

मंगलवार 21 नवंबर 2023

उल्टा पुल्टा

चिंटू से एक आदमी ने पूछा- बेटा, आपके पापा का क्या नाम है?
चिंटू- अंकल, अभी उनका नाम नहीं रखा मैंने, बस प्यार से पापा ही कहता हूं!!!

संपादकीय

ईवीएम पर निगरानी रहे

छत्तीसगढ़ विधानसभा के लिये दो चरणों में मतदान हो जाने के बाद अब सवाल ईवीएम की सुरक्षा का है। राज्य की 7 सीटों के लिये दूसरे एवं अंतिम चरण का मतदान शुक्रवार को सम्पन्न हुआ जबकि माओवाद के मद्देनज़र इस समस्या से प्रभावित बस्तर सम्भाग की 1 और दुर्ग सम्भाग की 1 सीटों के लिये 7 नवम्बर को पहले मतदान हुआ था। इसके साथ ही 9 क्षेत्रों के प्रतिनिधि कौन होंगे, इसका निर्धारण होना अब शेष है। मतगणना के साथ ये नतीज़े 3 दिसम्बर को घोषित किये जायेंगे। तब तक के लिये ईवीएम को मतगणना केन्द्रों में कड़ी निगरानी में रखा गया है। प्रशासन के मार्गदर्शन में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के सैकड़ों जवान इसकी सुरक्षा पूरी मुस्तैदी से कर रहे हैं। आशा है कि जब तक परिणाम नहीं निकलते, इनकी सुरक्षा के प्रबन्ध चाक-चौबन्द रहेंगे। प्रशासन से उम्मीद है कि इनके साथ किसी तरह की छोड़-छाड़ नहीं होने दी जायेगी।

पिछले साल हुए उत्तर प्रदेश विधानसभा के चुनावों के बाद से शासकीय निगरानी में स्ट्रांग रूम्स में रखी हुईं हजारों ईवीएम संदेहास्पद हो गई थीं क्योंकि कई मशीनें राजनैतिक दलों की जानकारी के बिना बाहर ले जाती हुई पाई गई थीं। वहां समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने ऐसे अनेक वाहनों को पकड़ा जिनमें ये मशीनें मिली थीं। हालांकि तब तक काफी देर हो गई थी। सपा की यह सक्रियता मतगणना यानी मशीनें खुलने के एक-दो दिन पहले ही देखी गई थी। वहां सत्तारुढ़ भारतीय जनता पार्टी कमजोर स्थिति में होने के बावजूद चुनाव जीत गई थी। इससे सबक लेते हुए पश्चिम बंगाल चुनाव में तृणमूल कांग्रेस तथा हिमाचल प्रदेश व कर्नाटक में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने परिणाम आते तक मशीनों की कड़ी निगरानी की थी। अब ज्यादातर राज्यों में यह धारणा बन गई है कि ईवीएम के साथ स्ट्रांग रुम्स में रखने के दौरान छेड़छाड़ होती है और परिणामों को भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में मोड़ा जाता है। हालांकि निर्वाचन आयोग निष्पक्ष होने का दावा करता रहा है और वह यह भी कहता है कि मशीनों के साथ छेड़-छाड़ सम्भव नहीं है।

इन तमाम दावों, आरोपों-प्रत्यारोपों के बाद भी कहा जा सकता है कि ईवीएम को लेकर अधिकतर जनता आश्वस्त नहीं है। कुछ समय पहले ही एक दक्षिण भारतीय भाजपा नेता ने यह बयान देकर इस संदेह को और भी पुख्ता कर दिया था कि 'वोट किसी को भी डाला जाये, अंततः जायेगा तो भाजपा को ही'। इन तमाम परिस्थितियों की दृष्टि से आवश्यक है कि प्रशासन व अर्द्ध सुरक्षा बलों के साथ ही सभी राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि 3 दिसम्बर तक हर उस जगह पर उपस्थित रहें जहां पर ईवीएम रखी हुई हैं। मशीनों की वे सतत निगरानी करें तथा कोई गड़बड़ी दिखने पर निर्वाचन अधिकारियों से तत्काल शिकायत करें।

कलेक्टर ने मतगणना स्थल का निरीक्षण कर दिए जरूरी निर्देश

बिलासपुर, 20 नवंबर (देशबन्धु)। विधानसभा निर्वाचन के तहत जिले की सभी छह विधानसभा क्षेत्रों के लिए मतगणना 3 दिसम्बर को सवेरे 8 बजे से कोनी स्थित शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज परिसर में शुरू होगी। चुनाव आयोग के निर्देशानुसार जिला प्रशासन द्वारा मतगणना के लिए जरूरी तैयारियां शुरू कर दी गई है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अवनीश शरण ने इस सिलसिले में आज स्थल निरीक्षण कर व्यवस्थाओं के संबंध में जरूरी निर्देश दिए। मौके पर उपस्थित राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों एवं अभिकर्ताओं को मतगणना के लिए की जा रही तैयारियों की पूरी जानकारी दी गई। इस दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी शिवकुमार बनर्जी और सभी रिटर्निंग अफसर मौजूद थे।

कलेक्टर ने राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों एवं अभिकर्ताओं को स्ट्रांग रूम के नजदीक ठहराने के लिए समुचित व्यवस्था करने के निर्देश दिए। ठंड से बचाव के लिए गद्दा, तकिया, परदे, पीने का स्वच्छ पानी सहित अन्य इंतजाम करने कहा है।

उनके रूकने के ही स्थान पर टीवी लगाने के निर्देश दिए ताकि वे एक ही जगह से स्ट्रांग रूम सहित अन्य गतिविधियों को देख सके। कलेक्टर ने मतगणना के लिए चुनाव आयोग द्वारा निर्धारित ले आउट के अनुसार ही व्यवस्था करने कहा। उन्होंने कहा कि सीसीटीवी कैमरे लगतार चालू रहें। उन्होंने अब तक लगाए गए सीसीटीवी के अलावा हर दरवाजे पर अतिरिक्त सीसीटीवी कैमरा लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने मतगणना स्थल पर मीडिया के लिए भी आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

सार-संक्षेप

सेंधमारी कर चरवाहे के घर से 10 बकरे बकरियों की चोरी

बिलासपुर, 20 नवंबर (देशबन्धु)। जिले के तोरवा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम मानिकपुर में रहने वाले वेदराम पाल ने शिकायत दर्ज कराई है कि वह बकरी पालन का काम करते है जिनके पास बड़ी संख्या में बकरे और बकरियां है जिन्हें चराकर वह बीती शाम भी घर लौटा और घर के दूसरे हिस्से में बने कमरे में सभी बकरियों को रख दिये, जिनका परिवार 8 बजे के लगभग खाना खाकर सो गया, सुबह होने पर जब वह कमरे में गए तो देखा वहाँ दीवार में छेद है और 10 बकरे बकरियाँ नही है, उन्होंने यह भी बताया कि बीती रात गांव में गौरा गौरी पूजा चल रही थी, जहाँ साउंड बॉक्स बज रहा था, जिसकी वजह से ही उन्हें इस घटना की भनक रात में नही हुई। उन्होंने बताया कि कुल 7 बकरे और 3 बकरियों की चोरी हुई है जिससे उन्हें 50 हजार रुपए से अधिक का नुकसान हुआ है। मामले में पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ आईपीसी के धारा 380, 457 के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

संबलपुर रेल मंडल के सरला-संबलपुर सेक्शन में ब्लॉक, ट्रेनों का परिचालन प्रभावित

बिलासपुर, 20 नवंबर (देशबन्धु)। रेलवे प्रशासन द्वारा अधोसंरचना विकास हेतु ईस्ट कोस्ट रेलवे के संबलपुर रेल मंडल के अंतर्गत सरला–संबलपुर सेक्शन में ब्लॉक लेकर कुछ कार्य किया जाएगा । यह कार्य 21 से 26 नवम्बर तक किया जाएगा ।

इस कार्य के फलस्वरुप कुछ ट्रेनों का परिचालन बीच समाप्त होगी ।

बीच में समाप्त होने वाली ट्रेनें–21, 22, 23, 25 एवं 26 नवम्बर को टिटलागढ़ से चलने वाली 08263 टिटलागढ़–बिलासपुर पैसेंजर स्पेशल संबलपुर में समाप्त होगी एवं यह गाड़ी संबलपुर से 08264 बिलासपुर–टिटलागढ़ पैसेंजर स्पेशल बनकर टिटलागढ़ के लिए रवाना होगी । 21, 22, 23, 25 एवं 26 नवम्बर को 08263/08264 टिटलागढ़–बिलासपुर–टिटलागढ़ पैसेंजर संबलपुर एवं रेंगाली के बीच रद्द रहेगी ।

साँची में चेतियागिरी विहार की 71वीं वर्षगांठ व अवशेषों की प्रदर्शनी,2 एक्सप्रेस ट्रेनों का अस्थायी ठहराव

बिलासपुर, 20 नवंबर (देशबन्धु)। चेतियागिरी विहार की 71वीं वर्षगांठ और अवशेषों की प्रदर्शनी का आयोजन सांची में किया जा रहा है । रेलवे प्रशासन द्वारा सांची में दिनांक 24 एवं 25 नवम्बर, 2023 को आयोजित अवशेषों की प्रदर्शनी में शामिल होने वाले यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए 02 एक्सप्रेस गाडियों का अस्थायी ठहराव पश्चिम मध्य रेलवे के भोपाल मंडल के साँची स्टेशन में 02 मिनट के लिए दिया जा रहा है । यह ठहराव केवल 24 एवं 25 नवम्बर 2023 को 02 दिनों के लिए दिया जाएगा । रेल प्रशासन के द्वारा दिनांक 24 एवं 25 नवम्बर को यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए 02 एक्सप्रेस गाडियों को साँची स्टेशन में ठहराव का समय निम्नानुसार है।

सड़क हादसा रोकने यातायात विभाग ने चलाया यातायात का पाठशाला अभियान

स्कूलों में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया

बिलासपुर, 20 नवंबर (देशबन्धु)। सड़क यातायात पीड़ितों को तो याद करने के लिए विश्व स्मरण दिवस हर साल 20 नवंबर को मनाया जाता है। इस अवसर पर शहर में यातायात पुलिस विभाग द्वारा सड़क हादसे को रोकने के लिए विभिन्न जगहों में यातायात पाठशाला अभियान चलाया गया। पुलिस टीम द्वारा जिले के स्कूलों में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया। नई पीढ़ी के बच्चों को वाहन सावधानी से चलाते हुए सतर्क रहने की सीख दी गई।

पुलिस विभाग द्वारा सड़क हादसे में लापरवाही पूर्वक वाहन चलाने से दुर्घटना में जान गवाने वाले राहगीरों के बारे में बच्चों को बताया जा रहा है। इसके साथ ही वाहन चालक के मौत होने के बाद उसके परिवार स्थिति के बारे में भी अवगत कराया जा रहा है। यातायात विभाग द्वारा रानी लक्ष्मीबाई हाई व हायर सेकेंडरी स्कूल, स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी मध्याम लिंगियाडीह स्कूल, सरकंडा के प्राइमरी से हायर सेकेंडरी बालक व कन्या स्कूल सहित अन्य जगहों में जागरूकता अभियान चलाया गया।

इस दौरान यातायात नियम का पालन करने के लिए बच्चों को प्रेरित की गई। यातायात विभाग के सब इंस्पेक्टर उमाशंकर पांडे के द्वारा यह अभियान चलाया जा रहा है। यातायात के नियमों का पालन करने के साथ ही घायलों की मदद करने की भावना उनमें जगाई जा रही है। इस बीच यह भी बताया जा रहा है कि घायलों की मदद करने पर पुलिस विभाग द्वारा सम्मानित किया जाएगा। जिले में ऐसे मामले पर सहयोग करने पर इस वर्ष 149 लोगों को सम्मानित किया जा चुका है।

जिन्होंने सड़क हादसे में घायलों की समय पर अस्पताल पहुंचाकर उनकी जान बचाई। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किये जाते हैं। सड़क हादसे में घायल पीड़ितों का स्मरण भी करते हैं और लोगों को पीड़ितों की मदद करने के लिए प्रेरित करते हैं। सम्मानित किये लोगों में ऐसे व्यक्ति शामिल है जो सड़क दुर्घटना में घायल लोगों की मदद कर उसकी जान बचाए हैं। इसके साथ ही वह लोग जो पुलिस को घटना की सूचना देना हो या फिर घायलों को अस्पताल पहुंचाने में मदद किये शामिल है। उन सभी सदस्यों को स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया है।

राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की अहम भूमिका

सड़क दुर्घटना में घायल या मृत व्यक्तियों को मदद पहुंचाने में राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण अहम भूमिका निभाया जा रहा है। नेशनल लोक अदालत के दौरान खंडपीठों में इस तरह के प्रकरणों को सुनवाई के लिए विशेषतौर पर रखा जाता है। सुनवाई के दौरान खंडपीठ की कोशिश रहती है कि आश्रितों व जरूतमंदों को सहायता राशि मुहैया कराई जा सके।

लोगों के मन से संशय दूर करना बड़ी चुनौती

यातायात विभाग का कहना है कि कानूनी मामले में न पड़ें इसलिए सड़क दुर्घटना में घायल या फिर गंभीर रूप से घायलों की मदद करने में राहगीर पीछे हट जाते हैं। लोगों के मन में अभी भी संशय की स्थिति बनी हुई है। इसे दूर करना और लोगों के मन में मदद की भावना जगाने के लिए पुलिस प्रयास कर रही है। ताकि घायलों को समय पर इलाज मिल सके।

हाईवे पेट्रोलिंग वाहन पहुंचा रही मदद के लिए

राष्ट्रीय राजमार्ग में सड़क हादसा को रोकने व घायलों की मदद करने के लिए पुलिस विभाग द्वारा हाईवे पेट्रोलिंग शुरू की गई है। कोई भी दुर्घटना के शिकार न हो, इसलिए यह व्यवस्था की गई है। जिले में तीन पेट्रोलिंग वाहन प्रतिदिन संचालित है। ट्रैफिक पुलिस द्वारा अब तक शहरी क्षेत्र में ही यातायात व्यवस्था संभाला जा रहा था। जरूरत पड़ने पर शहर के बाहर भी भेजे जाते हैं। सड़क हादसा में पीड़ित परिवारों की स्थिति को देखते मदद करने के तौर पर हाइवे में यातायात व्यवस्था संभालने की जिम्मेदारी दी गई है।

15 साल बाद डीएफए बिलासपुर से महिला फुटबॉल खिलाड़ी का सीनियर राष्ट्रीय महिला फुटबॉल चैंपियनशिप के लिए चयन

बिलासपुर, 20 नवंबर (देशबन्धु)। 15 साल बाद डीएफए बिलासपुर से किसी महिला फुटबाल खिलाडी का चयन सीनियर राष्ट्रीय महिला फुटबॉल चैम्पियनशिप के लिए हुआ है। छत्तीसगढ़ की महिला फुटबॉल टीम नेशनल चैम्पियनशिप हेतु 20 नवंबर को गाजियाबाद के लिए रवाना होगी। जिसके लिए कोचिंग कैंप कोरबा में आयोजित किया गया है। जो कोच शालिनी यादव एवं प्रेरणा मिश्रा के प्रशिक्षण में टीम अभ्यास कर रही है जिसमे से डीएफए बिलासपुर की खिलाडी के. पूजा ने टीम में अपना स्थान सुनिश्चित किया है। इस उपलब्धि के लिए डीएफए बिलासपुर के अध्यक्ष डॉ अजय सिंह, सचिव डॉक्टर अजय यादव, कार्यकारिणी अध्यक्ष अजय यादव, कोषाध्यक्ष जी मधु बाबू, रंजन सिंघा, विशाल प्रजापति, देवानंद चटर्जी, सुनील सिंह, शांतनु घोष, गौरी शंकर आईच, राजू अलुकर, प्रमोद केसर, अशोक कश्यप, सानंद वस्त्रकर, श्रीकांत, रमेश यादव ने उज्ज्वल भविष्य की कामना की है और आगामी टूर्नामेंट के लिए शुभकामनाएं प्रेषित किया है।

उगते सूर्य को अर्ध्य देने के साथ छठ महापर्व का हुआ समापन

सूर्य की उपासना का महापर्व छठ 3 दिनों से लगातार छठ व्रती माना रहे हैं

नहाए खाए के साथ शुरू हुए इस पर्व में शुद्धता का काफी ख्याल रखा जाता है

बिलासपुर, 20 नवंबर (देशबन्धु)। छठ पूजा हर साल कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि से छठ पर्व की शुरुआत होती है। लिहाज़ा रविवार को , डूबते सूरज को अर्ध देकर छठ पर्व के तीसरे दिन की प्रक्रिया पूरा किया तो वहीं सोमवार सुबह उठते सूर्य को अर्ध्य देने के साथ इस महापर्व का समापन हो गया। सूर्य की उपासना का महापर्व छठ 3 दिनों से लगातार छठ व्रती माना रहे हैं नहाए खाए के साथ शुरू हुए इस पर्व में शुद्धता का काफी ख्याल रखा जाता है यही वजह है कि इस व्रत को काफी कठिन माना जाता है 36 घंटे के निर्जला उपवास के साथ शुरू होने वाले इस कठिन व्रत के लिए उत्तर भारत में खासा उत्साह रहता है खासतौर पर यह महा पर्व उत्तर भारत का ही माना जाता है, लेकिन अब

इस पर्व ने धीरे–धीरे देश भर में लोगों को इससे जोड़ा है यही वजह है कि बिलासपुर में भी पिछले कुछ सालों में छठ पूजा की रौनक दिखाई देने लगी है बिलासपुर के तोरवा छठ घाट मैं छठ पूजा समिति के द्वारा छठ पूजा के लिए समस्त इंतजाम पूर्व से ही पूरे कर लिए गए थे तो वहीं दोपहर से ही छठ पूजा करने वाले लोगों के आने का सिलसिला शुरू हो गया था जिससे पूरा घाट एक अलग ही स्वरुप में नजर आने लगा शाम होते–होते यहां बड़ी संख्या में पूजा करने लोग पहुंचने लगे और डूबते सूर्य को अर्ध देकर सूर्य देव को अर्पित किया। तो वहीं अब सोमवार की सुबह उठने सूर्य को अर्थ देने के साथ ही चार दिवसीय इस महापर्व का समापन होगा इससे पहले खरना के दिन सूर्योदय और सूर्यास्त का समय छठ पूजा के 4 दिनों के इस पर्व में सूर्योदय और सूर्यास्त का समय विशेष महत्व रखता है। ऐसे में खरना के दिन सूर्योदय सुबह 06 बजकर 46 मिनट पर वहीं सूर्यास्त का समय शाम 05 बजकर 26 मिनट रहा। छठ घाट पहुंचने वाले लोगों ने भी आयोजन के साथ यहां की व्यवस्था को बेहतर तो बताया लेकिन यहां जो पूजा करने वाले लोगों के लिए अव्यवस्था थी उसके प्रति थोड़ी नाराजगी भी लोगों में नजर आई तो वही पूजा के महत्व को भी लोगों ने बताया. जाहिर तौर पर उत्तर भारत के साथ भोजपुरी समाज के लिए यहां पर्व उनके लिए साल का सबसे बड़ा पर्व होता है यही वजह है कि, दूर दराज में रहने वाले भोजपुरी समाज के लोग इस त्यौहार को मनाने अपने घरों तक पहुंचाते हैं तो वही बिलासपुर में भी पिछले कुछ समय से देखा जा रहा है और लोग स्वयं ही पर्व को सभी के साथ खुशियों के साथ मनाने यहां घाट में पहुंच रहे हैं हालांकि पहले से ही पुलिस प्रशासन के साथ समिति ने यहां सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए थे तो वही नदी में एसडीआरएफ की टीम और गोताखोर भी तैनात किए गए थे इसके अलावा यहां किसी भी प्रकार की दिक्कत छठ पूजा करने वाले लोगों को ना हो इसके लिए भी पुख्ता इंतजाम यहां किए गए थे।

ग्राम पसान व केंदई रेंज में 4 लोनर हाथी, ग्रामीणों में दहशत

कोरबा-पोड़ी उपरोड़ा, 20 नवंबर (देशबन्धु)। कोरबा जिले के कटघोरा वनमंडल के पसान व केंदई रेंज में 59 हाथी पनगंवा व जलके क्षेत्र में सक्रिय हैं, जबकि दो लोनर हाथी रेंज के बनिया व तनेरा गांव के आसपास विचरणरत हैं। केंदई रेंज के साल्ही पहाड़ तथा उच्चलैंगा में दो लोनर हाथी दल से अलग होकर विचरण कर रहे हैं। लोनर हाथियो के चार स्थानों पर सक्रिय होने से क्षेत्र में खतरा बढ़ गया है और ग्रामीणों में दहशत

व्याप्त है। बढ़ते खतरे को देख वन विभाग विशेष सतर्कता बरत रहा है। विभाग की ओर इन हाथियों की विशेष निगरानी की जा रही है। दल में रहने से लोनर हाथी का स्वभाव शांत रहता है, जबकि अलग होने पर वे आक्रामक हो जाते हैं। बताया गया कि साल्ही पहाड़ में मौजूद लोनर हाथी ने पिछली रात पहाड़ से उतर कर 9 ग्रामीणों के धान फसल को रौंद दिया वहीं पनगंवा व जलके में मौजूद हाथियों के दल ने भी आधा दर्जन किसानों की फसल को तहस-नहस किया है। इधर कोरबा वन मंडल के कुदमुरा रेंज अंतर्गत ग्राम गुरमा में मौजूद 37 हाथियों का दल रात्रि में बेकाबू हो गया और ग्राम गुरमा, चिर्रा व धनपुरी में पहुंचकर 15 किसानों की फसल को बर्बाद कर दिया। सूचना मिलने पर वन अधिकारी व कर्मचारी सुबह प्रभावित गांवों में पहुंचकर हाथियों द्वारा किए गए नुकसानी का आंकलन करने के साथ रिपोर्ट तैयार किए।

सार-संक्षेप

कौशिल्या देवी पंचतत्व में विलीन, स्पीकर व सांसद ने जताया शोक

कोरबा, 20 नवंबर (देशबन्धु)। कटघोरा विधानसभा के पूर्व विधायक स्व. कृष्णालाल जायसवाल (गुरूजी) की धर्मपत्नी श्रीमती कौशिल्या देवी जायसवाल का 82 वर्ष की आयु में रविवार को देहावसान हो गया। स्व.कौशिल्या देवी महेन्द्र जायसवाल, सुरेन्द्र प्रताप जायसवाल पार्षद एवं अध्यक्ष, जिला कांग्रेस कमेटी कोरबा ग्रामीण, गजेन्द्र जायसवाल, राजेन्द्र जायसवाल अध्यक्ष पत्रकार सोसायटी कोरबा की माता व सन्नी जायसवाल की दादी थीं। सोमवार को उनकी अंतिम यात्रा गांधी चौक स्थित निवास से प्रारंभ हुई और मोतीसागरपारा मुक्तिधाम में गमगीन माहौल में अंतिम संस्कार किया गया। उनकी अंतिम यात्रा में महापौर राजकिशोर प्रसाद, सभापति श्यामसुंदर सोनी, सांसद प्रतिनिधि हरीश परसाई, भाजपा नेता अशोक चावलानी सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, नगर और समाज के गणमान्यजन, परिजन व शुभचिंतक शामिल हुए। अंतिम संस्कार उपरांत शोक सभा में 2 मिनट का मौन धारण कर दिवंगत आत्मा की शांति व शोकाकुल परिवार को दुख की घड़ी सहन करने की शक्ति प्रदान करने ईश्वर से प्रार्थना की गई।

श्रीमती कौशिल्या देवी के निधन पर छग विधानसभा अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत व कोरबा सांसद ज्योत्सना महंत ने गहरी संवेदना जताते हुए अपनी भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी व मृत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना करते हुए परिजनों को इस अपार दुख को सहने की शक्ति प्रदान करने ईश्वर से प्रार्थना की है।

मार्शल आर्ट चैंपियनशिप वियतनाम के लिए डिम्पल वैष्णव का चयन

कोरबा, 20 नवंबर (देशबन्धु)। विएतनाम में 22 नवम्बर से 1 दिसम्बर तक हो ची मन सिटी में आयोजित होने वाले 7वीं विश्व वोविनाम मार्शल आर्ट चैंपियनशिप 2023 के लिए छत्तीसगढ़ राज्य से एकमात्र खिलाड़ी डिम्पल वैष्णव का चयन हुआ है। डिम्पल 20 नवम्बर की शाम मुंबई हावड़ा मेल से कोलकाता के लिए रवाना हुईं तथा 21 नवम्बर को भारतीय वोविनाम टीम के साथ कोलकता से हो ची मन सिटी के लिए उड़ान भरेंगी। डिम्पल धरमपुर गेवरा बस्ती, कुसमुंडा की निवासी हैं तथा बीपीएड की पढ़ाई कर रही हैं।

छत्तीसगढ़ वोविनाम मार्शल आर्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष कमलेश देवांगन ने डिम्पल को बधाई देते हुए बताया कि डिम्पल राष्ट्रीय स्तर की स्वर्ण पदक प्राप्त खिलाड़ी हैं तथा उनके प्रदर्शन के आधार पर उनका चयन अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता हेतु किया गया है। वोविनाम मार्शल आर्ट खेल पूर्व में स्कूल खेल में शामिल था तथा एशियाई बीच खेल, सी गेम्स, इंडोर एशियन मार्शल आर्ट खेल में खेला गया है साथ ही एशिया की ओलम्पिक बॉडी ओलम्पिक कॉउंसिल ऑफ एशिया से मान्यता प्राप्त है। प्रतियोगिता हेतु अध्यक्ष कमलेश देवांगन, सचिव नोवेल कुमार साहू छत्तीसगढ़ वोविनाम मार्शल आर्ट एसोसिएशन, कोरबा ओलम्पिक संघ सचिव सुरेश क्रिस्टोफर, खेल अधिकारी शिक्षा विभाग के आर टंडन, जिला खेल अधिकारी दीनू पटेल, सहायक क्रीड़ा अधिकारी राम कृपाल साहू एवं अभिभावकों ने अच्छा खेल प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

प्रेस क्लब गेवरा-दीपका की कार्यकारिणी गठित

कोरबा-दीपका, 20 नवंबर (देशबन्धु)। प्रेस क्लब गेवरा दीपका का चुनाव सोमवार को संपन्न हुआ। सर्वसम्मति से अध्यक्ष मनोज महतो, सचिव हेमचंद सोनी, कोषाध्यक्ष राजेश साहू, उपाध्यक्ष प्रदीप जायसवाल, संतोष गुप्ता, अशोक यादव, विष्णु द्विवेदी बनाए गए। संयुक्त सचिव देवेंद्र खरे और धरम तिवारी को बनाया गया। रोहित जायसवाल को विधिक सलाहकार बनाया गया है।

पदाधिकारियों ने बताया कि प्रेस क्लब गेवरा दीपका का छत्तीसगढ राज्य सोसाइटी राजिस्त्रीकरण अधिनियम1973 के तहत पंजीयन किया गया है और पंजीयन उपरांत यह चुनाव किया गया। क्लब के पदाधिकारियों ने संरक्षक के रूप में तनवीर अहमद ,वाहिद सिद्धिकी, अरुणीश तिवारी,अनूप यादव दिलीप सिंह,एवम रामकुमार कंवर को बनाया है। शेष अन्य सदस्यों को कार्यकारिणी सदस्य के रूप में स्थान दिया गया है जिसमे शेत मसीह, ललित महिलांगे, हितेश अग्रवाल, दिनेश भगत, चेतन सूर्या, राजेश चौहान,राजेश यादव, दीपक जायसवाल, दिनेश दुबे शामिल हैं। अध्यक्षीय उद्बोधन में नवनियुक्त प्रेस क्लब अध्यक्ष मनोज महतो ने कहा कि प्रेस क्लब के सभी सदस्यों को साथ लेकर चलूंगा, किसी से कोई पक्षपात नहीं होगा। सभी कार्य पारदर्शिता के साथ किए जायेंगे, सबको बराबर का सम्मान मिलेगा। उन्होंने पूर्व कार्यकारिणी द्वारा किए गए कार्यों को सराहा। कार्यक्रम का संचालन शेत मसीह व आभार प्रदर्शन हेमचंद सोनी ने किया।

गुजराती समाज ने किया नानजी भाई का सम्मान

कोरबा, 20 नवंबर (देशबन्धु)। निरंतर सेवा कार्य में सक्रियता से योगदान देने वाले नानजी भाई पटेल का रविवार को गुजराती समाज ने सम्मान किया। इस मौके पर समाज के वरिष्ठजनों के साथ कार्यकारिणी के पदाधिकारियों ने उन्हें पुष्पगुच्छ के साथ शाल श्रीफल भेंट किया।

यह विशेष अभिनंदन सकल गुजराती समाज छत्तीसगढ़ द्वारा रायपुर में उन्हें दिए गए छत्तीसगढ़ समाज गौरव रत्न के कारण किया गया। उल्लेखनीय है कि श्री गुजराती समाज, श्री कच्छ कड़वा पाटीदार समाज, श्री जलाराम मंदिर सेवा समिति के विकास में तो उनकी अहम भागीदारी रही ही है। उन्होनें सरस्वती शिक्षण समिति, भारत विकास परिषद सहित अन्य सामाजिक सेवाभावी संगठनों के भी प्रमुख पदों पर रह कर उनके उत्कर्ष के लिए कार्य किया है।

खेतों से खलिहान और कोठार तक पहुंचने लगा धान, नई सरकार का इंतजार

बढ़े समर्थन मूल्य पर धान बेचने का मन बनाया बड़े किसानों ने

कोरबा, 20 नवंबर (देशबन्धु)। किसानों की मेहनत धान की फसल अब खेतों से खलिहान और मिसाई के बाद कोठार तक पहुंचने लगी है। धान उपार्जन समितियों में धान की खरीदी 1 नवंबर से प्रारंभ हो गई है लेकिन अधिकतर केन्द्रों में बोहनी 20 दिन बाद भी नहीं हो पाई है। किसानों को नई सरकार में नए समर्थन मूल्य पर धान बेचने का इंतजार है ताकि ज्यादा से ज्यादा लाभ प्राप्त कर सकें।

इन दिनों किसान अपने खेतों में परिवार के साथ ज्यादातर नजर आ रहे हैं। छोटे किसान पूरे परिवार के साथ मिलकर अपनी मेहनत को खेत से खलिहान और वहां से कोठार तक लाने में व्यस्त हैं तो बड़े किसानों के द्वारा मजदूर लगवा कर यह काम कराया जा रहा है। कटी हुई धान की फसलों को खलिहान तक लाने के बाद उसकी मिसाई का काम शुरू कर दिया गया है। कहीं परंपरागत तरीके तो कहीं आधुनिक तरीके का इस्तेमाल इस कार्य में हो रहा है। थ्रेसर मशीन लगवा कर भी धान की मिसाई हो रही है। किसान अच्छी पैदावार होने पर खुश है तो छोटे और मंझले स्तर के किसानों में भी संतोष के भाव हैं। किसान अपना धान बेचने

के लिए फिलहाल कोई हड़बड़ी नहीं कर रहे हैं बल्कि कोठार में इसे भंडारित करने में लगे हैं। हालांकि अभी पूरी तरह से धान की कटाई और मिसाई का काम पूरा नहीं हो सका है जो जल्द से जल्द करने की भी कोशिश हो रही है। जिन किसानों के धान कोठार तक पहुंच गए हैं, उन्हें 3 दिसंबर को होने वाली मतगणना का इंतजार है। नई सरकार छत्तीसगढ़ में गठन होने के बाद ही किसान धान बेचने की मानसिकता बना चुके हैं। इसके विपरीत ऐसे भी किसान हैं जिन्हें बढ़े हुए समर्थन मूल्य से कुछ खास मतलब नहीं है, वे उपार्जन केन्द्रों में पहुंचकर टोकन कटाने के साथ धान बेचना शुरू भी कर दिए हैं। खास तौर पर बड़े कर्जदार किसानों ने नई सरकार के गठन का इंतजार करना मुनासिब समझा है ताकि समर्थन मूल्य के साथ-साथ कर्ज माफी का भी लाभ उन्हें मिल सके। वर्तमान में राज्य सरकार 2600 रुपए प्रति क्विंटल में धान खरीद रही है।

भैसमा केन्द्र में हुआ शुभारंभ किसानों का स्वागत

सोमवार को आदिवासी सेवा सहकारी समिति भैसमा के धान उपार्जन केंद्र में खरीफ वर्ष 223-24 की धान खरीदी का शुभारंभ श्रीमती सरिता पाठक शाखा, प्रबंधक जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित कोरबा एवं मो.जमाल खान, पर्यवेक्षक जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित की उपस्थिति में किया गया। किसानों द्वारा लाए गए धान, कांटा-बाट एवं

फड़ का पूजन-अर्चन किया गया। कुल तीन किसान द्वारा धान तौल हेतु आवक टोकन मोबाइल ऐप के माध्यम से बनाया गया था जिसका सोमवार को विधि पूर्वक पूजन-अर्चन कर खरीदी किया गया। आज कुल 138.4 क्विंटल धान की खरीदी की गई। प्रथम धान बिक्री करने वाले तीनों किसानों का पुष्प गुच्छ से स्वागत कर उन्हें प्रोत्साहन राशि समिति द्वारा प्रदान की गई। खरीदी के समय समिति के समस्त कर्मचारी तुलेश्वर कौशिक प्रबंधक, उमाकांत लहरे ऑपरेटर, गोवर्धन पटवा, उदय सिंह कंवर, भाव सिंह कंवर एवं किसान उपस्थित रहे।

कांग्रेस 3200 तो भाजपा देगी 3100

विधानसभा चुनाव में भाजपा ने अपने घोषणा पत्र में धान का समर्थन मूल्य 3100 रुपए देने की बात कही है तो दूसरी तरफ कांग्रेस ने घोषणा किया है कि फिर से सरकार में आये तो 3200 रुपए समर्थन मूल्य पर प्रति एकड़ 20 क्विंटल तक धान खरीदा जाएगा। किसानों का रुझान अब किस दल और समर्थन मूल्य की ओर ज्यादा रहा, यह तो 3 दिसंबर को होने वाली मतगणना में स्पष्ट होगा। परिणाम की घोषणा होने के बाद किसान धान लेकर उपार्जन केन्द्रों में पहुंचेंगे।

खरीदी के लिए 65 केन्द्र

इस बार जिले में धान उपार्जन के लिए 65 केन्द्र संचालित किए जा रहे हैं। बीते वर्ष की तुलना में छह नए केन्द्रों की शुरुआत हुई है। उपार्जन कार्य को 19 दिन बीत जाने के बाद अभी तक 8 केन्द्रों में मात्र 6 क्विंटल धान की खरीदी हुई है। धान खरीदी की मात्रा इस वर्ष बढ़ने से आगामी दिनों में उपार्जन केन्द्रों में धान रखने की समस्या होगी। अच्छी फसल और कीमत अधिक मिलने की संभावना से किसानों के चहरे पर खुशी की चमक दिखेगी।

रिजर्व मशीनों को आईटी कॉलेज से वेयरहाउस में सुरक्षित रखा गया

कोरबा, 20 नवंबर (देशबन्धु)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार 18 नवम्बर को इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईटी कॉलेज) में स्थित स्ट्रांग रूम से विधानसभावार बिना मत पड़े, कैटेगरी सी व कैटेगरी डी/रिजर्व की मशीनों को राजनीतिक दलों एवं प्रत्याशियों की उपस्थिति में जीपीएस ट्रैकिंग युक्त वाहन में मजिस्ट्रेट एवं पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था के साथ शिफ्ट किया गया। सम्पूर्ण कार्यो की वीडियोग्राफी भी कराई गई है। उक्त मशीनें मतदान पश्चात आईटी कॉलेज झगरहा में स्थित स्ट्रॉन्ग रूम से पृथक अलग कक्ष में ईवीएम मशीनों के रिसीविंग के समय रखा जाकर 18 नवंबर को जिला स्थित वेयरहाउस में शिफ्ट किया गया।

4 जुआडियों से हजारों रुपए जब्त

कोरबा-दर्री, 20 नवंबर (हाईवे चैनल)। जुआ खेलते 4 जुआडियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इसके पास से 5400 रुपए नगद व ताश की 52 पत्ती को जप्त किया गया है। दर्री पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि कुछ जुआड़ी प्रगतिनगर बिजली आफिस के पास आम जगह में हार-जीत का काटपत्ती जुआ खेल रहे हैं। बताये स्थान पर दबिश में बिजली ऑफिस के पास जुआ खेल रहे संतोष कुमार चौहान पिता विद्यानंद चौहान 38 वर्ष, रोहित चौहान पिता घुरुल चौहान 18 वर्ष, जितेन्द्र कुमार कलसे पिता रामनरेश कलसे 27 वर्ष, धनंजय चौहान पिता हेमनारायण चौहान 25 वष निवासी प्रगतिनगर दर्री थाना को गिरफ्तार कर छतीसगढ़ जुआ (प्रतिषेध) अधिनियम 2022 की धारा 3(2) जुआ अधिनियम के तहत कार्रवाई किया गया।

7199.6 क्विंटल धान की खरीदी

विभागीय तौर पर मिली जानकारी के अनुसार 28 उपार्जन केन्द्रों में आज दिनांक तक की स्थिति में कुल 7199.6 क्विंटल धान की खरीदी की जा चुकी है। उपरोक्त समितियों में किसानों ने मोटा धान की बिक्री की है। सबसे कम 2 क्विंटल धान सोहागपुर समिति के कराईनारा उपार्जन केन्द्र में बिक्री किया गया तो वहीं सर्वाधिक 973.2 क्विंटल मोटा धान निरधी समिति के उपार्जन केन्द्र में बिक्री दर्ज हुआ है। 28 उपार्जन केन्द्रों में किसानों को ऋण की वसूली उपरांत धान के एवज में 1 करोड़ 26 लाख 68 हजार 13 रुपए का शुद्ध भुगतान प्रदाय किया गया है। धान बेचने वाले इन किसानों से 3 लाख 48 हजार 713 रुपए की ऋण वसूली हुई है।

मालगाड़ी के चार वैगन पटरी से उतरे

कोरबा, 20 नवंबर (देशबन्धु)। मालगाडियों के बेपटरी होने की घटनाओं से कोयला परिवहन बाधित हो रहा है। फिर एक बार ऐसी घटना सामने आई है। एसईसीएल कोरबा के जून साइडिंग में मालगाड़ी संख्या एन बॉक्स ई के दस नंबर वैगन के पीछे लगे चार डिब्बे पटरी से उतर गए। डिब्बों के पटरी से उतरने का कारण ट्रैक पर अत्यधिक मात्रा में कोल डस्ट जमा होने को बताया जा रहा है। डिब्बों के पटरी से उतर जाने की खबर मिलने पर मरम्मत दस्ता घटनास्थल पर पहुंचकर डिब्बों को उठाकर उनके मरम्मत का कार्य कर रहा है।

वाशिंग मशीन चोरी करने वाला पकड़ाया

कोरबा-दर्री, 20 नवंबर (देशबन्धु)। आंगन में रखे वाशिंग मशीन की अज्ञात चोर ने चोरी कर ली। चोरी की सूचना के चंद घंटे के भीतर ही पुलिस ने वाशिंग मशीन बरामद कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार मनीषा यादव ने थाना में लिखित आवेदन दिया था कि 18 नवंबर की रात उसके घर के आंगन में रखे 14000 रुपये कीमती लॉयड कंपनी का वाशिंग मशीन अज्ञात चोर द्वारा चोरी कर लिया गया है। दर्री पुलिस ने आरोपी की पतासाजी शुरू की तो मुखबिर से सूचना मिली कि उक्त चोरी अनुज महंत एवं उसके साथियों के द्वारा किया गया है। अनुज महंत को हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर जुर्म स्वीकार किया तथा बताया कि वह साथी नान्हू तथा बबलू के साथ मिलकर चोरी को अंजाम दिया है। निशानदेही पर वाशिंग मशीन बरामद कर धारा 457,380 भादवि के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया है।

माकपा नेता संजय पराते के खिलाफ पुलिस-प्रशासन से शिकायत

कोरबा, 20 नवंबर (देशबन्धु)। विधानसभा चुनाव में कटघोरा विधानसभा से जनता कांग्रेस के प्रत्याशी सपूरन कुलदीप को बदनाम करने के उद्देश से किसी दूसरे का नाम का उपयोग कर झूठा समाचार तैयार कर सोशल मीडिया में प्रचारित कराने का आरोप लगाकर आज जनता कांग्रेस के सपूरन दास कुलदीप ने निर्वाचन अधिकारी को लिखित शिकायत किया है।

आरोप है कि विधानसभा चुनाव में मतदान तिथि 17 नवंबर से एक दिन पहले राजमिस्त्री मजदूर रेजा कुली एकता यूनियन के राज्य अध्यक्ष सुखरंजन नंदी के नाम से संजय पराते ने एक झूठा समाचार प्रकाशित कराकर विभिन्न वाट्सएप ग्रुपों में एवं अलग-अलग नंबरों में वायरल किया है जबकि वो समाचार पूरी तरह गलत एवं जनता कांग्रेस के प्रत्याशी की छवि को धूमिल करने के उद्देश्य से किया गया एक अपराधिक कृत्य है। इसकी शिकायत सोमवार को जनता कांग्रेस के प्रत्याशी सपूरन ने जिला निर्वाचन अधिकारी से करते हुए कहा कि इस प्रकार का कृत्य चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन के साथ एक अपराधिक कृत्य भी है। उन्होंने निर्वाचन अधिकारी से उचित कानूनी कार्यवाही करने की मांग की है। शिकायत पत्र के साथ उन नंबरों,तमाम स्क्रीन शाट को भी प्रमाण के रूप में संलग्न किया गया है।

पुलिस अधीक्षक से नंदी ने की शिकायत

राजमिस्त्री मजदूर रेजा कुली एकता यूनियन के राज्य कार्यकारी अध्यक्ष सुखरंजन नंदी ने संजय पराते के खिलाफ पुलिस अधीक्षक से शिकायत किया है। शिकायत में कहा गया है कि माकपा नेता संजय पराते द्वारा उनके नाम एवं फोटो का दुरुपयोग कर एक गलत समाचार प्रकाशित करवा कर मजदूर यूनियन में भ्रम की स्थिति फैलाने का काम किया है। उसके साथ ही इस अपराधिक काम को अंजाम देने के लिए संजय पराते ने सोशल मीडिया का भी उपयोग किया है जो साइबर अपराध के दायरे में आता है यूनियन नेता ने पुलिस अधीक्षक से संजय पराते के खिलाफ अपराध पंजीबद्ध कर कानूनी कार्यवाही करने का आग्रह किया है।

छठ व्रतधारियों ने उगते सूर्य को दिया अर्घ्य, घाट पर उमड़े श्रद्धालु

कोरबा, 20 नवंबर (हाईवे चैनल)। छठ महापर्व को लेकर शहर में उत्साह का माहौल देखा गया। सोमवार को छठ पूजा का अंतिम दिवस था और उगते हुए सूर्य को अर्घ्य देने सुबह से ही नदियों से लेकर तालाब, पोखरों के घाटों पर लोगों की भीड़ देखी गई। उगते हुए सूर्य को अर्घ्य देने के बाद छठ का व्रत रखने वाले लोगों ने व्रत का पारण किया और इसके साथ ही चार दिनों के महापर्व का समापन हो गया।

आज प्रातः व्रतधारियों ने छठ घाटों पर पहुंचकर उगते हुए सूर्य देव को अर्घ्य देकर सुख-समृद्धि व शांति की कीमना की। इस दौरान

महिलाओं ने छठ पूजा गीत भी गाए। व्रती विभिन्न प्रकार के मौसमी फल, ठेकुआ समेत अन्य पारंपरिक व्यंजनों से पूजा का थाल सजाकर मंगल कलश में भरे जल लेकर अर्घ्य देने घाटों पर पहुंचे जहां केले के पत्ते और गन्ना का मंडप सजा था। घाटों में पानी में खड़े होकर सूर्य देवता के उदय होने का इंतजार किया जाता रहा। इस दौरान छठ गीतों और आतिशबाजियों से घाट गुंजायमान होते रहे। शहर के ढेंगुरनाला, एसईसीएल शिव मंदिर, करण घाट, इंदिरा नगर हसदेव घाट, सर्वमंगला मंदिर के सामने, राताखार के अलावा दीपका, कुसमुण्डा, बालकोनगर और दर्री जमनीपाली, बांकीमोंगरा अहिरन घाट में पूर्वांचलवासी उमड़े रहे।

संतान प्राप्ति के लिए पूजा

छठ पूजा के दौरान शादीशुदा महिलाओं ने सूर्य को अर्घ्य देकर संस्कारवान और स्वस्थ संतान प्राप्ति के लिए भगवान राम और सूर्यदेव से प्रार्थना की। ऐसा माना जाता है कि संतान प्राप्ति के लिए छठ पर्व का बड़ा महत्व है। कहते हैं कि इस व्रत से संतान सुख प्राप्त होता है। ऐसी मान्यता है कि जब पांडव जुए में अपना सारा राजपाठ हार गए तब द्रौपदी बहुत दुःखी थीं और तब श्रीकृष्ण भगवान ने उन्हें सूर्य उपासना करने की सलाह दी। इसी सूर्य उपासना से उन्हें अक्षय भोजन पात्र मिला जिसमें भोजन कभी कम नहीं पड़ता था। पुराणों के अनुसार सूर्य की पहली किरण को ही सविता शक्ति अथवा छठी मईया भी कहा जाता है। सबसे पहले द्रौपदी ने छठ का व्रत किया था। तब से मान्यता है कि व्रत के सूर्योपासना करने से द्रौपदी की तरह सभी व्रती की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

सार-संक्षेप

गौ माता की पूजा- अर्चना कर मनाई गई गोपाष्टमी

मनेन्द्रगढ़ 20 नवम्बर (देशबन्धु)। आज कार्तिक मास में शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि को गोपाष्टमी का पर्व धूमधाम से मनाया गया। इस दिन खासतौर पर गौ माता की पूजा और सेवा करने का विधान है। इसी परंपरा के तहत कोरिया और एमसीबी जिले में मंदिर और गौशाला में जाकर लोगों ने गाय और बछड़ों की पूजा की. इस सम्बन्ध में मनेन्द्रगढ़ के श्री राम मंदिर के महंत पंडित श्री ओम नारायण द्विवेदी ने बताया कि मान्यता के अनुसार इस दिन सर्वप्रथम भगवान कृष्ण ने गायों को चराना आरंभ किया था, इसलिए इस दिन गौ माता के साथ बछड़े की भी पूजा की जाती है। मान्यता है कि यदि गोपाष्टमी के दिन विधि-विधान से गाय का पूजन व सेवा की जाए तो देवी-देवताओं का आशीर्वाद प्राप्त होता है। गाय की पूजा करने से श्री कृष्ण प्रसन्न होते हैं और अपने भक्तों पर कृपा बरसाते हैं। इस दिन गाय की पूजा करने से घर में सुख-समृद्धि और शांति का वास होता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार गाय में 36 कोटि देवी-देवताओं का वास होता है। धार्मिक ग्रथों में गाय के बारे में लिखा है- जब देवताओं और राक्षसों के बीच समुद्र मंथन हुआ, तो बहुत से रत्न निकले, जिनमें कामधेनु गाय भी शामिल थी। कामधेनु पवित्र थी इसलिए ऋषि-मुनि उसे अपने पास रखते थे। श्रीमद्भागवत गीता में उल्लेख है कि भगवान श्रीकृष्ण बचपन में गायों के साथ खेलते थे और गायों की सेवा भी करते थे। उन्हें गायों से बहुत प्यार था। गोपाष्टमी पर गायों की पूजा करने से सौभाग्य, सुख और समृद्धि आती है। इसी परम्परा के तहत आज मनेन्द्रगढ़ के श्री राम मंदिर में गाय और बछड़ों की भी पूजा की गई.

घरेलू विवाद में महिला की डंडे और लोहे के तवा से पिटाई

रायगढ़ 20 नवंबर (देशबन्धु)। 16 नवंबर को थाना जूटमिल क्षेत्र अंतर्गत ग्राम ननसिया में घरेलू विवाद को लेकर दो सगी बहने परिवार के एक व्यक्ति के साथ अपनी भाभी को हाथ मुक्का, डंडा और तवा से मारकर गंभीर चोट पहुंचाये। घायल महिला को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना को लेकर थाना जूटमिल में आरोपियों के विरुद्ध हत्या का प्रयास का मामला दर्ज किया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार आहत महिला बुधयारिन बाई (25 साल) के पति केशव महंत निवासी ग्राम ननसिया रिपोर्ट दर्ज कर बताया कि पूर्व में उसकी बहन मधु सिदार, उसका पति राम सिंह सिदार और रितु महंत गांव ननसिया में रहते थे। उसकी पत्नी बुधियारिन का उसकी मां, दीदी मधु और बहन रीतू के बीच घरेलू झगड़ा विवाद होता था। इसी झगड़ा विवाद को लेकर 16 नवंबर के शाम मधु, रितु और मधु का पति राम सिंह घर अंदर घुसकर उसकी पत्नी बुधियारिन बाई से पूर्व झगड़ा विवाद रंजीश को लेकर गाली गलौज मारपीट करते हुए हाथ मुक्का और डंडा, लोहे के तवे से मारपीट किए हैं जिसमें बुधियारिन बाई को गंभीर चोटे आई है। प्रार्थी के रिपोर्ट पर थाना जूटमिल में आरोपियों के विरुद्ध धारा 450, 307, 34 आईपीसी के तहत अपराध पंजीकृत कर घटना के बाद से फरार हुए दो महिला आरोपी मधु सिदार पति रामसिंह सिदार उम्र 33 साल निवासी अमलीभौना इंदिरा आवास सोनूमुडा थाना जूटमिल जिला रायगढ़, रितु महंत पिता हेमलाल महंत उम्र 22 साल निवासी ननसिया हाल मुकाम अमलीभौना इंदिरा आवास सोनूमुडा थाना जूटमिल रायगढ़ को जूटमिल पुलिस द्वारा गिरफ्तार का न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है। आरोपियों से डंडा और लोहे का तवा बरामद कर जप्त किया गया है। आरोपी राम सिंह सिदार फरार है। फरार आरोपी की पतासाजी की जा रही है। आरोपियों की पतासाजी, गिरफ्तारी में थाना प्रभारी जूटमिल निरीक्षक रामकिंकर यादव, उप निरीक्षक अमृतलाल साहू, महिला प्रधान आरक्षक क्लोस्टिका खरे, आरक्षक कामता चैहान, महिला आरक्षक देवकुमारी भारते की विशेष भूमिका रही है।

दीपावली, मतदान और छठ के बाद खलिहान की ओर लौटे किसान

धान खरीदी 1 नवम्बर से है प्रारंभ

जिले में धान की पैदावार बम्पर होने की संभावना

बलरामपुर जिले में 861.60 क्विंटल धान की खरीदी

खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 में बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में कलेक्टर श्री रिमिजियुस एक्का के मार्गदर्शन में किसानों से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी 01 नवम्बर 2023 से प्रारंभ हो गया है। किसानों से धान की खरीदी करने के लिए 49 सहकारी समितियों के अंतर्गत 49 धान उपार्जन केन्द्र बनाये गये हैं। चालू सीजन में धान बेचने के लिए 48259 किसानों ने अपना पंजीयन कराया है। इसी तारतम्य में जिले में अब तक 4 समितियों में 14 किसानों से कुल 861.60 क्विंटल धान की खरीदी की गई है।

कोरिया 20 नवम्बर (देशबन्धु)। जिले के अन्नदाता अब दीपावली, मतदान और छठ पूजा के बाद खेत-खलिहान की ओर लौट रहे हैं ताकि वे अपने फसल की कटाई मिंजाई के बाद धान को बेच सकें।

दीपावली के पहले 1 नम्बर से जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी प्रारम्भ हो गया है। जानकारी मुताबिक इस वर्ष पंजीकृत किसानों की संख्या 22 हजार 282 है जबकि धान बोए गए रकबा लगभग 29 हजार 771 हेक्टेयर है, वहीं धान खरीदी के लिए 22 उपार्जन केन्द्र बनाए गए हैं।

बता दें दीपावली, मतदान एवं छठ पूजा के बाद जिले के किसान बड़ी संख्या में खेत-खलिहान में दिखाई दे रहे है और अपने उपजाए लहलहाती फसलों को काटने व मिंजाई में लगे हुए हैं सबंधित विभाग द्वारा धान खरीदी केन्द्रों में किसानों के लिए बिजली, पानी एवं शेड की समुचित व्यवस्था करने की जानकारी दी है। किसानों के लिए 5 हजार 683 बारदाना गठान का लक्ष्य रखा है।

जानकारी के मुताबिक जिले में इस वर्ष धान का उत्पादन बम्पर मात्रा में होने की अनुमान है। विगत वर्ष 94 हजार मेट्रिक टन धान खरीदी की गई थी, जबकि इस वर्ष 1 लाख 13 हजार 666 मेट्रिक टन धान खरीदी का लक्ष्य रखा है और विगत 20 दिनों में करीब 115 मेट्रिक टन धान खरीदी की गई है।

17 नवम्बर को जिले में मतदान सम्पन्न होने के बाद क्रिकेट प्रेमी विश्वकप व मतगणना को लेकर मशगूल रहे। चौक-चौराहे, चाय- पान दुकान में सिर्फ विश्व कप क्रिकेट, मतगणना तथा प्रत्याशियों के भाग्य को लेकर अनुमान के गणित बनाए जा रहे है। फिलहाल विश्वकप क्रिकेट की खुमारी उतर चुका है जबकि विश्व कप की ताज ऑस्ट्रेलिया ने हासिल कर लिया है।

अब 3 नवम्बर को होने वाले मतगणना 12 दिन बचे हैं। स्ट्राँगरूम में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के साथ ईवीएम मशीन को रखा गया है। मतगणना के लिए प्रशिक्षण व बैठक की तैयारिया जोरो पर है। ऐसे में परिणाम आते ही साफ हो जाएगा कि अनुमान की गणित सही था कि जोड़-घाटाना-गुणा- भाग करने में कहां चूक हुई।

बैलों के सहारे किसान कर रहा है खेती

सारंगढ़ 20 नवम्बर (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ के सभी जिले के सेवा सहकारी समिति में धान खरीदी केन्द्र 01 नवंबर 2023 से खोले गए हैं। वर्तमान में धान कटाई का दौर शुरू हो चुका है। किसान अपने सामर्थ्य अनुसार स्वयं या मजदूरों से या सीधा खेत में धान काटने की मशीन से धान काट रहे हैं। क्षेत्र के खेतों में अभी भी धान पक रहे हैं, कटाई पूरा नहीं हो पाया है। ऐसे में अंचल के सभी किसानों के धान कटाई से लेकर खरीदी केन्द्र तक पहुंचने का अनुमान लगाया जाए तो कम से कम 5 दिसंबर 2023 के बाद ही धान का आवक पर्याप्त मात्रा में किसान लेकर आएंगे। वहीं आज भी क्षेत्र के कई किसान बैलों के सहारे ही खेती कर रहे हैं जिनके एक उदाहरण रेडा के चंपालाल सिदार हैं।

30 नवम्बर तक एक्जिट पोल के आयोजन और प्रसारण पर प्रतिबंध

अम्बिकापुर 20 नवम्बर (देशबन्धु)। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विधानसभा निर्वाचन 2023 अंतर्गत 07 नवम्बर 2023 से लेकर 30 नवम्बर 2023 अपरान्ह 6.30 बजे तक किसी भी प्रकार के एग्जिट पोल का आयोजन करने तथा प्रिंट व इलेक्ट्रानिक मीडिया द्वारा इसके परिणाम के प्रकाशन, प्रचार व किसी भी अन्य तरीके से उसका प्रचार-प्रसार करने पर प्रतिबंध किया गया है। भारत निर्वाचन आयोग ने अधिसूचना प्रकाशित की है, जिसमें लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 126 क में निर्देश दिया है कि कोई भी व्यक्ति कोई निर्गम मत (एग्जिट पोल) सर्वेक्षण नहीं करेगा और राज्य के किसी मतदान क्षेत्रों में मतदान की समाप्ति के लिए नियत समय पर समाप्त होने वाले 48 घण्टों के दौरान किसी भी इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में किसी भी ओपिनियन पोल व किसी अन्य मतदान सर्वेक्षण के परिणामों सहित किसी भी प्रकार के निर्वाचन संबंधी मामले के प्रदर्शन पर प्रतिबंध रहेगा। उल्लेखनीय है कि भारत निर्वाचन आयोग के पत्र क्रमांक 491, 25 अक्टूबर 2013 में उल्लेख किया गया है कि निर्वाचन प्रचार से संबंधित विधिक उपबंध सोशल मीडिया पर उसी तरह लागू होते हैं जैसे वे किसी अन्य मीडिया का इस्तेमाल करके किए जाने वाले निर्वाचन प्रचार के किसी अन्य रूप पर लागू होते हैं। इसलिए सोशल मीडिया में भी एग्जिट पोल का आयोजन और परिणाम का प्रकाशन, प्रचार-प्रसार प्रतिबंधित है। अधिसूचना अनुसार इस धारा के उपबन्धों का उल्लंघन करने वाले व्यक्ति पर दण्ड के रूप में दो वर्ष तक के कारावास या जुर्माने या दोनों का प्रावधान है।

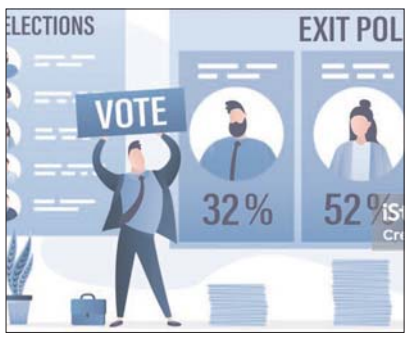

मतगणना के लिए प्रशिक्षण आज

अम्बिकापुर 20 नवम्बर (देशबन्धु)। विधानसभा सामान्य निर्वाचन 2023 अंतर्गत 17 नवम्बर को द्वितीय चरण का मतदान सम्पन्न हुआ। 03 दिसम्बर को मतगणना की तिथि निर्धारित है, जिसके सम्बन्ध में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, छत्तीसगढ़ के निर्देश पर 21 नवम्बर से 25 नवम्बर तक समस्त जिला मुख्यालयों में प्रशिक्षण आयोजित किया गया है।

21 नवम्बर को अधिकारियों - कर्मचारियों का प्रशिक्षण जिला पंचायत सभाकक्ष में सुबह 10:00 बजे से आयोजित किया गया है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिला सरगुजा, कोरिया, एमसीबी, सूरजपुर तथा बलरामपुर से सम्बन्धित विधानसभा के उप जिला निर्वाचन अधिकारी, रिटर्निंग ऑफिसर, सहायक रिटर्निंग ऑफिसर, मतगणना रिटर्निंग ऑफिसर, विधानसभा हेतु मास्टर ट्रेनर, टेबुलेशन प्रभारी अधिकारी, पोस्टल बैलेट नोडल अधिकारी, ईवीएम नोडल अधिकारी, सुरक्षा नोडल अधिकारी एवं प्रोग्रामर उपस्थित रहेंगे। प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित होने वाले अधिकारियों के लिए विश्राम भवन में कक्ष आबंटन , वाहन व्यवस्था, जलपान एवं भोजन की व्यवस्था करने हेतु जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, सत्कार अधिकारी, वाहन व्यवस्था प्रभारी अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों को सुबह 10.30 बजे से 11.30 बजे तक काउंटिग प्लान लॉजिस्टिक्स, 11.30 बजे से 12.30 बजे तक काउंटिग प्रोसीजर ईवीएम एवं वीवीपैट, दोपहर 12.30 से 01.30 बजे तक काउंटिग प्रोसीजर इटीपीबीएस एवं पोस्टल बैलेट, दोपहर 02.15 से 03.00 बजे तक काउंटिग प्रोसीजर सुविधा, 03.00 से 03.45 तक एनकोर, 04.00 से 04.30 बजे तक वीवीपैट काउंटिग डेमोंस्ट्रेशन, 04.30 से 05.00 बजे तक इंडेक्स कार्ड के सम्बंध में प्रशिक्षण दिया जाएगा।

भगवान सूर्य को अर्घ्य देने मांड नदी के तट पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

रायगढ़ 20 नवंबर (देशबन्धु)। धरमजयगढ़ के मांड नदी में स्थित डोंगा घाटतट के तट पर कल नगर के सैकड़ों श्रद्धालुओं ने अस्त होने वाले भगवान सूर्य को अर्घ्य दिया और पूजा-अर्चना की. चार दिनों तक चलने वाले इस अनुष्ठान के अंतिम दिन सोमवार को व्रती सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया।

लोक आस्था और सूर्य उपासना के पर्व चैती छठ महापर्व के अवसर पर रविवार की शाम डूबते भगवान सूरज को नदियों के किनारे जल चढ़ाया गया. इस दौरान सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। चार दिनों तक चलने वाले इस अनुष्ठान के अंतिम दिन सोमवार को व्रती सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया।

इसके पहले व्रतियों ने भगवान भास्कर की अराधना की और खरना किया था. खरना के साथ ही व्रतियों का 36 घंटे का निर्जला उपवास शुरू हो गया. पर्व के चैथे और अंतिम दिन यानी सोमवार को उगते सूर्य को अर्घ्य देने के बाद श्रद्धालुओं का व्रत संपन्न हो जाएगा. इसके बाद व्रती अन्न-जल ग्रहण कर 'पारण' करेंगे. हिंदू परंपरा के अनुसार, कार्तिक और चैत्र माह में छठ व्रत का आयोजन होता है.

घर में घुस कर बैठा था अजगर

कोरबा, 20 नवंबर (देशबन्धु)। जिले के कई क्षेत्रों में सांप निकलने की घटना निरंतर जारी है। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार विभिन्न प्रकार के सांपों का दिखना आम बात है, जिसके कारण लोगों में डर बना रहता है। सांप दिखते ही सब काम छोड़ कर उस पर पूरा ध्यान चला जाता है, जब तक वह रेस्क्यू न हो जाए।

इसी कड़ी में सीतामढ़ी के एक बोरा व्यापारी के घर काम करते वक्त घर वालों की नजर बोरे के ऊपर बैठे एक 8 फीट के अजगर पर पड़ी। अजगर को देख घर वालों की डर से हालत खराब हो गई, जिसके बाद जानकारी वाइल्डलाइफ रेस्क्यू टीम प्रमुख जितेंद्र सारथी को दी गई। कुछ ही देर बाद सारथी ने मौके पर पहुंच कर सावधानी से अजगर का रेस्क्यू किया। इस दौरान अजगर गुस्से से लगातार जितेंद्र सारथी को काटने का प्रयास करता रहा फिर भी उसे नहीं छोड़ा और आखिरकार अजगर को बोरे में डालने में कामयाब हुए, जिसके बाद घर वालों ने राहत की सांस ली। परिवार ने रेस्क्यू टीम को धन्यवाद दिया। अजगर को जंगल में छोड़ दिया गया। जितेंद्र सारथी ने बताया कि ठंड के मौसम में सांप अक्सर धूप सेंकते नजर आते हैं, ठंडे खून वाले होने के कारण वो ऐसा करते हैं, जो उनके लिए अति आवश्यक है।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय ने जारी किया आदेश

कोरिया 20 नवम्बर (देशबन्धु)। इस प्रशिक्षण में उप जिला निर्वाचन अधिकारी नंदनी साहू, रिटर्निंग ऑफिसर अंकिता सोम, सहायक रिटर्निंग ऑफिसर अंमृता सिंह एवं चांदनी कंवर मतगणना सहायक रिटर्निंग ऑफिसर अनिल जायसवाल, विनय कश्यप, मनीष वारे,लखेश्वर सिदार, मोनल साय, मोहन भट्ट, मास्टर ट्रेनर के.के. गुप्ता एवं एम.सी. हिमधर, टेबुलेशन प्रभारी अधिकारी पदमाकर सिंह परिहार, पोस्टल बैलेट नोडल अधिकारी श्री टी.आर. भारद्वाज, ईवीएम नोडल अधिकारी राकेश साहू, सुरक्षा नोडल अधिकारी श्रीमती मोनिका ठाकुर एवं सहायक प्रोग्रामर मानेन्द्र कुशवाहा 21 नवम्बर को सुबह 10 बजे लाईवलीहुड कॉलेज, अम्बिकापुर में शामिल होंगे।

कलेक्टर ने धान उपार्जन केंद्रो का किया निरीक्षण

- **बायोमैट्रिक सिस्टम से हो रही धान खरीदी, किसानों के अंगूठे या ऑयरिस से ऑनलाईन हो रहा सत्यापन**
- **कुरिडीह और सांवारावां में किसानों के सुविधा के लिए खोले गये हैं नवीन धान खरीदी केंद्र**

सूरजपुर 20 नवम्बर (देशबन्धु)। कलेक्टर संजय अग्रवाल आज धान खरीदी केन्द्र के निरीक्षण के लिए पहुंचे थे। उन्होने आदिम जाति सहकारी समिति मर्या. धान खरीदी केन्द्र देवनगर व चन्दरपुर में चल रही धान खरीदी का अवलोकन कर और धान बेचने आये किसानों से बातचीत की। इसके साथ ही उन्होंने केन्द्र में खरीदी से संबंधित सभी व्यवस्थाए पुख्ता है कि नहीं इसका जायजा लिया। उन्होंने बायोमैट्रिक सिस्टम से हो रही धान खरीदी का मुआयान भी किया और संबंधित विभागीय अधिकारियों एवं समिति प्रबंधक को आवष्यक दिषा निर्देष दिये।

01 नवंबर से 31 जनवरी तक किसानों से धान खरीदी किया जाना हैं, जिसमें कुछ धान खरीदी केंद्रो में धान खरीदी की शुरूआत आज से हुई। इसके अंतर्गत आदिम जाति सहकारी समिति मर्या. धान खरीदी केन्द्र देवनगर व चन्दरपुर भी शामिल थे। यहां कलेक्टर द्वारा संजय अग्रवाल किसानों की उपस्थिति में पूजा अर्चना कर धान खरीदी का शुभारंभ कराया गया। इसके साथ ही उन्होंने उपस्थित किसानों को माला पहनाकर उनका सम्मान भी किया। उन्होंने किसानों से धान के किस्मों और पैदावार के संबंध में चर्चा की गई। इसके साथ ही जैविक खेती पर भी चर्चा की और आगामी फसलों में इसे अपनाने के लिए प्रेरित किया ज्ञात हो कि खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 में जिले के 54 धान खरीदी केंद्रों में धान बेचने के लिए 55291 किसानों ने 80173 हेक्टेयर रकबे का पंजीयन कराया है। किसानों को सुविधा पहुँचाने की दृष्टि से जिला प्रशासन की अनुशंसा पर जिले में 2 नये खरीदी केंद्र कुरिडीह और सांवारावां में खोले गए हैं। इस वर्ष बायोमेट्रिक आधार पर धान खरीदी की जा रहा है, जिसके तहत धान बेचने आये किसान के अंगूठे या ऑयरिस से उसकी पहचान कर सत्यापन ऑनलाइन किया जा रहा है। इस अवसर पर डिप्टी रजिस्ट्रार सहकारिता विभाग जी.एस. शर्मा, जिला विपणन अधिकारी श्रीमती शोभना तिवारी, नोडल अधिकारी सहकारी बैंक, पी.एस. परिहार व अन्य संबंधित उपस्थित थे।

मतदान के बाद भी ओपी चैधरी का जारी है जनसंपर्क

ओपी ने राजनीति में सक्रियता की रखी अनोखी मिशाल

रायगढ़ 20 नवंबर (देशबन्धु)। मतदान हुए 24 घटे भी नही बीते भाजपा प्रत्याशी पूर्व कलेक्टर ओपी चैधरी ने मतदान के तत्काल बाद अपना जनसंपर्क जारी रख राजनीति में सक्रियता की अनोखी मिशाल पेश की है। अमूमन चुनाव परिणाम में हार जीत के बाद ही जन प्रतिनिधि अपना जन संपर्क या दौरा शुरू करते है लेकिन भाजपा प्रत्याशी पूर्व कलेक्टर ओपी चैधरी मतदान के एक दिन बाद ही आम जनता में मध्य पहुंच गए।

ओपी चैधरी की सक्रियता आने वाले दिनो मे राजनीति की दशा दिशा भी बदलेगी। मतदान के तत्काल बाद ही ओपी का यह जनसंपर्क में सियासी गलियारों में चर्चा का विषय बन गया। जिसने भी मतदान के बाद ओपी के इस जनसंपर्क के बारे में सुना वह राजनीति के नए मापदंड पर आश्चर्य जताए बिना नहीं रह सका। मतदान के बाद ओपी रायगढ़ विधानसभा के लोइंग मंडल के ग्राम कोसमपाली पहुंचे। जहां 99: मतदान हुआ। कोसमपाली के कार्यकर्ताओ को साधुवाद देते हुए आम जनता के प्रति आभार व्यक्त हुए ओपी ने कहा कोसम पाली के मतदाताओं की जागरूकता पूरे विधान सभा के लिए जागरूकता की नई मिशाल पेश करेगी।

ग्राम वासियों ने यह प्रमाणित किया है कि लोक तंत्र के इस महायज्ञ में मतदान की आहुति कितनी आवश्यक है। ओपी ने कहा मतदान की अनिवार्यता ही हर आम आदमी को लोक तंत्र के प्रति जवाब देह भी बनाती है।

भागवत ही जीवन का असली दर्शन है

केवल सरकार बनाने तक ही समाज या व्यक्ति की भूमिका सीमित नही होनी चाहिए। ग्राम बनोरा में चल रही भागवत कथा में भी ओपी चैधरी शामिल हुए और पूजा अर्चना कर अंचल वासियों सहित समस्त प्रदेश वासियों के सुख-शांति- समृद्धि- खुशहाली की कामना भी की। ओपी ने कहा भागवत ही जीवन का असली दर्शन है जो मनुष्य के सांसारिक बंधनों के मध्य जीवन जीने की प्रेरणा देता है। ग्राम बनोरा की पावन भूमि में भागवत कथा सुने जाने को ओपी ने अपना परम सौभाग्य निरुपित करते हुए कहा भागवत कथा से अध्यात्म को सरलता से समझता जा सकता है। लोइंग मंडल के जन संपर्क के बाद ओपी ग्राम कोतरलिया निवासी राजकुमार प्रधान की दिवंगत माता जी के दशगात्र में शामिल हुए। शोकाकुल परिजनों से भेंट कर श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए मृत आत्मा की शांति के लिए भगवान से प्रार्थना करते हुए शोक संतप्त परिजनों को धैर्य एवं संबल प्रदान करने की कामना भी की है।

लवारिस बैग में मिला चार किलो गांजा

रायगढ़ 20 नवंबर (देशबन्धु)। स्टेशन परिसर में गस्त के दौरान आरपीएफ को एक लवारिस बैग मिली, जिसकी जांच करने पर उसमें चार किलो गांजा पाया गया है। जिसे अज्ञात आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर कोतवाली पुलिस को सौंपा गया है।

उल्लेखनीय है कि विधानसभा चुनाव को लेकर जिले की सभी मुख्य मार्गों में जिला पुलिस द्वारा बेरियर बनाकर जांच किया जा रहा था, जिसके चलते तस्कर सडक मार्ग को छोडकर खुद को सुरक्षित करने के लिए ट्रेन मार्ग से तस्करी शुरू कर दिया है। जिससे स्टेशन के बाहर जांच के दौरान लगातार मादक पदार्थ गांजा की जब्ती हो रही है। ऐसे में विगत 15 नवंबर को शाम करीब 4 बजे रेलवे सुरक्षा पोस्ट रायगढ़ में पदस्थ उप निरीक्षक संजय कुमार एस को मुखबीर से सूचना मिली कि स्टेशन के मेन गेट के बाहर सर्कुलेटिन एरिया के पूर्वी छोर में स्टेशन के दीवार के पास एक लवारिश पिट्ठू बैग पड़ा है, जिससे उपनिरीक्षक संजय कुमार एस ने आरक्षक रणबीर के साथ मौके पर पहुंच कर उक्त बैग की जांच किया तो उसमें चार किलो 100ग्राम मदक पदार्थ गांजा पाया गया। जिससे उक्त गांजा को जब्त करते हुए अज्ञात आरोपियों के खिलाफ धारा 20 (बी) एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाई करते हुए उसे कोतवाली पुलिस के सुपुर्द किया गया है। साथ ही इसकी जानकारी रेलवे सुरक्षा आयुक्त बिलासपुर को दी गई है।

माहभर मे तीसरी कार्रवाई: इसके पहले दो गांजा के मामले सामने आए थे, जिसमें दोनों में आरोपी भी पकड़ाए थे, लेकिन अब आरपीएफ की सक्रियता को देखते हुए तस्कर द्वारा उक्त बैग को छोड़ कर फरार हो गया। जिससे तीसरे मामले में सिर्फ गांजा ही पकड़ाया है।

बड़ी बहू निकली सास की हत्यारिन

जिले के ग्राम कापन नाला पार में 6 दिनों पहले मिली थी महिला की लाश

जांजगीर, 20 नवम्बर (देशबन्धु)। जिले के ग्राम कापन नाला पार में 6 दिनों पहले महिला की लाश मिली थी जिसकी पहचान गुरुबारी बाई केवट पति बृज राम केवट उम्र 60 वर्ष निवासी के रूप में हुई थी।

मृतिका के सिर में गंभीर चोट के निशान थे, जिसकी सूचना पर चौकी नैला में मर्ग कायम कर जांच पंचनामा कार्यवाही में लिया गया था, मृतिका के शव का पोस्ट मार्डम कराया गया। जिसमें पोस्ट मार्डम रिपोर्ट प्राप्त किया गया, जिसमे मृतिका के सिर में गंभीर चोट लगने से मृत्यु होना लेख किए जाने से चौकी नैला में अज्ञात आरोपी के विरुद्ध अपराध धारा 302 भादवि का अपराध कायम कर विवेचना में लिया गया।

विवेचना के दौरान घटना स्थल का बारीकी से निरीक्षण किया गया एवं मृतिका के घर के सदस्यों से बारीकी से पूछताछ की गई पता चला की मृतिका गुरुबारी बाई एवं घर की बड़ी बहू छठ बाई केवट के बीच छोटी छोटी बातो को लेकर हमेशा लड़ाई झगड़ा की बात सामने आई।

विवेचना दौरान मामले के संदेही छठ बाई केवट को घटना के संबध में कड़ाई से पूछताछ करने पर बताई की मृतिका सास गुरुबारी बाई छोटी छोटी बातों पर लड़ाई झगड़ा कर हर बात पर ताने मारती थी, जिससे त्रस्त होकर 14 नवंबर को सवेरे जब सास शौच के लिए नाला तरफ गई थी तभी पीछे से जाकर उसके सिर में डंडा एवं लोहे का बट्टा से मार कर हत्या करना बताई, मेमोरंडम कथन के आधार पर आरोपी के कब्जे से बांस का डंडा एवम लोहे का बट्टा बरामद किया गया है। आरोपी छठ बाई केवट निवासी ग्राम कापन चौकी नैला के विरुद्ध अपराध धारा सदर का सबूत पाए जाने से विधिवत दिनांक 19.11.2023 को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। कार्यवाही में उपनिरीक्षक सत्यम चौहान चौकी प्रभारी नैला सहायक उप निरीक्षक रामखिलावन साहू प्रधान आरक्षक रुद्र नारायण कश्यप महिला प्रधान आरक्षक राजकुमारी खूंटे आरक्षक जितेश राजपूत संतोष प्रधान महिला आरक्षक रुक्मणी कंवर एवं चौकी नैला स्टाफ का योगदान रहा।

सार-संक्षेप

10 वी. 12 वी बोर्ड परीक्षा फार्म का वितरण आज

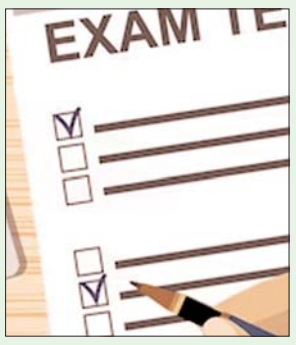

जांजगीर, 20 नवम्बर (देशबन्धु)। संभागीय कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार 21 नवम्बर को 10 बी,12 वी की बोर्ड परीक्षा फार्म का वितरण समन्वयक संस्था खोखरा भाठा के सामने स्थिति हास्टल में सुबह 10.30 बजे से किया जायेगा। संबंधित प्राचार्य या प्रतिनिधि उपस्थिति होकर परीक्षा फार्म प्राप्त कर सकते है।

शिवरीनारायण मठ में मनाया गया गोपाष्टमी का त्यौहार

जांजगीर, 20 नवम्बर (देशबन्धु)। महानदी के तट पर युग युगांतर से विराजित भगवान शिवरीनारायण की पावन धारा में गोपाष्टमी का त्यौहार बड़े ही श्रद्धा भक्ति पूर्वक मनाया गया। शिवरीनारायण मठ पीठाधीश्वर राजेश्री महन्त रामसुन्दर दास महाराज ने सुबह 8.30 बजे गौशाला में गौमाताओं की विधिवत पूजा अर्चना की, उन्हें पुष्पमाला, तिलक लगाकर उनकी आरती की गई एवं केला तथा मिष्ठान्न का भोग लगाया गया। गोपाष्टमी के त्यौहार के संदर्भ में राजेश्री महन्त ने कहा कि यह त्यौहार प्रत्येक वर्ष सनातन धर्मावलंबियों के द्वारा कार्तिक शुक्ल पक्ष अष्टमी को मनाया जाता है, इस दिन गौ माता की विधिवत पूजा अर्चना कर भगवान श्री कृष्ण की आराधना की जाती है। जो भी व्यक्ति श्रद्धा, भक्तिपूर्वक इस दिन गौ माता की सेवा करते हैं उन पर उनका आशीर्वाद निरंतर बना रहता है। भगवान श्री हरि गौ माता की पूजा से प्रसन्न होते हैं। उन्होंने स्वयं गौ माता की सेवा के लिए मनुष्य का अवतार लिया। श्री रामचरितमानस में लिखा है -विप्र धेनु सुर संत हित, लिन्ह मनुज अवतार।। गोपाष्टमी की पूजा के समय राजेश्री महन्त के साथ मुख्तियार सुखराम दास, जगदीश मंदिर के पुजारी त्यागी जी महाराज, मीडिया प्रभारी निर्मल दास वैष्णव, मठ मंदिर के साधु संत एवं विद्यार्थी गण उपस्थित थे।

लायंस स्कूल में मनाया बाल दिवस समारोह

चांपा, 2 नवम्बर (देशबन्धु)। लायंस इंग्लिश हायर सेकेण्ड्री स्कूल चांपा में दिनांक 2 नवंबर को पूर्व प्रधानमंत्री पं.जवाहर लाल नेहरू के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में बाल दिवस समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें सर्वप्रथम प्राचार्य श्रीमती अजिता वी. के. ने पूर्व प्रधानमंत्री स्व. जवाहर लाल नेहरू के तैल चित्र पर माल्यार्पण किया। इस अवसर पर लायंस शिक्षण समिति के चेयरमेन लायन डॉ. व्ही. के. अग्रवाल ने स्कूल में उपस्थित सभी बच्चों को बाल दिवस के बारे में बताया एवं शुभकामनाएं दी। लायंस क्लब चांपा के अध्यक्ष लायन रामप्रपन्न देवांगन ने सभी बच्चों को पेंसिल, पेन एवं बिस्किट देकर बच्चों को उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी। लायंस शिक्षण समिति के सचिव लायन राजेश अग्रवाल ने स्कूल में उपस्थित सभी बच्चों को बाल दिवस की शुभकामनाएं दी। सभी कक्षाओं में कक्षानुसार विभिन्न प्रतियोगिता आयोजित की गई एवं कक्षावार प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार भी बच्चों को प्रदान किया गया। इस अवसर पर लायंस स्कूल के लगभग 14 बच्चों को पेन, पेंसिल एवं बिस्किट उपहार स्वरूप दिया गया।

चार दिवसीय लोक आस्था के महापर्व का हुआ समापन

जांजगीर, 20 नवम्बर (देशबन्धु)। सूर्य उपासना का महापर्व छठ जिले में धूमधाम से मनाया गया। हसदेव नदी के लछनपुर घाट सहित अन्य जगहों पर श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। व्रतियों ने अल सुबह स्नान कर उदित होते सूर्य को अर्ध्य दिया। इसके साथ ही चार दिवसीय लोक आस्था के महापर्व छठ का समापन हुआ।

गौरतलब है कि दीपावली के छह दिन बाद मनाए जाने वाले महापर्व 'छठ' का हिन्दू धर्म विशेष रुप से बिहार एवं उत्तर प्रदेश के निवासियों भोजपुरी समाज के लोगों में विशेष महत्व है। छठ महापर्व के दौरान भोजपुरी समाज सहित सभी वर्ग के लोगों द्वारा भगवान सूर्य देव को जल अर्पित कर उनकी आराधना की जाती है। जिले में इस वर्ष भी सूर्य उपासना का महापर्व छठ धूमधाम से परंपरानुसार मनाया गया। कई लोग वाहनों में पूजन सामग्री लेकर घाट पहुंचे जबकि अधिकांश व्रती महिलाएं रंग बिरंगे नए परिधानों में गाजे बाजे के साथ विभिन्न मार्गों से पैदल पारंपरिक छठ गीतों को गाते हुए घाट आईं। इस दौरान परिजन पूजन सामग्री से भरे दऊरा को सिर पर रखकर चल रहे थे।

चार दिवसीय छठ महापर्व की शुरुआत शुक्रवार 17 नवंबर को नहाय-खाय के साथ हुई। पर्व के दूसरे दिन 18 नवंबर को छठव्रतियों ने खरना का प्रसाद ग्रहण कर 36 घंटे का निर्जला उपवास प्रारंभ किया। पर्व के तीसरे दिन रविवार 19 अक्टुबर को बड़ी संख्या में ग्राम लछनपुर स्थित छठघाट, रामप्रसाद तालाब तथा डोंगाघाट पहुंचे छठव्रतियों ने सायं 5 बजे अस्ताचलगामी सूर्य को पहला अर्ध्य दिया। इस दौरान घाट पर महिलाओं ने छठ माता को प्रसन्न करने कई सारे गीते गाई, जिसमें कांच ही बांस के बहंगिया, बहंगी लचकति जाए... बहंगी लचकति जाए... बात जे पुछेले बटोहिया बेहंगी केकरा के जाए? बहंगी केकरा के जाए? तू त आन्हर हउवे रे बटोहिया, बहंगी छठी माई के जाए... बहंगी छठी माई के जाए... के अलावा %केलवा जे फरेला घवद से, ओह पर सुगा मेड़राय, सेविले चरन तोहार हे छठी मइया। उगु न सुरुज देव भइलो अरग के बेर सहित अनेक छठ पूजा की गीत महिलाएं गा रही थी। इसके बाद पर्व के चौथे दिन सोमवार 20 नवंबर को सुबह 5.30 छठघाट पहुंचे। श्रद्धालुओं ने उदित होते सूर्य को अर्ध्य देकर पूजा-अर्चना के साथ ही चार दिवसीय छठ महापर्व का समापन किया। रविवार 19 नवंबर की शाम लछनपुर स्थित केराझरिया में आयोजित छठ महामहोत्सव में मुख्य अतिथि के रुप में छग विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष एवं जांजगीर-चांपा विधायक नारायण चंदेल मुख्य अतिथि के रुप में शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व सांसद श्रीमती कमलादेवी पाटले ने की। विशिष्ट अतिथि के रुप में कार्तिकेश्वर स्वर्णकार, कमल लाल देवांगन, प्रमिला चंदेल, विवेका गोपाल उपस्थित थे। स्वागत भाषण देते हुए भोजपुरी समाज के पूर्व जिलाध्यक्ष एवं संयोजक सत्येन्द्र सिंह ने वर्ष 2009 से आयोजित हो रहे छठ महोत्सव के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन सुरेन्द्र सिंह ने किया। इसके पूर्व भोजपुरी समाज के लोगों ने मंचस्थ अतिथियों का बारी-बारी से पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया। लछनपुर स्थित छठघाट में उदित होते सूर्य को अर्ध्य देने के अवसर पर भोजपुरी समाज के जिलाध्यक्ष ललन सिंह, समाज के संस्थापक जिलाध्यक्ष सत्येन्द्र सिंह, कैलाश पांडेय, हंसराज सिंह, एस.पी. सिंह, जयशंकर तिवारी, शिवशंकर झा, विनोद सिंह, रामकृत राजभर, सुशील सिंह, सुदीश तिवारी, शंभू सिंह, रंजन सिंह, बबलू सिंह, गोलू सिंह, डी.एन. सिंह, सुमित सिंह, चंद्रशेखर पंडित, पी.एम. मिश्रा, एस.के. सिंह, पवन शर्मा, विनय दास एवं वीरेन्द्र प्रताप सिंह के अलावा बड़ी संख्या में छठव्रती पुरुष, महिलाएं, एवं बच्चे मौजूद थे। भोजपुरी समाज के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

कपालिक बाबा ने किया प्रसाद वितरित

सूर्य उपासना के महापर्व छठ के अंतिम दिन उदित होते सूर्य को अर्ध्य देने के बाद लछनपुर स्थित छठघाट में उपस्थित सभी छठव्रतियों को अघोरपीठ आश्रम पोड़ीदल्हा के पूज्य कपालिक धर्म रक्षितराम बाबा ने आशीर्वाद प्रदान कर प्रसाद वितरित किया। उन्हें प्रणाम कर सभी छठव्रतियों ने आशीर्वाद प्राप्त करते हुए प्रसाद ग्रहण किया।

जिला उपभोक्ता आयोग में मध्यस्थता पैनल के सदस्य बने मनरमण सिंह

जांजगीर, 20 नवम्बर (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ राज्य उपभोक्ता विवाद प्रतितोषण आयोग द्वारा जिला उपभोक्ता आयोग में मध्यस्थता पैनल का गठन किया गया है। इस कड़ी में जिला उपभोक्ता आयोग जांजगीर में आयोग के पूर्व सदस्य मनरमण सिंह को मध्यस्थता पैनल का सदस्य मनोनीत किया गया है। राज्य उपभोक्ता आयोग के रजिस्ट्रार हिमांशु जैन द्वारा जारी आदेश में स्थानीय उपभोक्ता आयोग से प्राप्त अनुशंसा के आधार पर नियुक्ति की गई है।

जिला निर्वाचन अधिकारी के हाथों प्रसस्ति प्रमाण पत्र प्रदान किया गया

डभरा, 20 नवम्बर (देशबन्धु)। चंद्रपुर विधानसभा क्षेत्र 36 के मतदान केंद्र क्रमांक 178 खोंधर में मतदान दल के कर्मचारियों द्वारा सफलतापूर्वक मतदान कराया गया जहां संगवारी बुथ के मतदान दल के महिला कर्मचारियों ने शक्ति मुख्यालय पहुंचकर मत पेटी जमा किया मतदान केन्द्र कर्मचारियों द्वारा सफल रूप से चुनाव संचालन करने पर जिला निर्वाचन अधिकारी नूपुर राशि पन्ना के हाथों से प्रसस्ति प्रमाण पत्र प्रदान किया गया साथ में बी एल खरे जिला शिक्षा अधिकारी मौजूद थे। संगवारी मतदान दल के पीठासीन अधिकारी श्रीमती अनीता पटेल, व्याख्याता तुलसी बंजारे, मतदान अधिकारी क्रमांक 1में श्रीमती सीमा पटेल, मतदान अधिकारी क्रमांक 2 में लोपा डनसेना ने अपनी जिम्मेदारी निभाई। आपको बता दें कि यह दूसरा अवसर है कि विधानसभा चुनाव में महिलाओं का ड्यूटी लगाया गया था जिन्होंने कर्तव्य निष्ठा के साथ अपनी जिम्मेदारी निभाई है संगवारी मतदान केंद्र में शांतिपूर्वक चुनाव संपन्न कराया गया ।

कलश यात्रा के साथ डबरी पारा में संगीतमय श्रीमद भागवत कथा शुरू

सेम्हराडीह की ईश्वरी देवी करा रहीं अपनी मधुर वाणी से कथा का रसपान

जांजगीर, 20 नवम्बर (देशबन्धु)। जिला मुख्यालय जांजगीर के डबरी पारा में कलश यात्रा के साथ 19 नवंबर से संगीतमय श्रीमद भागवत कथा का शुभारंभ हो चुका है। सेम्हराडीह की आचार्या ईश्वरी देवी यहां अपनी मधुर वाणी से श्रद्धालुजनों को कथा का रसपान करवा रहीं हैं।

मां मड़वारानी महिला समिति डबरी पारा जांजगीर के पदाधिकारियों ने बताया कि समिति के सदस्यों एवं मोहल्लेवासियों के सहयोग से डबरी पारा जांजगीर में संगीतमय श्रीमद भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। कथा वाचिका सेम्हराडीह की आचार्या ईश्वरी देवी हैं। कथा का शुभारंभ 19 नवंबर 2023 को कलश यात्रा, गौरी-गणेश पूजा एवं गोकर्ण कथा के साथ हुआ। इसी क्रम में 20 नवंबर को व्यास जन्म, परीक्षित जन्म एवं वारह अवतार की कथा हुई। 21 नवंबर को विदुर चरित्र, सती प्रसंग, अजामिल कथा, 22 को प्रहलाद चरित्र, वामन अवतार, समुद्र मंथन, 23 को हरिशचंद्र की कथा, श्रीराम, श्रीकृष्ण जन्म, 24 को बाल लीला, माखन चोरी, गोवर्धन पूजा, 25 को उद्धव प्रसंग, महारास, रूखमणी विवाह, 26 को सुदामा चरित्र, परीक्षित मोक्ष, चढ़ोत्री एवं 27 को गीता ज्ञान, पूर्णाहुति, तुलसी वर्षा एवं कपिला तर्पण के साथ कथा का विश्राम होगा। आयोजकों ने बताया कि कथा का समय प्रतिदिन दोपहर तीन बजे से शाम सात बजे तक निर्धारित है। मां मड़वारानी महिला समिति के पदाधिकारियों सहित वार्ड क्रमांक-16 डबरीपारा जांजगीर के निवासियों ने अंचल के श्रद्धालुजनों से अधिकाधिक संख्या में कथा श्रवण के लिए कथा स्थल पहुंचने का आग्रह किया है।

ज्ञानदीप विद्यालय में शिविर का आयोजन रासेयो ने चलाया सफाई अभियान

जांजगीर, 20 नवम्बर (देशबन्धु)। ज्ञानदीप उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जांजगीर के (रासेयों) के शिविरार्थी द्वारा तृतीय दिवस शिविरार्थी प्रात: 6 बजे उठकर दैनिक नित्य कर्म कर 6.30 बजे योग और प्राणायाम की क्लास में सम्मिलित हुए । आज सुक्ष्म व्यायाम से कार्यक्रम प्रारंभ किया फिर इसके उपरांत कपालभाति,अनुलोम- विलोम, भ्रामरी और उदगीत प्राणायाम कराया गया। सभी शिविरार्थी तन मन से योग प्राणायाम किया।

10 बजे शिविरार्थी परियोजना कार्य के लिए शिविर से नारा लगाते हुए बाहर निकले। सड़कों के किनारे कचरे की ढेर को गड्ढों में दबाया गया तथा सड़कों की आसपास की सफाई किए। मिडिल स्कूल खोखरा के हैंड पंप के आसपास गंदगी थी उसकी सफाई की गई। ठीक 12 अपनी शिविर स्थल पर वापस आए। इसके

पश्चात ठीक 2 से 4 बजे तक बौद्धिक परिचर्चा में भाग लिए आज के अतिथि रासेयों के इकाई के अध्यक्ष एवं ज्ञानदीप उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्य डॉ.अखिलेश कटकवार तथा विशिष्ट अतिथि दीपक यादव रहे। मुख्य अतिथि एल एस गौतम सेवानिवृत्ति प्रधान पाठक रहे। आज का विषय युवा भारत था। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के तैलचित्र पर दीप प्रज्वलित कर पुष्पहार समर्पित कर किया गया । फिर शिविरार्थी द्वारा बैच लगाकर अतिथियों का स्वागत किया गया । रासेयों के अध्यक्ष द्वारा युवा भारत की विषय पर विस्तार से प्रकाश डाला गया तत्पश्चात विशिष्ट अतिथि दीपक यादव जी ने युवा भारत के विषय पर शिविरार्थियों को प्रेरणा दी गई। सभी शिविरार्थी पूरे ध्यान लगाकर अतिथियों की बात सुने तथा आत्मसात किया। अंत में कार्यक्रम प्रभारी रंजीत डहरिया द्वारा अतिथियों का आभार प्रकट कर कार्यक्रम की समापन की घोषणा की गई।

पुष्पा पाटले, गीतांजलि सहित चार कांग्रेसियों को नोटिस

पार्टी विरोधी गतिविधियों में संलग्न होने का आरोप

जांजगीर, 20 नवम्बर (देशबन्धु)। विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी के अधिकृत प्रत्याशी के विरूद्ध पार्टी विरोधी गतिविधियों में संलग्न होने पर प्रभारी महामंत्री संगठन मलकीत सिंह गैदू ने राज्य बाल संरक्षण आयोग की सदस्य पुष्पा पाटले, चंद्रपुर विधानसभा क्षेत्र की गीतांजलि पटेल, सदस्य भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल दुर्गेश जायसवाल और पूर्व ब्लाक अध्यक्ष तारकेश्वर गबेल को कारण बताओ नोटिस जारी कर 24 घंटे के अंदर जवाब मांगा है।

नोटिस में कहा गया है कि विधानसभा चुनाव में पार्टी अधिकृत प्रत्याशी के विरूद्ध पार्टी विरोधी गतिविधियों में संलग्न होने का मामला संज्ञान में आया है, जो पार्टी अनुशासनहीनता की परीधि में आता है। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज ने प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए राज्य बाल संरक्षण आयोग के सदस्य पुष्पा पाटले कोकारण बताओ नोटिस जारी किए जाने के लिए निर्देशित किया है। प्रदेश अध्यक्ष बैज के निर्देशानुसार यह कारण बताओ नोटिस जारी किया जाता है। जारी नोटिस का लिखित जवाब , स्पष्टीकरण पत्र प्राप्ति के 24 घंटे के भीतर प्रदेश कांग्रेस कमेटी को भेजने को कहा गया है। ज्ञात हो कि पामगढ़ क्षेत्र में पार्टी विरोधी कार्य करने की शिकायत संगठन को मिली थी। इसी तरह चंद्रपुर विधानसभा क्षेत्र में गीतांजलि पटेल, सदस्य भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल दुर्गेश जायसवाल और पूर्व ब्लाक अध्यक्ष तारकेश्वर गबेल को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। उन पर भी क्षेत्र में पार्टी के अधिकृत प्रत्याशी के विरूद्ध पार्टी विरोधी गतिविधि संचालित करने का आरोप लगा है। ज्ञात हो कि कांग्रेस ने इस बार भीतर घातियों के खिलाफ शिकायत को गंभीरता से लिया है और उनके शिकायत मिलने पर इनके विरूद्ध कड़ी कार्रवाई का रूख अपनाया है। ज्ञात हो कि पिछले चुनाव में बसपा की टिकट पर चुनाव लड़ने के बाद गीतांजलि पटेल फिर से कांग्रेस में आ गई हैं और उन्हें पार्टी ने नोटिस थमा दिया है।

पार्टी विरोधी गतिविधि संचालित करने वालों की तलाश जारी

कांग्रेस और भाजपा दोनों पार्टी ऐसे लोगों की पहचान में जुटी है जो पार्टी में रहकर विरोध में काम करते हैं। पार्टी का ऐसा मानना है कि जो दल छोड़कर जाते हैंउनसे ज्यादा खतरा ऐसे लोगों से रहता हैजो पार्टी में रहकर ही पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होते हैं।

देश विदेश

अमेरिकी रक्षा मंत्री ऑस्टिन यूक्रेन पहुंचे

कीव। अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने सोमवार को कहा कि वह यूक्रेन की राजधानी कीव पहुंच गये हैं। श्री ऑस्टिन ने कहा कि अमेरिका यूक्रेन का समर्थन करना जारी रखेगा। श्री ऑस्टिन ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर कहा, मैं अभी यूक्रेन के नेताओं से मिलने के लिए कीव पहुंचा हूं। मैं आज यहां एक महत्वपूर्ण संदेश देने आया हूं कि अमेरिका रूस के आक्रामक रुख के खिलाफ इस जंग में वर्तमान और भविष्य में भी यूक्रेन के साथ खड़ा रहेगा।

गजा में तलाशी और बचाव अभियान में शामिल हुईं इजरायली महिला सैनिक

तेल अवीव, 20 नवंबर (एजेंसियां)। इजरायली सेना द्वारा 27 अक्टूबर को गाजा में जमीनी आक्रमण शुरू करने के बाद पहली बार, महिला सैनिक हमास-नियंत्रित क्षेत्र में तलाशी और बचाव कार्यों में शामिल हुई हैं। होम फ्रंट कमांड के सर्च और रेस्क्यू ब्रिगेड के तहत मिक्स्ड-जेंडर वाली शचर बटालियन की महिला लड़ाकू सैनिक मैदान पर बलों के नेतृत्व में ऑपरेशन में शामिल हुईं। बटालियन के

सेनाओं के प्रबंधन में मदद करने में प्रमुख भूमिका निभा रही

कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल यार्डन ने कहा, शचर बटालियन के पुरुष और महिला सैनिक जीत हासिल करने के लिए सब कुछ करेंगे और हम इसके लिए पूरी तरह तैयार हैं। हमें इसी के लिए प्रशिक्षित किया गया है और हम यही करेंगे।

बटालियन सर्च और रेस्क्यू ब्रिगेड से जुड़ी हुई है, जो ऑपरेशन से संबंधित आवश्यकताओं के अनुसार संरचनाओं और इमारतों से निकासी और बचाव प्रयासों का नेतृत्व करती है। अपने बयान में, लेफ्टिनेंट कर्नल यार्डन ने आगे कहा कि यूनिट वर्तमान में 162 डिवीजनों की सेनाओं के प्रबंधन में मदद करने में एक प्रमुख भूमिका निभा रही हैं और मुख्य मिशन इमारतों को तोड़ने में ब्रिगेड और बटालियनों की सहायता करना और आवश्यकता पड़ने पर एक महत्वपूर्ण बचाव बल के रूप में काम करना है।

गजा में फिलीस्तीनियों की मौत का आंकड़ा 13,000 पार

गजा। गाजा के सरकारी मीडिया कार्यालय ने घोषणा की है कि 7 अक्टूबर को इजरायल-हमास संघर्ष शुरू होने के बाद से गाजा पट्टी में फिलीस्तीनी मरने वालों की संख्या 13,000 से अधिक हो गई है। मीडिया कार्यालय के महानिदेशक इस्माइल अल-थवाब्टा ने रविवार को एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि मृतकों में 5,500 बच्चे और 3,500 महिलाएं थीं, जबकि 30,000 से ज्यादा लोग गंभीर रूप से घायल हुए थे। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, अल-थवाब्टा ने कहा कि लापता लोगों की संख्या 6,000 से ज्यादा हो गई है, जिनमें 4,000 बच्चे और महिलाएं भी शामिल हैं, जो अभी भी इजरायली हमलों से नष्ट हुई इमारतों के मलबे में दबे हुए हैं। 7 अक्टूबर को दक्षिणी इजरायल पर हमास के अचानक हुए हमले का बदला लेने के लिए इजरायल पिछले कुछ हफ्तों से गाजा पर हमले कर रहा है, जिसके दौरान हमास के आतंकवादियों ने लगभग 1,200 लोगों की हत्या कर दी थी और 200 से अधिक लोगों को बंधक बना लिया था।

यमन के हूती विद्रोहियों ने लाल सागर में इजरायली मालवाहक जहाज पर किया कब्जा

सना। यमन के हूती विद्रोहियों ने पुष्टि की है कि उन्होंने लाल सागर में एक इजरायली मालवाहक जहाज का अपहरण कर लिया है। हौथी सैन्य प्रवक्ता येह्या सरिया ने रविवार को समूह के अल-मसीरा टीवी द्वारा प्रसारित एक बयान में कहा, %%हूती ने लाल सागर में एक सैन्य अभियान के कार्यान्वयन की घोषणा की, जिसके परिणामों में एक इजरायली जहाज की जब्ती भी शामिल थी।%% समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, प्रवक्ता ने कहा कि समूह इजरायल के खिलाफ सैन्य अभियान तब तक जारी रखेगा जब तक कि गाजा पट्टी के खिलाफ उनकी आक्रामकता बंद नहीं हो जाती।

सुडोकू 6382

	8		6				5	
					2	3		
3	2					6	1	
			9	2		7		
			1		7			
		4		6	3			
	9	7					4	3
		8	7					
	4				1		2	

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम,कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

वर्ग पहेली 6382

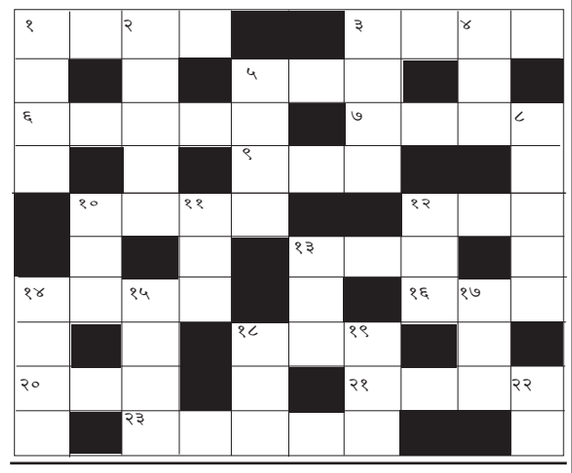

बायें से दायें:-

१. छत्तीसगढ़ राज्य का एक जिला
३. गणेश
४. पूर्ति करने की क्रिया
६. वह व्यक्ति या संस्थाा जिसे राजकीय पत्र प्रदान किया गया हो
७.एक तरह का फूल जिसमें रात में सुगंध होती है
९. व्यापार
१०. रविवार
१२. नेपाली पहाड़ी मजदूर
१३. मुख्य, प्रधान, मुखिया
१४. संदर्भ, प्रसंग, प्रतिपादन, निर्माण
१६. एक प्रकार का ज्योतिष विद्या
१८. रोकने वाला, रुकावट डालने वाला
२०. अतिरिक्त (उर्दू)
२१. गणेश
२३. दीपक, सूर्य, तिमिरहर

ऊपर से नीचे:-

१. यात्रियों, पथिकों के निशुल्क ठहरने-रुकने के लिए जगह, सराय
२. तदुपरांत
३. वह शासन व्यवस्था जिसमें चुने हुए प्रतिनिधि शासन संचालित करते हैं
४. दृश्य (उर्दू)
५. नाव खेने की डांडी
८. अर्धविक्षिप्त (उर्दू)
१०. तलबगार, इच्छा रखने वाला
११. हाथी, निवारण
१२. किरीट, मुकुट, शिरोभूषण
१३. इंतजाम, व्यवस्था
१४. सराहा गया
१५. कहावत, कहानी (उर्दू)
१७. सहायता (उर्दू)
१८. बंद करना, मना करना, रुकावट डालना१९. १९. दाग, धब्बा
२२. बचाव करने की क्रिया

वर्ग पहेली-6381

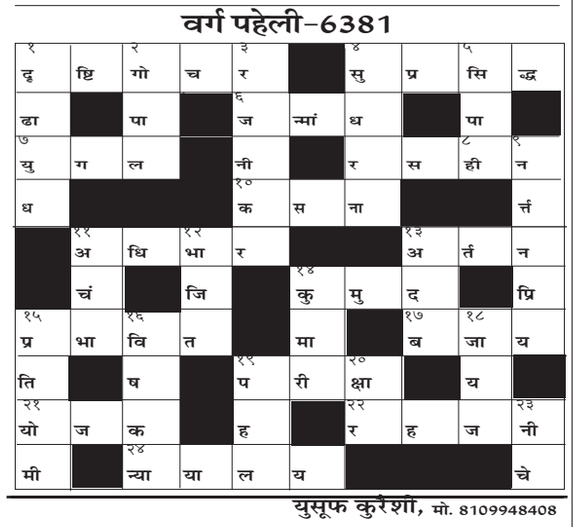

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

दैनिक पंचांग

mypandit.com 24 hour astrology service

■ बेजान दारूवाला

ग्रह स्थिति : मंगलवार 21 नवम्बर , 2023 कार्तिक शुक्ल पक्ष 8

राशिफल

मेष - आप सामाजिक काम में उपस्थित होंगे। मित्रों तथा स्नेहियों के साथ बहुत आनंद मना सकेंगे। मित्रों के पीछे धन खर्च होगा और उनके पास से लाभ भी प्राप्त कर सकेंगे। आप कहीं घूमने जाने की योजना बना सकते हैं।

वृषभ - जो लोग नए काम की शुरुआत करना चाहते हैं या उसकी योजना बनाना चाहते हैं, उनके लिए दिन बहुत अच्छा है। आज आप नौकरी या व्यवसाय में लाभदायक परिणाम प्राप्त कर सकेंगे। पदोन्नति होगी।

मिथुन - समय आपके अनुकूल नहीं होने के कारण आपके काम पूरे होने में देर होगी। आपके शरीर में थकान का अनुभव रहेगा। किसी तकलीफ से परेशान हो सकते हैं। ऑफिस में अधिकारी के नकारात्मक व्यवहार का शिकार बनेंगे।

कर्क - नकारात्मक मानसिकता के कारण आज निराशा अनुभव करेंगे। बाहर खाने-पीने के कारण स्वास्थ्य खराब होने की आशंका बनी रहेगी। आपके गरम मिजाज पर अंकुश रखना होगा। परिजनों के साथ भी मतभेद हो सकता है।

सिंह - पति- पत्नी के बीच मामूली कारणों को लेकर मतभेद हो सकता है। जीवनसाथी का स्वास्थ्य चिंता का कारण होगा। सांसारिक विषयों में आपका मन नहीं लगेगा।

कन्या - आपका तन-मन स्वस्थ रहेगा। घर में सुख- शांति का वातावरण रहेगा। आपको खुशी, वित्तीय लाभ तथा कार्य में सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य में सुधार होगा। नौकरी में भी अच्छा लाभ प्राप्त कर सकेंगे।

तुला - आज आप अपनी सृजनशीलता और कल्पनाओं का बहुत अच्छी तरह उपयोग कर सकेंगे। संतान की प्रगति से खुशी का अनुभव करेंगे। किसी बात का अत्यधिक विचार करने से मन उदास रह सकता है।

वृश्चिक - आज आप तन-मन से अस्वस्थता महसूस करेंगे। छोटी- बड़ी चिंता आपको सता सकती है। कुटुंबजनों तथा सम्बंधियों के साथ मतभेद हो सकता है। मां का स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

धनु - आप आध्यात्मिक विषयों तथा रहस्यमयी विद्याओं की तरफ आकर्षण महसूस करेंगे। कोई काम करना चाहते हों, तो समय आपके अनुकूल रहेगा। अपने घर में मित्रों तथा संबंधियों का स्वागत करके आनंद अनुभव करेंगे।

मकर - आपको वाणी और व्यवहार पर अंकुश रखना चाहिए। पारिवारिक सदस्यों के साथ मतभेद न हो इसका ध्यान रखें। शेयर बाजार में निवेश करने की योजना बना सकेंगे। आपको वित्तीय लाभ हो सकेगा।

कुंभ - आपका दिन उत्साह से भरपूर रहेगा। परिजनों, मित्रों और सगे- सम्बंधियों के साथ आपका घरेलू वातावरण सुखद रहेगा। आप स्वादिष्ट भोजन का आनंद लेंगे। घूमने जाने या प्रवास पर्यटन की योजना बन सकती है।

मीन - आर्थिक विषय और पूंजी निवेश में आपको विशेष ध्यान रखने पड़ेगा। आपका ध्यान विचलित होगा और बेचैनी अनुभव होगा। आध्यात्मिक काम के पीछे खर्च हो सकता है।

नोट-उपरोक्त राशिफल बेजान दारूवाला द्वारा पूर्वलिखित है।

ऑस्ट्रेलियाई लोग चंद्रमा रोवर के नाम के लिए करेंगे मतदान

कैनबरा, 20 नवम्बर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलियाई अंतरिक्ष एजेंसी (एएसए) ने सोमवार को देश के पहले चंद्रमा रोवर के लिए चार नामों की शॉर्टलिस्ट की घोषणा की, जिन्हें आम जनता से 8,000 से ज्यादा सबमिशन में से चुना गया था। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, सोमवार से 1 दिसंबर तक ऑस्ट्रेलियाई लोग इस पर मतदान कर सकेंगे कि रोवर का नाम कूलामोन, काकिरा, मेटशिप या रू-वर रखा जाएगा या नहीं। विजेता की घोषणा 6 दिसंबर को की जाएगी। उम्मीदवारों को प्रासंगिकता, रचनात्मकता और उन्हें प्रस्तुत करने वाले व्यक्ति द्वारा प्रदान किए गए तर्क के आधार पर एएसए जज पैनल द्वारा प्रस्तुतियां से चुना गया था। कूलामोन एक जहाज है जिसका इस्तेमाल स्वदेशी आस्ट्रेलियाई लोगों द्वारा इकट्ठा करने और ले जाने के लिए किया जाता है, दक्षिण ऑस्ट्रेलिया (एसए) के कौरना आदिवासी लोगों की भाषा में काकीरा का मतलब चंद्रमा है। मेटशिप ऑस्ट्रेलिया में दोस्ती के नेशनल करेक्टर ट्रेट्स के लिए एक कल्चरर शब्द है और रू-वेर ऑस्ट्रेलिया के प्रतिष्ठित कंगारुओं को शामिल करता है। नाम दिए जाने के बाद, रोवर को नासा के साथ उसके आर्टेमिस मिशन पर एक समझौते के तहत चंद्रमा पर भेजा जाएगा, जिसे 2026 या 2027 में लॉन्च करने का लक्ष्य है।

टेक्सास के गवर्नर ने 2024 में राष्ट्रपति पद के लिए डोनाल्ड ट्रंप का किया समर्थन

ह्यूस्टन, 20 नवम्बर (एजेंसियां)। अमेरिका-मेक्सिको सीमा पर एक सीमावर्ती शहर की यात्रा के दौरान टेक्सास के गवर्नर ग्रेग एबॉट ने 2024 में राष्ट्रपति पद के लिए डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन किया। उन्होंने आप्रवासन (इमीग्रेशन) से निपटने के तरीके को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन की आलोचना की। सीएनएन ने रविवार को टेक्सास के एडिनबर्ग में पूर्व राष्ट्रपति के साथ एक कार्यक्रम में रिपब्लिकन गवर्नर के हवाले से कहा, हमें संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में डोनाल्ड जे. ट्रम्प की वापसी की जरूरत

है। भीड़ को संबोधित करते हुए, ट्रम्प ने सीमा से निपटने के तरीके को लेकर बिडेन की आलोचना की और तर्क दिया कि अमेरिका के पास अब इतिहास की सबसे असुरक्षित सीमा है, मेरा मानना है कि, वास्तव में, दुनिया की।

बाइडेन की उम्र मतदाताओं के लिए चिंता का सबब

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन 81 वर्ष के हो गये हैं और उनकी उम्र देश के मतदाताओं के लिए एक बड़ी चिंता का विषय है। उनका जन्मदिन इस तथ्य पर सुर्खियों में हैं कि अगर श्री बाइडेन अगले साल दोबारा राष्ट्रपति निर्वाचित होते हैं तो वह अमेरिकी इतिहास में सबसे उम्रदराज राष्ट्रपति होंगे क्योंकि उनका कार्यकाल पूरा होने तक वह 86 वर्ष के हो जाएंगे। दूसरी तरफ पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, जिनसे अगले साल श्री बाइडेन का सामना होने की संभावना है, इस तथ्य के बावजूद कि वह 77 वर्ष के हैं, अभी तक मतदाताओं के बीच उम्र को लेकर चिंता की वजह नहीं बने हैं।

7वें रेशम मार्ग एक्सपो में बेल्ट एंड रोड के नए विकास पर चर्चा

बीजिंग, 20 नवम्बर (एजेंसियां)। 7वां रेशम मार्ग अंतर्राष्ट्रीय एक्सपो 16 से 20 नवंबर तक पश्चिमोत्तर चीन के शैनशी प्रांत की राजधानी शीआन में हो रहा है। इस दौरान, ताजिकिस्तान और अज़रबैजान सहित 50 से अधिक देशों और क्षेत्रों के प्रतिनिधियों ने सहयोग करने पर चर्चा की, जिसका उद्देश्य है कि बेल्ट एंड रोड के संयुक्त निर्माण को उच्च गुणवत्ता और उच्च स्तर के नए विकास की प्राप्ति में मदद मिल सके। मौजूदा एक्सपो के दौरान बेल्ट एंड रोड के सह-निर्माण वाले देशों (क्षेत्रों) का आर्थिक और व्यापारिक सहयोग

गोलमेज सम्मेलन आयोजित किया गया, जिसमें शीआन में कंबोडिया के महावाणिज्य दूतावास के कौंसल जनरल ने कहा कि कंबोडिया बेल्ट एंड रोड पहल के संयुक्त निर्माण में एक सक्रिय भागीदार है।

बेल्ट एंड रोड पहल में कंबोडिया और चीन के बीच सहयोग में बुनियादी ढांचे, व्यापार और निवेश, कनेक्टिविटी आदि सहित कई क्षेत्र शामिल हैं। कंबोडिया को इन सहयोग से बहुत लाभ हुआ है और अपने राष्ट्रीय विकास लक्ष्यों की प्राप्ति में भी मदद मिलेगी। वहीं, चीन में अज़रबैजान के दूतावास के वाणिज्यिक प्रतिनिधि कार्यालय के वाणिज्यिक प्रतिनिधि तेमुर नादिरोघ्लु ने कहा कि बेल्ट एंड रोड पहल के संयुक्त निर्माण से लाभ मिलकर अज़रबैजान ने अपने भौगोलिक लाभों का पूरा लाभ उठाते हुए बुनियादी ढांचे के विकास पर ध्यान केंद्रित करते हुए यूरेशिया में क्षेत्रीय परिवहन केंद्र बन गया है।

फिर 'दुआयों' पर टिकने लगा सीजफायर का भविष्य

जम्मू, 20 नवम्बर (देशबन्धु)। इस माह की 26 तारीख को 20 साल पूरे करने जा रहे सीजफायर का भविष्य एक बार फिर उन दुआयों पर टिकने लगा है जो सीमावर्ती लोगों द्वारा की जा रही हैं। अगर सीमावर्ती नागरिक इस सीजफायर के ताउम्र जारी रहने की दुआएं कर रहे हैं तो आतंकी तथा अलगाववादियों के अतिरिक्त पाक सेना भी चाहती है कि यह जल्द से जल्द समाप्त हो। वैसे इतना जरूर है कि अगर सीजफायर टूटता है तो यह भारतीय सीमांत नागरिकों के लिए भारी साबित होगा और अगर यह जारी रहता है तो यह अलगाववादियों व आतंकियों के लिए मौत से कम नहीं होगा। सीजफायर के इस अरसे ने एलओसी व सीमा से सटे क्षेत्रों के लोगों के जीवन को बदल कर रख दिया है तो आतंकियों को तिल तिल मरने को मजबूर कर दिया है। सीमा पार से गोलियों की बरसात के रूकने से अगर सीमावर्ती नागरिक अपने खेतों में फसलें उगाते हुए खुली फिजां में सांस ले रहे हैं तो सीजफायर की लाज रखने की खातिर जो सीमा पार से हथियारों व मानवशक्ति की आपूर्ति रूकी पड़ी है उसने आतंकियों को मजबूर कर दिया है कि वे हिंसा का दामन त्याग दें। 20 साल पहले तक इन सीमावासियों ने सोचा भी नहीं था कि सीजफायर इतना लम्बा चलेगा।

सुडोकू 6382 का हल

7	8	1	6	3	9	4	5	2
4	5	6	8	1	2	3	7	9
3	2	9	4	7	5	6	1	8
5	1	3	9	2	8	7	6	4
8	6	2	1	4	7	9	3	5
9	7	4	5	6	3	2	8	1
1	9	7	2	8	6	5	4	3
2	3	8	7	5	4	1	9	6
6	4	5	3	9	1	8	2	7

आज का इतिहास

1877-प्रसिद्ध वैज्ञानिक थॉमस अल्वा एडिसन ने विश्व के सामने पहला फोनोग्राफ पेश किया।
1906-चीन ने अफीम के व्यापार पर रोक लगाई।
1921-प्रिंस ऑफ वेल्स (सम्राट एडवर्ड अष्टम) बॉम्बे (अब मुंबई) पहुंचे और कांग्रेस ने देशव्यापी हड़ताल का ऐलान किया।
1941-गुजरात की पहली मुख्यमंत्री आनंदीबेन पटेल का जन्म।
1947-आजादी के बाद देश में पहली बार डाक टिकट जारी किया गया।
1956-एक प्रस्ताव लाकर शिक्षक दिवस को स्वीकृति दी गई थी।
1962-भारत-चीन सीमा विवाद के दौरान चीन ने संघर्षविराम का ऐलान किया।
1963-केरल के थुंबा क्षेत्र से रॉकेट छोड़े जाने के साथ ही भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम शुरु हुआ।
1979-मक्का में काबा मस्जिद पर मुस्लिम उग्रवादियों का अधिकार।
1986-मध्य अफ्रीकी गणराज्य ने संविधान अंगीकार किया।
1999-चीन द्वारा अपने प्रथम मानव रहित अंतरिक्ष यान 'शेनझू' का प्रक्षेपण किया गया।
2001-संयुक्त राष्ट्र ने अफ़ग़ानिस्तान में अंतरिम प्रशासन के गठन का प्रस्ताव रखा।
2002-मुस्लिम लीग (कायदे आजम) के नेता जफ़रउल्ला ख़ान जमाली पाकिस्तान के प्रधानमंत्री निर्वाचित।
2005-श्रीलंका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे ने पूर्व प्रधानमंत्री रत्नसिरी विक्रमनायके को देश का नया प्रधानमंत्री नियुक्त किया।

तैयारी *भारत में अमेरिका के राजदूत गार्सेटी बोले*

भारत में अमेरिकी वीजा जारी करने की गति तेज की जा रही

नई दिल्ली, 2 नवम्बर (एजेंसियां)। वाशिंगटन के राजदूत एरिक गार्सेटी ने सोमवार को बताया कि अमेरिका भारत में वीजा जारी करने की गति तेज कर रहा है। अधिक कर्मचारी हैदराबाद वाणिज्य दूतावास में शामिल हो रहे हैं। बेंगलुरु और अहमदाबाद में जल्द ही नए वाणिज्य दूतावास खुलेंगे। गार्सेटी ने कहा, कुछ और लोग पहले ही हैदराबाद वाणिज्य दूतावास में शामिल हो चुके हैं। हम शहर में कर्मचारियों की संख्या बढ़ा रहे हैं।

नए वाणिज्य दूतावास स्थापित करने के लिए बेंगलुरु और अहमदाबाद में परिसरों को लिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि रविवार को भारत-ऑस्ट्रेलिया विश्व कप क्रिकेट फाइनल देखने के लिए शहर की यात्रा के दौरान उन्होंने उस नए परिसर को देखा, जिसे अमेरिका अहमदाबाद में वाणिज्य दूतावास स्थापित करने के लिए ले रहा है। गार्सेटी ने कहा कि बैकलॉग को खत्म करने के लिए बढ़ाए गए अभियान के तहत हाल के हफ्तों में भारत में जारी किए जाने वाले

अमेरिकी वीजा की संख्या एक तिहाई बढ़ गई है। अमेरिकी राजदूत ने कहा कि छात्रों और पर्यटकों के लिए अमेरिकी वीजा के लिए प्रतीक्षा समय कम हो गया है और यह इस बात पर निर्भर करता है कि आवेदन किस कार्यालय में किया गया है, यह छह महीने से एक साल तक है।

हालांकि, अमेरिका का ध्यान भारतीय नागरिकों को वीजा जारी करने में तेजी लाने पर था। उन्होंने यह भी कहा कि देरी की समस्या बड़ी संख्या में आवेदकों के बढ़ने के कारण है, इसलिए सटीक समय अंतराल बताना मुश्किल है।

उन्होंने कहा कि यह समस्या ब्राजील और मैक्सिको जैसे अन्य बड़े देशों में भी है।

भारत को रणनीतिक साझेदार के रूप में देखता है अमेरिका

नई दिल्ली। अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी ने कहा कि अमेरिका भारत को न केवल एक रणनीतिक साझेदार के रूप में देखता है, बल्कि शांति स्थापित करने और तत्काल मुद्दों को हल करने में मदद करने के लिए वैश्विक रूप से प्रमुख मानता है। भारत-अमेरिका 2 प्लस 2 मंत्रिस्तरीय वार्ता और आगे की राह पर बोलते हुए गार्सेटी ने कहा कि दोनों देशों द्वारा बेचे जाने वाले और सह-विकसित किए जाने वाले हथियारों के अलावा उनकी सेनाओं के बीच करीबी परिचालन स्तर का सहयोग बढ़ते रक्षा संबंधों की दिशा में एक बड़ा कदम है।

दुनिया को जानें

ईरान ने हाइपरसोनिक मिसाइल का अनावरण किया

तेल अवीव, 20 नवम्बर (एजेंसियां)। ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने सोमवार को हाइपरसोनिक मिसाइल फतह-द्वितीय का अनावरण किया। ईरानी मीडिया के मुताबिक, ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनी ने आशूरा एयरोस्पेस साइंस एंड टेक्नोलॉजी यूनिवर्सिटी में फतह 11 का अनावरण किया। जून 2023 में ईरान ने फतह-द्वितीय का सफल परीक्षण किया था। उन्नत संस्करण में हाइपरसोनिक ग्लाइड व्हीकल (एचजीवी) शामिल है, जो हथियार को अधिकतम गति तक पहुंचने में मदद करता है। बताया गया है कि ये मैक 5-20 (6170- 24700 किलोमीटर प्रति घंटे) की गति तक पहुंच सकता है। ईरानी मीडिया ने यह भी बताया कि फतह-द्वितीय की क्षमता इजरायल और अमेरिका की उन्नत एंटी-बैलिस्टिक मिसाइलों से अधिक है। गाजा में हमास के साथ चल रहे युद्ध और वेस्ट बैंक में ईरान समर्थित हिजबुल्लाह के साथ झड़पों के बीच ईरान का नई मिसाइल पेश करना एक महत्वपूर्ण घटना है। इजरायल ने हमेशा ईरान को हमास और हिजबुल्लाह दोनों के समर्थन आधार के रूप में देखा है।

खेल जगत

अवार्ड्स के लिए नामित होने पर सविता ने कहा, यह टीम वर्क का नतीजा है

बेंगलुरु, 20 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय महिला हॉकी टीम की गोलकीपर सविता ने एफआईएच हॉकी स्टार्स अवार्ड्स में गोलकीपर ऑफ द ईयर श्रेणी में लगातार तीसरी बार चुने जाने पर कहा कि मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं लगातार दो बार यह पुरस्कार जीतूंगी। सविता, जिन्होंने 2021 और 2022 में एफआईएच पुरस्कार जीते थे। उन्होंने कहा कि उनकी उपलब्धि टीम वर्क का परिणाम है। सविता ने कहा, मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं लगातार दो वर्षों तक यह पुरस्कार जीतूंगा, और अब तीसरी बार इसके करीब हूं। मैं वास्तव में बहुत अच्छा महसूस कर रही हूं। यह मेरे, मेरे परिवार और मेरे साथियों के लिए भी गर्व का क्षण है। उन्होंने कहा, टीम खेल में कोई भी उपलब्धि व्यक्तिगत प्रयासों पर आधारित नहीं होती बल्कि टीम वर्क का परिणाम होती है। आपकी कड़ी मेहनत के लिए पहचाना जाना बहुत अच्छी बात है और यह पूरी टीम को प्रेरित करती है।

वर्ल्ड कप 2023 की आईसीसी टीम, विराट-रोहित समेत 6 भारतीय को मिली जगह

नई दिल्ली, 20 नवंबर (एजेंसियां)। आईसीसी ने वर्ल्ड कप 2023 की टीम ऑफ द टूर्नामेंट का ऐलान कर दिया है। इस टीम में दमदार प्रदर्शन करने वाले छह भारतीय खिलाड़ियों को जगह मिली है, जिसमें भारत के कप्तान रोहित शर्मा, करिश्माई बल्लेबाज विराट कोहली और मोहम्मद शमी का नाम भी शामिल है।

टूर्नामेंट में भारत उपविजेता रहा। अहमदाबाद में फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से छह विकेट की हार के साथ उसकी दस मैचों की अजेय जीत का सिलसिला समाप्त होने के बाद टीम के छह खिलाड़ियों ने टूर्नामेंट की टीम में जगह बनाई। जिसमें अग्रणी रन-स्कोरर और प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट कोहली के साथ-साथ सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले शमी भी शामिल हैं। 50 ओवर के विश्व कप में लगातार दूसरी बार टूर्नामेंट की टीम में जगह बनाने वाले रोहित शर्मा ने भारत के लिए शीर्ष क्रम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। चेन्नई में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शून्य पर आउट होने के बाद रोहित शर्मा अफगानिस्तान के खिलाफ प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए, जहां उन्होंने सिर्फ 84 गेंदों में 131 रनों की तूफानी पारी खेलकर अजेय रहे।

विराट कोहली टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। राहुल ने पूरे टूर्नामेंट में कई महत्वपूर्ण पारियां खेलीं, जैसे चेन्नई में नाबाद 97 रन और साथ ही बेंगलुरु में अपने घरेलू मैदान पर नीदरलैंड पर नियमित जीत में शतक। उन्होंने फाइनल में भारत के लिए सर्वाधिक 66 रन बनाए। लेकिन, इस बार अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाए।

जडेजा ने भी गेंद से प्रभावित किया। शमी को भारत की प्लेइंग-11 में देर से शामिल किया गया, लेकिन उसके बाद उन्होंने बड़ा प्रभाव छोड़ा। न्यूजीलैंड पर सेमीफाइनल में सात विकेट लेने की सफलता के बाद उन्होंने विश्व कप नॉकआउट खेल में किसी भी गेंदबाज का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दर्ज किया। न्यूजीलैंड (5/54) और श्रीलंका (5/18) के खिलाफ शानदार प्रदर्शन ने शमी को विकेट चार्ट में शीर्ष पर पहुंचाने में मदद की।

रोहित की तरह ही बुमराह को लगातार दूसरे विश्व कप में 20 विकेट लेने के बाद शामिल किया गया है। जो 2019 में उनके टैली से दो अधिक है।

नई गेंद से खतरा पैदा करने वाले बुमराह ने भारत के लिए ऑस्ट्रेलिया के मिशेल मार्श और स्टीवन स्मिथ के शुरुआती विकेट चटकाए। टूर्नामेंट की टीम में अन्य खिलाड़ियों में ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल और लेग स्पिनर एडम ज़म्पा शामिल हैं, जिन्होंने रविवार को ऑस्ट्रेलिया को छठा विश्व कप खिताब दिलाने में मदद की।

2023 वर्ल्ड कप की आईसीसी टीम

क्विंटन डिकॉक (विकेटकीपर), रोहित शर्मा (कप्तान), विराट कोहली, डेरिल मिशेल, केएल राहुल, ग्लेन मैक्सवेल, जसप्रीत बुमराह, दिलशान मदुशंका, एडम जम्पा, रवींद्र जडेजा, मोहम्मद शमी।

छठी बार वनडे वर्ल्ड कप जीतने पर ऑस्ट्रेलियाई टीम ने कहा, 'अविश्वसनीय' व 'अद्भुत अहसास'

अहमदाबाद, 19 नवंबर (एजेंसियां)। रविवार को ऑस्ट्रेलिया ने भारत को हराकर छठी बार वनडे वर्ल्ड कप का खिताब जीता। इस यादगार जीत को ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों ने %अविश्वसनीय% और अद्भुत अहसास बताया, जबकि तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड ने इसे 2015 में अपनी जीत से भी बड़ी उपलब्धि करार दिया। भारत के 240 रनों के जवाब में ट्रैविस हेड की शतकीय पारी के दम पर ऑस्ट्रेलिया ने वनडे क्रिकेट के इतिहास में छठी बार ट्रॉफी पर कब्जा जमाया।

इस जीत को ट्रैविस हेड ने एक शानदार दिन करार दिया। ऑस्ट्रेलिया ने अपने पहले दो मैच हारने के बाद वापसी करते हुए खिताब जीता है। ऑस्ट्रेलिया को जीत दिलाने में हेड का साथ देने वाले मार्नस लाबुशेन ने कहा कि यह अब तक की सबसे अच्छी उपलब्धि है जिसका वह हिस्सा रहे हैं।

ग्लेन मैक्सवेल, जिन्होंने दोहरा शतक बनाकर ऑस्ट्रेलिया को अफगानिस्तान के खिलाफ जीत दिलाई और सेमीफाइनल में जगह पक्की की। वो भी अपनी टीम की इस जीत से काफी खुश नजर आए। वहीं, तेज गेंदबाज हेजलवुड ने कहा कि यह जीत 2015 विश्व कप में उनकी जीत से भी बड़ी है। हेजलवुड ने कहा, मुझे लगता है कि यह (2015 विश्व कप जीत) से भी बड़ा है।

स्टीव स्मिथ ने इसे अविश्वसनीय प्रदर्शन बताया। उन्होंने कहा, यह अविश्वसनीय है और हां, यह शानदार प्रदर्शन था। गेंदबाजों ने माहौल तैयार किया और आज शाम क्षेत्ररक्षण बहुत अच्छा था। खेल को आगे बढ़ाया और अपनी ताकत के अनुसार खेलते रहे। यह हमारे लिए आदर्श शुरुआत नहीं थी, लेकिन हमें खुद पर विश्वास था।

ओ डॉनेल की भविष्यवाणी, ट्रैविस हेड हैं ऑस्ट्रेलिया के फ्यूचर कप्तान

नई दिल्ली, 20 नवंबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर साइमन ओ डॉनेल का मानना है कि भारत के खिलाफ विश्व कप 2023 फाइनल में 137 रन की शानदार पारी के बाद बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज ट्रैविस हेड एक दिन ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी करेंगे।

रविवार को नरेंद्र मोदी स्टेडियम में हेड ने 120 गेंदों में 137 रनों की शानदार पारी खेली, जिसमें 15 चौके और चार छक्के शामिल थे। खिताबी मुकाबले में उनकी इस पारी के दम पर ऑस्ट्रेलिया ने 43 ओवरों में 241 रनों का छोटा लक्ष्य चेज कर लिया।

हेड विश्व कप के इतिहास में सेमीफाइनल और फाइनल दोनों में प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार जीतने वाले चौथे क्रिकेटर बन गए। इससे पहले उन्होंने कोलकाता में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अंतिम चार मुकाबले में यह पुरस्कार जीता था। हेड ने इस साल जून में लंदन के ओवल में भारत के खिलाफ पहली पारी में 174 गेंदों में 163 रनों की तेज पारी खेलकर ऑस्ट्रेलिया को पहला विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप खिताब दिलाया था।

ओ डॉनेल ने एसईएन रेडियो से कहा, मुझे लगता है कि हम ट्रैविस हेड के रूप में अगले ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पर विचार कर रहे हैं। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान बनने के लिए शायद उन्हें उनमें से किसी एक प्रारूप को छोड़ना होगा। जिससे उनका वर्क लोड सही से मैनेज हो पाए।

फाइनल में अपने अर्धशतक पर क्या बोले लाबुशेन?

ऑस्ट्रेलियाई मध्यक्रम बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन ने कहा कि भारत के खिलाफ विश्व कप फाइनल में 241 रनों के सफल चेज के दौरान ट्रैविस हेड के साथ बल्लेबाजी करते समय उनकी मानसिकता ऐसी बल्लेबाजी करने की थी, जैसे कि यह एक टेस्ट मैच हो। सात ओवरों की समाप्ति पर ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 47/3 था। फिर, लाबुशेन ने हेड के साथ 192 रन की साझेदारी की। लाबुशेन ने 110 गेंदों में नाबाद 58 रन बनाए और अपनी टीम की जीत पक्क की। इस मैच जिताऊ पारी के बाद लाबुशेन ने कहा, जब मैं बल्लेबाजी के लिए इंतजार कर रहा था तो मैं काफी घबराया हुआ था। लेकिन, जब आप मैदान पर उतरते हैं, तो वास्तव में कुछ भी नहीं बदलता है। लाबुशेन ने कहा, आप गेंद को देख रहे होते हैं और आप बस जोन में आने की कोशिश करते हैं। मेरी मानसिकता यह थी कि आप इसे टेस्ट मैच की तरह लें। जब आप ट्रैविस हेड के साथ बल्लेबाजी कर रहे होते हैं, तो आमतौर पर रन-रेट का कोई दबाव नहीं होता है। जब आप 230 (241) जैसे कम स्कोर का पीछा कर रहे होते हैं, जब तक कि आप वास्तव में संघर्ष नहीं कर रहे हों, रन-रेट का ज्यादा दबाव नहीं होगा। यह सिर्फ अच्छा और सकारात्मक होने के बारे में था। एश्टन एगर के चोटिल होने के बाद लाबुशेन को अंतिम समय में विश्व कप टीम में शामिल किया गया और उन्होंने टूर्नामेंट के विभिन्न चरणों में महत्वपूर्ण योगदान दिया, जिसका परिणाम ऑस्ट्रेलिया के लिए छठा विश्व कप खिताब था।

रोहित, द्रविड़ ने महसूस की फाइनल में दिल तोड़ने वाली हार की टीस

- हमने अपनी ओर से हर मुमकिन कोशिश की : रोहित शर्मा
- हम हम वन डे विश्व कप के केवल फाइनल में अच्छा नहीं खेले
- पिच बिजली के दूधिया प्रकाश में बल्लेबाजी के लिए बेहतर हो गई थी

■ सत्येन्द्र पाल सिंह

नई दिल्ली, 20 नवंबर (देशबन्धु)। भारत का लगातार दस जीत के साथ फाइनल में पहुंच कर ऑस्ट्रेलिया से आईसीसी वन डे क्रिकेट विश्व कप 2023 के फाइनल में अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में छह विकेट से हार के साथ तीसरी बार यह खिताब जीतने के सपने के टूटने का दर्द यूं तो देश के सभी क्रिकेट प्रेमियों को है। लगातार दस भारत के बाद फाइनल में दिल तोडऩे वाली हार की सबसे ज्यादा टीस और दर्द टीम के कप्तान रोहित शर्मा और चीफ कोच राहुल द्रविड़ ने महसूस की। भारत की इस हार के बाद टीम के कप्तान रोहित शर्मा और चीफ कोच राहुल द्रविड़ की आंखों में आंसू थे।

ट्रेविज हेड के शतक और कप्तान पैट कमिंस की अगुआई में तेज गेंदबाजों की त्रिमूर्ति की रफ्तार और धार की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने भारत को हरा कुल बार आईसीसी वन डे क्रिकेट खिताब जीत कर भारतीय टीम और मेजबान देश के क्रिकेट प्रेमियों को ऐसा %दर्द' दिया जिसकी टीस वह भुलाना उनके लिए कतई आसान नहीं होगा। कप्तान रोहित शर्मा के पांच शतकों के बावजूद भारत 2019 के संस्करण के सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड से मात्र 18 रन से हार गया था। 2023 के संस्करण में खुद अनुकरणीय और दे दनादन अंदाज में बल्लेबाजी कर भारत को अजेय रहकर फाइनल में पहुंचाने के बाद आखिर बाधा पर लडख़ड़ा कर गिरने से और राहुल द्रविड़ का 2003 में बतौर उपकप्तान ऑस्ट्रेलिया से 125 रन से हारने के बाद इस बार उन्हें बतौर चीफ कोच उससे 2023 के फाइनल में हार से जीत के रेत की तरह मुट्ठी से फिसल जाने की कसक द्रविड़. और रोहित शर्मा से बेहतर शायद ही कौन अन्य समझ सकता। पुरानी कहावत है कामयाबी के लिए पुरुषार्थ के साथ थोड़ा सा भाग्य का भी सात जरूरी है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आईसीसी वन डे क्रिकेट विश्व कप जीतने के बेहद करीब पहुंचाने इससे चूकने पर भारतीय क्रिकेट टीम ने रविवार रात ठीक ऐसा ही दर्द और टीस महसूस की। रविवार रात भारत की वन डे विश्व कप फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के हाथों हार पर कप्तान रोहित शर्मा और चीफ कोच राहुल द्रविड़ की आखों से छलके आंसू और फाइनल सहित 11 मैचों में तीन शतकों और छह शतकों सहित कुल सबसे ज्यादा 765 रन बना मैन ऑफ द टूर्नामेंट रहे भारत के विराट कोहली का गमगीन चेहरा बहुत कुछ इन सभी के दिल के दर्द को बयां कर रहा था। भारत की फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के हाथों हार पर निराश कप्तान रोहित शर्मा ने कहा, %मेरी यह मानना है कि बिजली के दूधिया प्रकाश में पिच बल्लेबाजी के लिहाज से बेहतर हो गई। हम यह जानते थे कि पिच का मिजाज ऐसा रहेगा लेकिन हम इस हार के लिए कोई बहाना नहीं बनाना चाहते। मुझे अपनी भारतीय टीम पर गर्व है कि हमने पूरे वन डे विश्व कप में हमारी टीम छाई रही। हम बस फाइनल में अच्छा नहीं खेले और इसमें नतीजा हमारे पक्ष में नहीं रहा। हमने अपनी ओर से हर मुमकिन कोशिश की। मेरे कहने का मतलब यह है कि हमने यदि 20-30 रन और बनाए होते तो बेहतर होता। मेरा मानना है जब विराट और केएल राहुल बल्लेबाजी कर रहे थे तब हमने 25से 30 वें ओवर की बाबत बात की। हमारी निगाहें 270-280 रन का स्कोर बनाने पर लगी थी लेकिन बदकिस्मती से हम बराबर विकेट गंवाते चले गए। वहीं शुरू में तीन विकेट सस्ते में गंवाने के बाद ट्रेविज हेड और मरनस लबुशेन ऑस्ट्रेलिया के लिए बड़ीभागीदारी कर फाइनल हमें बाहर कर दिया।

वन डे क्रिकेट विश्व कप 2023 फाइनल में हम अपनी क्षमता के मुताबिक नहीं खेले : द्रविड़

भारत की ऑस्ट्रेलिया के हाथों रविवार को आईसीसी वन डे क्रिकेट विश्व कप फाइनल में छह विकेट से हार के बाद टीम के चीफ कोच राहुल द्रविड़ ने अपनी आंखों के आंसुओं को रोकने की पुरजोर कोशिश लेकिन वे बह निकले। द्रविड़ ने भारत की फाइनल में हार के बाद माना कि उनकी टीम एक बेहतर टीम से हारी। द्रविड़ से जब यह पूछा गया कि उनकी टीम सूखी पिच पर 240 रन पर क्यों सिमट तो उन्होंने कहा, %जब भी फाइनल में हमने पारी को संभाल उसे रफ्तार देने की कोशिश तो हमने विकेट गंवा दिया। इसीलिए हमारी पारी रफ्तार नहीं पकड़ सकी। मैं इस बात से इत्तफाक नहीं रखता कि हमारी टीम फाइनल में रविवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ डरी हुई थी। फाइनल में पहले पॉवरप्ले के बाद हमारा स्कोर दो विकेट पर 80 रन था। बदकिस्मती से चाहे वह एडिलेड में टी-20 विश्व कप का सेमीफाइनल हो, ओवल में वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल हो या फिर रविवार वन डे क्रिकेट विश्व कप 2023 का फाइनल हम अपनी क्षमता के मुताबिक नहीं खेले और खेल में ऐसा मुमकिन है।'

सार संक्षेप

डेविस कप 223 : जोकोविच, मरे, सिनर स्पेन में अंतिम-8 मुकाबले के लिए तैयार

मलागा (स्पेन)। रिकॉर्ड 24 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता और वर्तमान विश्व नंबर-1 नोवाक जोकोविच एक्शन में लौटेंगे क्योंकि उनका लक्ष्य सर्बिया को दूसरा डेविस कप खिताब दिलाना है। डेविस कप फाइनल इस सप्ताह स्पेन के मलागा में खेला जाएगा, जहां आठ टीमें प्रतिस्पर्धा करेंगी। टेनिस के विश्व कप के रूप में प्रसिद्ध, डेविस कप के 223 संस्करण के टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जोकोविच को एंडी मरे की अगुवाई वाली ग्रेट ब्रिटेन से कड़ी परीक्षा का सामना करना पड़ेगा, जो 21 नवंबर से खेला जाएगा। सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क ने सोमवार को बताया कि टूर्नामेंट रोमांचक होने वाला है। जिसमें मौजूदा चैंपियन कनाडा के साथ फिनलैंड, इटली, नीदरलैंड, चेकिया, ऑस्ट्रेलिया, सर्बिया और ग्रेट ब्रिटेन मलागा में अंतिम 8 में शामिल होंगे। जोकोविच और मरे के अलावा, जननिक सिनर भी अपने-अपने देशों के लिए टूर्नामेंट के महत्वपूर्ण चरण में शामिल होंगे। दिलचस्प बात यह है कि जोकोविच ने रविवार को निज्ञे एटीपी फाइनल्स में सिनर को हराया था। सर्बियाई दिग्गज, जो इस साल पहले ही तीन ग्रैंड स्लैम जीत चुके हैं, सीजन का अंत शानदार तरीके से करना चाहेंगे। इसके अलावा 223 टेनिस कैलेंडर अपने अंतिम पड़ाव पर है। डेविस कप के लिए दांव हमेशा की तरह ऊंचे हैं और प्रशंसक कोर्ट पर कुछ आकर्षक लड़ाइयों की उम्मीद कर सकते हैं।

शेन वॉटसन ने हेड और कमिंस की जमकर की तारीफ

नई दिल्ली। दो बार के विश्व कप विजेता शेन वॉटसन ने अहमदाबाद में मेजबान भारत पर ऑस्ट्रेलिया की विश्व कप फाइनल में यादगार जीत के बाद ट्रैविस हेड और पैट कमिंस की प्रशंसा की है। अहमदाबाद में खेले गए विश्व कप के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 6 विकेट से हराकर छठी बार ट्रॉफी पर अपना कब्जा जमाया। इस जीत में ऑस्ट्रेलिया के हीरो रहे ट्रैविस हेड, जिन्हें प्लेयर ऑफ द मैच से भी नवाजा गया है। हेड ने पहले रोहित शर्मा का शानदार कैच लपका और भारतीय टीम को बड़ा झटका दिया। फिर, शतकीय पारी खेलकर अपनी टीम की जीत पक्की की। ऑस्ट्रेलिया के छठे क्रिकेट विश्व कप खिताब के बाद आईसीसी रिव्यू पॉडकास्ट के नए एपिसोड में बोलते हुए वॉटसन ने शुरुआती बल्लेबाजों की निरंतर आक्रामकता की सराहना की। वॉटसन ने कहा, इसमें कोई संदेह नहीं है कि हेड एक शानदार बल्लेबाज हैं। वह खेल को आगे बढ़ाता है। एक बार जब वह अपनी लय हासिल कर लेता है, जैसा कि हमने लगभग 5 या 6 रनों के बाद देखा, तो उसे आउट करना काफी मुश्किल हो जाता है। टूर्नामेंट की शुरुआत में दो हार के बाद कमिंस सवालों के घेरे में आ गए। लेकिन वॉटसन ने कमिंस की कप्तानी और रणनीति को सलाम किया है।

भारत जीत का प्रबल दावेदार था, लेकिन ऑस्ट्रेलिया ने बाजी मारी : ब्रेट ली

नई दिल्ली, 20 नवंबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के महान तेज गेंदबाज ब्रेट ली का मानना है कि भारत निश्चित रूप से ट्रॉफी जीतने का प्रबल दावेदार था, लेकिन ऑस्ट्रेलिया की दृढ़ता ने उनसे जीत छीन ली। भारत टूर्नामेंट से पहले प्रबल दावेदार था और उसने प्रतियोगिता में परिचित परिस्थितियों में लगातार 10 मैच जीते।

लेकिन, अहमदाबाद में रविवार को फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से छह विकेट से हार के बाद उनका अजेय क्रम समाप्त हो गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम 240 रन पर सिमट गई। जिसे ऑस्ट्रेलिया ने ट्रैविस हेड की 120 गेंदों में 137 रनों की शानदार पारी की बदौलत 43 ओवर में हासिल कर लिया।

आंकड़ों को देखे तो मुकाबला भारत को जीतना था

ब्रेट ली ने फॉक्सस्पोर्ट्स.कॉम.एयू से कहा, यदि आप आंकड़ों पर नजर डालें और इस अभियान में क्या हुआ है, तो भारत को जीतना चाहिए था। भारत टूर्नामेंट में पसंदीदा था। लेकिन, कभी हार न मानने की पुरानी ऑस्ट्रेलियाई मानसिकता है और यह बड़े टूर्नामेंटों में बहुत काम आती है। फाइनल मुकाबले के दिन ऑस्ट्रेलियाई टीम ने एक बार फिर साबित कर दिया कि टीम के बीच उस दृढ़ता, समर्पण और आत्म-विश्वास के साथ आप वास्तव में कुछ भी कर सकते हैं।

लीग चरण में भारत और अफ्रीका से हारा था ऑस्ट्रेलिया

लीग चरण में भारत और दक्षिण अफ्रीका से हारने के बाद ऑस्ट्रेलिया के अभियान की शुरुआत खराब रही। लेकिन, उन्होंने श्रीलंका पर जीत के साथ वापसी की, जिससे विश्व कप खिताब जीतने के लिए लगातार नौ मैच जीतने का सिलसिला शुरू हुआ। 2003 विश्व कप विजेता टीम के सदस्य ली ने फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के शानदार प्रदर्शन का श्रेय कप्तान पैट कमिंस को दिया।

खराब फील्डिंग और बल्लेबाजी बनी भारत की दुश्मन

अहमदाबाद, 20 नवंबर (एजेंसियां)। भारत रविवार को नरेंद्र मोदी स्टेडियम में घरेलू मैदान पर दो पुरुष वनडे विश्व कप खिताब जीतने वाला एकमात्र देश बनने का सुनहरा मौका चूक गया। पूरा देश जिस जीत की उम्मीद कर रहा था, वो एक दर्दनाक हार में बदल गई। भारतीय खिलाड़ियों के आंखों में जो आंसू खुशी के देखने थे, वो गम के दिखे क्योंकि कंगारूओं ने फाइनल मुकाबले में बाजी मारी और भारत का ट्रॉफी जीतने का सपना तोड़ दिया।

ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे सफल खिलाड़ी ट्रैविस हेड (137) रहे, जिन्होंने अपनी शतकीय पारी के दम पर भारत की हार की कहानी लिखी। उनकी शानदार बल्लेबाजी ने भारतीय गेंदबाजों को खूब छकाया। इस मुकाबले में चाहे बल्लेबाजी हो, गेंदबाजी हो या क्षेत्ररक्षण ऑस्ट्रेलिया पूरी तरह से रोहित एंड कंपनी पर हावी थी। वहीं, भारतीय टीम पिछड़ती नजर आई।

बहुत धीमी और मुश्किल पिच पर पहले बल्लेबाजी करने से भारत पहले ही बैकफुट पर आ गया था। बड़ी मुश्किल से भारत ने 240 का लक्ष्य सेट किया। मगर, ऑस्ट्रेलियाई टीम ने शुरुआती झटके लगने के बावजूद इसे आसानी से हासिल किया। भारत, जिसने लगातार दस जीत के साथ विश्व कप में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया था। ऐसा लग रहा था कि वह पूरी तरह तैयार था। कोच द्रविड़ ने स्वीकार किया कि टीम मजबूत स्कोर से 30-40 रन पीछे रह गई।

[अर्थ जगत]

सर्वाधिक बढने वाले शेयर	
भारती एयरटेल	1.48 प्रतिशत
एचसीएल टेक	1.18 प्रतिशत
विप्रो	1.16 प्रतिशत
टेक महिन्द्र	0.61 प्रतिशत
टीसीएस	0.48 प्रतिशत

सर्वाधिक घटने वाले शेयर	
बजाज फाइनेंस	2.11 प्रतिशत
एम एंड एम	1.91 प्रतिशत
अल्ट्रा टेक	1.37 प्रतिशत
बजाज फिनसर्व	1.05 प्रतिशत
टाटा मोटर्स	1.02 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	47,310
बिटुर	47,320
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	31,400
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	70,096
वायदा	70,183
चांदी सिक्का लिवाली	870
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	67.77	78.57
पौड स्टर्लिंग	90.94	105.45
यूरो	76.54	88.78
चीन युआन	08.24	13.38

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दडा	2500-2600
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

चावल

चीनी एस	3640-3740
चीनी एम	3800-3900
मिल डिलीवरी	3520-3620
गुड़	4300-4400

दाल-दलहन

चना	6450-6550
दाल चना	7450-7550
मसूर काली	7800-7900
उड़द दाल	10600-10700
मूंग दाल	9900-10000
अरहर दाल	10400-10500

पेट्रोल और डीजल की कीमतें यथावत

नई दिल्ली, 20 नवम्बर (एजेंसियां) अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी लौटने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम आज यथावत रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए प्रति लीटर तथा डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए प्रति लीटर पर और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर पर रहा।

नवंबर में अब तक क्रिप्टो में 173 मिलियन डॉलर का नुकसान

■ साइबर अपराधियों द्वारा पोलोनिक्स के हॉट वॉलेट खत्म कर दिए जाने के बाद हैकरों ने पोलोनिक्स से 114 मिलियन डॉलर से अधिक की चोरी कर ली

नई दिल्ली, 20 नवम्बर (एजेंसियां)। नवम्बर महीने में अब तक क्रिप्टोकरेंसी में 173 मिलियन डॉलर का नुकसान हुआ है, जिसमें दो घटनाओं से 91 फीसदी नुकसान हुआ है।

ब्लॉकचेन और स्मार्ट कॉन्ट्रैक्ट सुरक्षा कंपनी सर्टिक के अनुसार, नवम्बर ने पहले ही 2023 में चौथा सबसे बड़ा मासिक घाटा दर्ज किया है। यह उछाल क्रिप्टोक्यूरेंसी एक्सचेंज पोलोनीक्स की हालिया हैक से प्रेरित था। साइबर अपराधियों द्वारा पोलोनिक्स के हॉट वॉलेट खत्म कर दिए जाने के बाद हैकरों ने पोलोनिक्स से 114 मिलियन डॉलर से अधिक की चोरी कर ली है। अरखाम डेटा से पता चला है कि एक एथेरियम वॉलेट, जिसे अब 'पोलोनिक्स हैकर' के रूप में टैग किया गया है, ने 357 लेनदेन में पोलोनिक्स से कुल 114 मिलियन डॉलर मूल्य के टोकन भेजे। सर्टिक अलर्ट ने एक्स पर पोस्ट किया, 'नवंबर में घाटा अब तक 173 मिलियन डॉलर तक पहुंच गया है, जिसमें दो घटनाएं 91 फीसदी नुकसान का हिस्सा हैं।' इसमें कहा गया है, 'नवंबर में पहले से ही इस साल किसी भी महीने का चौथा सबसे अधिक घाटा है।' सुरक्षा फर्म ने यह भी बताया कि फिशिंग स्कीम के चलते लगभग 27 मिलियन डॉलर का नुकसान हुआ। इस बीच, क्रॉस-चेन क्राइम के जरिए क्रिप्टोकरेंसी में 7 बिलियन डॉलर से ज्यादा की अवैध रूप से हेराफेरी की गई है, जिसमें उत्तर कोरिया के लाजर समूह को जुलाई 2022 और इस साल जुलाई के बीच लगभग 900 मिलियन डॉलर की चोरी से जोड़ा गया है। ब्लॉकचेन एनालिटिक्स फर्म एलिप्टिक के अनुसार, विकेंद्रीकृत एक्सचेंज (डीईएक्स), क्रॉस-चेन ब्रिज और सिक्का स्वैप सर्विसेज ने 7 बिलियन डॉलर के अवैध फंड को प्रोसेस्ड किया है।

कुछ महीनों तक काफी धीमी हो सकती है ऐप-आधारित ऋण सेवा

नई दिल्ली, 20 नवम्बर (एजेंसियां)। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज की एक रिपोर्ट के अनुसार ऐप-आधारित ऋण सेवा में नए प्लेयर्स के आने से इसमें अब कम से कम कुछ महीनों के लिए बहुत धीमी वृद्धि देखी जा सकती है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के आंकड़ों से पता चलता है कि व्यक्तिगत ऋण और क्रेडिट कार्ड खंड ने पिछले दो वर्षों में 22 प्रतिशत की सीएजीआर दर्ज की है। आरबीआई यह जांचने के लिए ऋणदाताओं पर बारीकी से नजर रखता है कि क्या किसी विशेष खंड में वृद्धि अधिक हो रही है। सावधानी के तौर पर, यदि आरबीआई को चिंता महसूस होती है तो वह ऋणदाताओं को विकास को धीमा करने के लिए सूचित करता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ध्यान देने योग्य बात यह है कि आरबीआई ने आवास ऋण और वाहन वित्त में उच्च वृद्धि के बारे में चेतावनी नहीं दी है क्योंकि इन ऋणों के लिए आनुषंगिक (कोलैटरल) बेहतर प्रतीत होता है, जबकि उपभोक्ता ऋण के लिए आनुषंगिक (कोलैटरल) कमजोर होता है।

आगे कहा गया, 'परिणामस्वरूप उपभोक्ता क्षेत्रों में चूक से ऋणदाताओं की लाभप्रदता में बाधा आ सकती है। इस कदम का उद्देश्य पूरे क्षेत्र में हाल ही में देखी गई तेजी से वृद्धि को रोकना है। इस कार्रवाई से एनबीएफसी और डिजिटल फिनटेक ऋणदाता काफी प्रभावित होंगे क्योंकि उनके पास विविधीकृत बैलेंस शीट नहीं है।' एनबीएफसी ग्राहकों पर लागत का बोझ डालने में सक्षम नहीं हो सकती हैं, जिससे निकट अवधि में मार्जिन पर कुछ दबाव पड़ सकता है।

दुनिया में सबसे ज्यादा प्रॉब्लम सॉल्वर भारत में

■ कर्मचारियों के साथ भारत एआई अपनाने के मामले में सबसे आगे खड़ा

■ यूगॉव सर्वे नौ बाजारों में 15,000 डेस्क कर्मचारियों पर किया गया, जिनमें 2000 कर्मचारी भारत से थे

■ इस अध्ययन में सामने आया कि भारत में सबसे ज्यादा आम कार्यबल प्रॉब्लम सॉल्वरों का है

नई दिल्ली, 20 नवम्बर (एजेंसियां)। कार्यस्थल पर अलग-अलग तरह के कर्मचारियों के साथ भारत एआई अपनाने के मामले में सबसे आगे खड़ा है, जिसे सबसे ज्यादा प्रॉब्लम सॉल्वर और एक्सप्रेशनिस्ट अपना रहे हैं। प्रॉब्लम सॉल्वर और एक्सप्रेशनिस्ट भारत में एआई एडॉप्शन का नेतृत्व कर रहे हैं। वर्कप्लेस प्रोडक्टिविटी प्लेटफॉर्म स्लैक ने आज अपनी नई ग्लोबल रिसर्च के परिणाम जारी किए, जिसमें भारत में कार्यस्थल पर काम करने वाले लोगों और टेक्नॉलॉजी एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को अपनाने पर उनके प्रभाव का अध्ययन किया गया है। यह यूगॉव सर्वे नौ बाजारों में 15,000 डेस्क कर्मचारियों पर किया गया, जिनमें 2000 कर्मचारी भारत से थे। इसमें भारतीय डेस्क कर्मचारियों की पसंद और व्यवहार के बारे में अद्वितीय जानकारी सामने आई।

इस अध्ययन में सामने आया कि भारत में सबसे ज्यादा आम कार्यबल प्रॉब्लम सॉल्वरों का है, जिसमें 23 प्रतिशत कार्यबल शामिल है। प्रॉब्लम सॉल्वर टेक और ऑटोमेशन में निपुणता रखते हैं, और एआई एवं कार्य की प्रक्रियाओं को स्ट्रीमलाईन करने के लिए अत्यधिक उत्साहित हैं। उनमें से 92 प्रतिशत अरली टेक एडॉप्टर हैं, और 77 प्रतिशत एआई की ओर उत्सुक हैं। अपने काम में एआई का उपयोग करने के लिए प्रॉब्लम सॉल्वर का उत्साह स्पष्ट दिखाई देता है। उनमें से 43 प्रतिशत प्रोडक्टिविटी बढ़ाने के लिए एआई का उपयोग करना चाहते हैं। अध्ययन में सामने आया कि ये लोग 54 प्रतिशत हैं, जो भारत में एआई के सबसे ज्यादा उपयोग में अपना योगदान देते हुए एक्सटर्नल टेक प्रशिक्षण चाहते हैं, इसके बाद 34 प्रतिशत के साथ सिंगापुर का स्थान है।

एक्सप्रेशनिस्ट के पास एक मजबूत विज़्युअल कम्युनिकेशन स्टाईल होता है, जो भारत के कार्यबल में 21 प्रतिशत हैं। वो एमोजी, जीआईएफ और मेमेज़ द्वारा कार्यस्थल के संवाद को कम औपचारिक और ज्यादा दिलचस्प बनाते हैं। विश्व में 72 प्रतिशत एक्सप्रेशनिस्ट संचार बढ़ाने के लिए इन विज़्युअल टूल्स का उपयोग करते हैं, जबकि ऐसे डेस्क कर्मियों की संख्या 29 प्रतिशत है। उनका मानना है कि कार्यस्थल का संचार मनोरंजक और दिलचस्प होना चाहिए, और वर्चुअल कनेक्शन स्थापित करने और अपेक्षा के अनुरूप संदेश पहुँचाने के लिए इन विज़्युअल एलिमेंट्स का उपयोग होना चाहिए। एक्सप्रेशनिस्ट का वर्चस्व दक्षिण कोरिया (15 प्रतिशत) और सिंगापुर (12 प्रतिशत) में भी है।

दूसरी तरफ, भारत में डिटेक्टिव कम हैं। ये तफ्तीश करने वाले लोग अपनी जिज्ञासा और जानकारी साझा करने की प्रवृत्ति के लिए जाने जाते हैं। डिटेक्टिव्स सुव्यवस्थित होते हैं, और 93 प्रतिशत स्वतंत्र रूप से समस्या को हल करना पसंद करते हैं। यद्यपि फ्रांस (38 प्रतिशत), ब्रिटेन (34 प्रतिशत), अमेरिका (33 प्रतिशत), और जर्मनी (33 प्रतिशत) में डिटेक्टिव्स की संख्या ज्यादा है, लेकिन भारत में ये केवल 16 प्रतिशत हैं। अध्ययन में सामने आया कि इसका कारण भारत में तुलनात्मक रूप से ज्यादा युवा कार्यबल है, क्योंकि डिटेक्टिव ज्यादा उम्र के कार्यबल में अधिक होते हैं। रोड वॉरियर्स, जो लचीलेपन और दूरस्थ संपर्कों के साथ काम करते हैं, वो जापान (28 प्रतिशत) और सिंगापुर (26 प्रतिशत) में ज्यादा हैं। भारत के कार्यबल में उनकी संख्या केवल 18 प्रतिशत है।

शेयर बाजार फिसला

मुंबई, 20 नवम्बर (एजेंसियां)। वैश्विक स्तर के कमजोर संकेतों के साथ ही घरेलू स्तर पर ऑटो, रियलटी, यूटिलिटी और कमोडिटी जैसे समूहों में हुई बिकवाली के कारण आज शेयर बाजार गिरावट में रहा। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 139.58 अंक टूटकर 65665.15 अंक पर और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 37.80 अंक लुढ़ककर 19694 अंक पर रहा। बीएसई में छोटी और मझौली कंपनियों में भी बिकवाली देखी गयी जिससे मिडकैप 0.06 प्रतिशत टूटकर 33361.52 अंक पर और स्मॉलकैप 0.39 प्रतिशत फिसलकर 39751.33 अंक पर रहा। बीएसई के अधिकांश समूह गिरावट में रहे जिसमें ऑटो 0.69 प्रतिशत, कमोडिटी 0.66 प्रतिशत, कैपिटल गुड्स 0.43 प्रतिशत, रियलटी 0.33 प्रतिशत और यूटिलिटी 0.44 प्रतिशत प्रमुखता से शामिल है। बढ़त में रहने वालों में आईटी 0.64 प्रतिशत, टेक 0.52 प्रतिशत, टेलीकम्युनिकेशंस 0.44 प्रतिशत, हेल्थकेयर 0.31 प्रतिशत और एनर्जी 0.02 प्रतिशत प्रमुखता से शामिल है।

बीएसई में कुल 3980 कंपनियों में कारोबार हुआ जिसमें से 1997 गिरावट में और 1840 बढ़त में रहा जबकि 143 में कोई बदलाव नहीं हुआ। वैश्विक स्तर पर जर्मनी का डैक्स 0.26 प्रतिशत, जापान का निक्केई 0.59 प्रतिशत और ब्रिटेन का एफटीएसई 0.16 प्रतिशत की गिरावट में रहा जबकि हांगकांग 1.86 प्रतिशत और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.46 प्रतिशत की बढ़त में रहा।

बीएसई का सेंसेक्स सात अंकों की मामूली गिरावट के साथ 65787.51 अंक पर खुला। सत्र के दौरान यह 65844.01 अंक के उच्चतम स्तर तक चढ़ा लेकिन बिकवाली के दबाव में यह 66547.80 अंक तक उतरा। अंत में यह पिछले दिवस के 65974.73 अंक की तुलना में 0.21 प्रतिशत अर्थात 139.58 अंक गिरकर 65655.15 अंक पर रहा। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में से 19 लाल निशान में और 11 हरे निशान में रही।

एनएसई का निफ्टी लगभग सपाट 19731.15 अंक पर खुला। सत्र के दौरान यह 19756.45 अंक के उच्चतम और 19670.50 अंक के निचले स्तर के बीच रहा। पिछले दिवस के 19731.80 अंक की तुलना में 37.80 अंक अर्थात 0.19 प्रतिशत की गिरावट लेकर 19694 अंक पर रहा। निफ्टी में शामिल 50 कंपनियों में से 27 को नुकसान हुआ जबकि 21 को लाभ हुआ और दो में कोई बदलाव नहीं हुआ।

बीएसई सेंसेक्स 20 नवंबर 2023

अधिकतम गिरावट

खुला 65,787.51

बंद 65,655.15

पिछला बंद 65,794.73

बदलाव: -139.58 (0.21%)

	अंतिम भाव ₹ में	% बदलाव
बजाज फाइनेंस	7,067.30	-2.11
एम एंड एम	1,553.85	-1.91
अल्ट्रा टेक	8,672.85	-1.37
बजाज फिनसर्व	1,598.35	-1.05
टाटा मोटर्स	674.05	-1.02
हिंद यूनिलीवर	2,505.75	-0.94
एशियन पेंट्स	3,139.60	-0.88
जेएसडब्ल्यू स्टील	762.70	-0.76
एल एंड टी	3,088.15	-0.70
एक्सिस बैंक	988.55	-0.60

KBK Infographics

आयशर ने लांच की हेवी-ड्यूटी ट्रकों की नॉन-स्टॉप सीरीज

नई दिल्ली, 20 नवम्बर (एजेंसियां)। वीई कमर्शियल व्हीकल्स लिमिटेड की बिजनेस यूनिट आयशर ट्रक्स एंड बसेस ने आज आयशर नॉन-स्टॉप सीरीज के लॉन्च की घोषणा की, जो हैवी ड्यूटी वाले ट्रकों की एक नई सीरीज है जिसे देश में तेजी से बदलती लंबी दूरी के ट्रांसपोर्टेशन के लिए डिज़ाइन किया गया है। चार नए हेवी-ड्यूटी ट्रकों वाली नॉन-स्टॉप सीरिज पॉवरफुल और फ्यूल एफिशिएंट इंजनों से लैस है और फ्लिट ओनर्स को बेहतर परफॉर्मेंस और बेहतर अपटाइम प्रदान करने के लिए एक कनेक्टेड सर्विस इकोसिस्टम द्वारा सपोर्टेट है। आयशर प्रो 6019 एक्सपीटी , टिपर; आयशर प्रो 6048एक्सपी, हॉलेज ट्रक; आयशर प्रो 6055एक्सपी और आयशर प्रो 6055एक्सपी 4गुना2, ट्रैक्टर-ट्रक, आयशर के भारी, मध्यम और हल्के ड्यूटी ट्रकों और बसों की एक्सटेंसिव लाइन-अप के कॉम्प्लीमेंट करता हैं। वीईसीवी के एमडी और सीईओ विनोद अग्रवाल ने कहा, 'हमें एचडी ट्रकों की नॉन-स्टॉप रेंज पेश करने में बहुत गर्व है जो इंडस्ट्री में स्टैंण्डर्ड स्थापित करेगा, जो न केवल हमारे कस्टमरों की सफलता के लिए हमारे डेडिकेशन का रिप्रजेंट करेगा बल्कि हमारे देश में लॉजिस्टिक्स की एफिशियंसी और कॉस्ट में सुधार की दिशा में भी। हमारे इंडस्ट्री के लीडिंग अपटाइम सेंटर और माय आयशर ऐप द्वारा सपोर्टेड, यह नई रेंज आयशर कस्टमरों के लिए अधिक प्रोडक्टिविटी और प्रोफीबिलटी प्रदान करेगी।

वीईसीवी के एचडी ट्रक बिजनेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष गगनदीप सिंह गंधोक ने कहा , आयशर अपने ग्राहकों को एक मजबूत हेवी-ड्यूटी पोर्टफोलियो प्रदान करता है, जो एक कनेक्टेड सर्विस इकोसिस्टम द्वारा सपोर्टेड है जिसके परिणामस्वरूप प्रोडक्टिविटी और प्रॉफिबिलटी में वृद्धि होती है।

सार संक्षेप

एडब्लूएस पर जनरेटिव एआई-पॉवर्ड चैटबॉट और वॉयसबॉट सॉल्यूशंस

नई दिल्ली। अमेज़न डॉटकॉम कंपनी अमेज़न वेब सर्विसेज़ (एडब्लूएस) ने कन्वर्सेशनल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) कंपनी यलोडॉटएआई ने अपने जनरेटिव एआई-पॉवर्ड वॉयसबॉट और चैटबॉट सॉल्यूशंस के लिए एडब्लूएस को अपना क्लाउड प्रदाता बनाया है। कंपनी ने आज यहां कहा कि ये डायनामिक एआई एजेंट ग्राहकों से लक्ष्य पर केंद्रित बात करके उनका अनुभव बेहतर बनाएंगे और उनकी जरूरतों को समझकर उन्हें व्यक्तिगत समाधान प्रदान करेंगे। कंपनी के कस्टमर सर्विस डायनामिक एआई एजेंट 135 से ज्यादा भाषाओं में 35 से अधिक टेक्स्ट एवं वॉयस-आधारित चैनलों द्वारा उच्च गुणवत्ता की सपोर्ट सेवाएं प्रदान करने के लिए लार्ज लैंग्वेज मॉडल (एलएलएम) का उपयोग करते हैं। यलोडॉटएआई ने पूरे विश्व में अपने व्यवसाय का विस्तार करने के लिए अपना समाधान एडब्लूएस मार्केटप्लेस में उपलब्ध कराया है, जो स्वतंत्र सॉफ्टवेयर विक्रेताओं की ओर से हजारों सॉफ्टवेयर लिस्टिंग का एक डिजिटल कैटालॉग है, जिसके द्वारा एडब्लूएस पर चलने वाले सॉफ्टवेयर ढूंढना, उनका परीक्षण करना, उन्हें खरीदना और फिर स्थापित करना आसान हो जाता है।

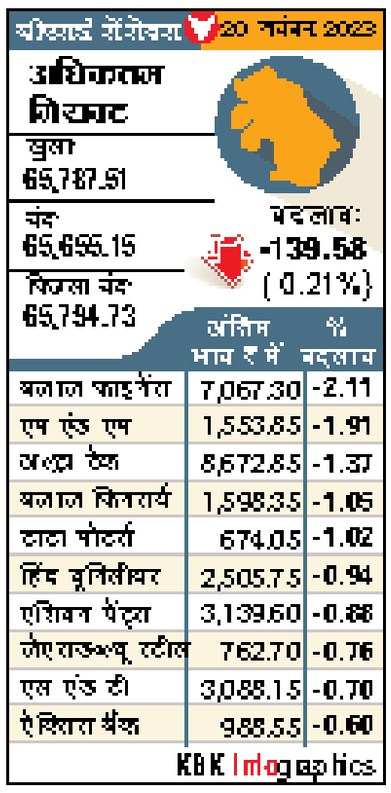

सुगम्य शौचालयों पर 1554 स्थानीय प्लंबर और राजमिस्त्री प्रशिक्षित

नई दिल्ली। सुगम्य पारिवारिक शौचालय परियोजना के तहत सुगम्य शौचालयों पर 1554 से अधिक स्थानीय प्लंबर और राजमिस्त्री को प्रशिक्षित किया गया है। विश्व शौचालय दिवस के अवसर पर एक्सेसिबिलिटी/सुगम्यता संगठन स्वयं, एवं सहयोगी एजेंसी फाउंडेशन फॉर एक्सेसिबल एक्वानिर एंड सेनिटेशन के साथ मिल कर सुगम्य पारिवारिक शौचालय परियोजना के प्रमुख निष्कर्षों को जारी किया है। प्रारंभिक मूल्यांकन सर्वे से पता चला कि कम गतिशीलता वाले 76 प्रतिशत से अधिक व्यक्तियों को सुगम्यता,स्वच्छता जैसी सुविधाओं तक पहुंचने के लिए बहुत ही संघर्ष करना पड़ता है। स्वयं ने 219 में इस परियोजना की शुरुआत की और 4 वर्षों में, 24,5 से अधिक स्वयं सहायता समूह (एसएचजी), संयुक्त दायित्व समूह (जेएलजी), और समुदाय-आधारित संगठनों (सीबीओ) को संवेदनशील बनाया गया है, जिसके परिणामस्वरूप 1.5 करोड़ व्यक्तियों तक पहुंचने में मदद मिली है सुगम्य शौचालयों पर 1554 से अधिक स्थानीय प्लंबर और राजमिस्त्री को प्रशिक्षित किया है। आशा और प्रगति की एक किरण के रूप में उभरते हुए, इस परियोजना के तहत स्वयं के संवेदीकरण और प्रशिक्षण कार्यक्रमों ने ग्रामीण भारत को सुगम्य सड़कों के निर्माण के द्वारा भविष्य के लिए तैयार होने में मदद की है। हालांकि शौचालय को एक बुनियादी आवश्यकता के रूप में मान्यता दी गई है, फिर भी वरिष्ठ नागरिक, दिव्यंगजन , गर्भवती महिलाए, बच्चों आदि सहित कम गतिशील लोगों की एक बड़ी संख्या इस सुविधा से वंचित है।

दाल दलहन और मीठे के बाजार में उबाल

नई दिल्ली, 20 नवम्बर (एजेंसियां)। विदेशी बाजारों के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर आवक कम रहने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में दाल दलहन के साथ ही मीठे के बाजार में तेजी रही जबकि खाद्य तेलों में टिकाव रहा।

तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में दिसंबर का पाम ऑयल वायदा 64 रिंगिट गिरकर 3805 रिंगिट प्रति टन रह गया। वहीं, दिसंबर का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.31 सेंट की बढ़त के साथ 51.98 सेंट प्रति पौंड बोला गया।

इस दौरान घरेलू बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा। सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में तेजी रही। इस दौरान चीनी और गुड़ में 100-100 रुपये प्रति क्विंटल की तेजी रही।

दाल-दलहन : दाल-दलहन बाजार में तेजी रही। इस दौरान चना और दाल चना 150 -150 रुपए प्रति क्विंटल, मसूर दाल 150 रुपए प्रति क्विंटल, उड़द दाल और अरहर दाल 500 रुपए प्रति क्विंटल उबल गयी जबकि मूंग दाल में टिकाव रहा।

अनाज : अनाज मंडी में भाव स्थिर रहे। इस दौरान गेहूं और चावल के दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ।

आगरा-लखनऊ, पूर्वांचल, बुंदेलखंड, गोरखपुर लिंक एवं गंगा एक्सप्रेस-वे के किनारे लगेंगे उद्योग

लखनऊ, 20 नवम्बर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवेज इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी (यूपीडा) ने औद्योगिक केंद्रों के लिए स्थलों को चिन्हित कर लिया है। योजना के अनुसार यूपीडा प्रदेश में पांच एक्सप्रेसवेज के किनारे औद्योगिक केंद्रों की स्थापना करेगा।

इनमें आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे, पूर्वांचल एक्सप्रेसवे, बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे, गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे एवं गंगा एक्सप्रेसवे शामिल हैं। इस पर योगी सरकार अनुमानित सात हजार करोड़ से ज्यादा की राशि खर्च करेगी। प्रदेश के कुल 12 जनपदों को जोड़ने वाले गंगा एक्सप्रेसवे पर 11 स्थलों को औद्योगिक गलियारे के लिए चुना गया है, जिसका कुल क्षेत्रफल 1522 हेक्टेयर है। इस पर करीब 2300 करोड़ के अनुमानित व्यय का अनुमान है। इसी तरह, 7 जनपदों को जोड़ने वाले बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे के किनारे 6 स्थलों को चिन्हित किया गया है। इसका प्रस्तावित क्षेत्रफल 1884 हेक्टेयर है, जिस पर 1500 करोड़ से ज्यादा व्यय का अनुमान है। इसी तरह, आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे से जुड़े 10 जनपदों में 5 स्थलों का चयन किया गया है। इसका कुल क्षेत्रफल 532 हेक्टेयर है, जिसके विकास पर करीब 650 करोड़ का व्यय अनुमानित है। वहीं, 9 जनपदों को जोड़ने वाले पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर औद्योगिक गलियारे के लिए 5 स्थानों को चिन्हित किया गया है, जिसका प्रस्तावित क्षेत्रफल 1,586 हेक्टेयर है और अनुमानित व्यय 2300 करोड़ होने की संभावना है। पांचवां और अंतिम एक्सप्रेसवे गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे है। इसके 4 जनपदों में 2 स्थानों को औद्योगिक केंद्रों के लिए चुना गया है, जिसका कुल क्षेत्रफल 345 हेक्टेयर होगा और अनुमानित व्यय 320 करोड़ होने की संभावना है।

कुल मिलाकर इन पांचों एक्सप्रेसवेज पर 30 स्थलों को चिन्हित किया गया है, जिसका कुल क्षेत्रफल 5,800 हेक्टेयर से ज्यादा है। यूपीडा की ओर से चिन्हित सभी 30 स्थलों से जुड़े 108 ग्रामों को प्रदेश सरकार की ओर से अधिसूचित किया जा चुका है। वहीं, भूमि क्रय के लिए संबंधित 6 जिलाधिकारियों को 200 करोड़ रुपए भी जारी किए जा चुके हैं। साथ ही भूमि क्रय के लिए बुंदेलखंड औद्योगिक प्राधिकरण की तर्ज पर 1,500 करोड़ रुपए अवमुक्त किए जाने का आदेश भी निर्गत किया जा चुका है। जनपद स्तर पर भूमि क्रय के लिए दरों का निर्धारण फिलहाल प्रक्रिया में है।

एनएसयूआई के प्रदेश सचिव की दबंगई

कार से जिला शहर युवा कांग्रेस महासचिव के ऊपर गाड़ी चढ़ाकर किया जानलेवा हमला

जिला महासचिव सहित दो को आई गंभीर चोट

इलाज के लिए अपोलो में भर्ती

घटना का सीसीटीवी वीडियो आया सामने

बिलासपुर, 20 नवंबर (देशबन्धु)। रविवार की देर रात बिलासपुर शहर से एक बड़ी घटना सामने आई ।जहा पर हिट एंड रन के तहत एनएसयूआई के प्रदेश सचिव ने अपनी दबंगई गुंडागर्दी दिखाते हुए, कार में सवार होकर जानलेवा हमला कर जान से मारने के उद्देश्य से घटना को अंजाम दिया ।इस घटना में दो लोग घायल हुए ।जबकि उस वक्त और भी लोग वहा पर मौजूद थे जो इस बाल बाल बच गए ।इस घटना में एक हालत नाजुक बताई जा रही है ।जिसे उपचार हेतु अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया है वही दूसरा जो घायल हुआ उसमे पैर में चोट आई है ।इस मामले में पुलिस ने अपराध दर्ज कर आरोपियों की पतासाजी में जुट गई है।

बताया जाता है कि रविवार की रात गोंडपारा निवासी सिद्धू नामदेव अपने दोस्त के साथ मोहल्ले के किराना दुकान में समान लेने के लिए गया था ।उसी बीच अभिजीत श्रीवास्तव से किसी बात पर वाद विवाद हो गया ।जहा पर दोनो के बीच में धक्का मुक्की और हाथापाई भी हुई ।इसी बीच सिद्धू नामदेव के और दोस्त भी वहा पहुंच कर मामले को शांत कराया।

जिसके बाद अभिजीत श्रीवास्तव अपने भाई अमीन श्रीवास्तव को फोन करके घटना की जानकारी दिया। जिसके बाद एनएसयूआई के प्रदेश सचिव अमीन श्रीवास्तव आई टेन सफेद कलर की अपनी कार में कुछ लोगो को बैठा कर अपने घर से बहुत ही तेज रफ्तार से कार को चलाते हुए वाद विवाद वाले घटना स्थल की तरफ आया और सड़क में चल रहे मंजीत सोनी और सिद्धू नामदेव और अन्य साथियों के ऊपर गाड़ी चढ़ाकर कर फरार हो गया।

इस घटना के बाद युवा कांग्रेस शहर जिला महासचिव मंजीत सोनी कार की चपेट में आने से हवा में उछल गया और दूर जाकर सड़क में जा गिरा ।जिससे उसके सिर और शरीर के कई हिस्सों में चोट आई ।वही इस घटना में एक और युवक को अपनी कार की चपेट में लेते हुए उसे भी घायल कर दिया।

जब यह घटना हुई उस वक्त सड़क में और भी युवक इनके साथ चल रहे थे ।जो कार की तेज रफ्तार को देख कर सड़क किनारे हो गए थे ।यदि समय रहते ये युवक भी किनारे नही होते तो इनको भी वह अपनी चपेट में ले लेता ।इस घटना के सामने आने के बाद पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया था ।वही तत्काल घायलों को उपचार हेतु सिम्स अस्पताल ले जाया गया ।जहा से मंजीत सोनी की हालत को देखते हुए तत्काल उसे अपोलो अस्पताल रिफर कर दिया गया ।जबकि घायल दूसरे साथी के पैर में चोट होने पर उसे वही सिम्स में इलाज के भर्ती कर लिया गया ।इस मामले में थाना सिटी कोतवाली पुलिस ने अमीन श्रीवास्तव उसके भाई आमान श्रीवास्तव और अन्य लोगो के खिलाफ मामला कायम कर जांच में ले लिया है ।आरोपियों की धरपकड़ करने के लिए पुलिस इनकी पतासाजी में जुट गई है।

सिम्स की सभी महिला वार्ड अब प्रथम तल से होगी संचालित

महिला मरीजों को वार्ड में आसानी से प्रवेश दिलाया जा सकेगा

बिलासपुर, 20 नवंबर (देशबन्धु)। शासन स्तर पर सिम्स की चिकित्सकीय व अन्य सुविधाओं को पटरी में लाने का काम चल रहा है। इसी के तहत प्रशासन के अधिकारियों का निर्देश है कि जितने भी महिला वार्ड अस्पताल भवन के ऊपरी तल में संचालित हो रहे है, उन्हें प्रथम तल में स्थापित किया जाए। इससे महिला मरीजों को वार्ड में आसानी से प्रवेश दिलाया जा सकेगा।

इससे उन्हें किसी प्रकार के दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़ेगा। सिम्स अलग-अलग 29 वार्डो का संचालन होता है। सिम्स के सभी वार्ड पुराने अस्पताल भवन में संचालित होते है, जो चार मंजिला हैं। इसमें यह बात देखा गया है कि महिलाओं के संचालित होने वाले वार्ड दूसरे व तीसरे तल में हैं। इसमें लेबर वार्ड, महिला मेडिकल वार्ड, लेबर वार्ड के साथ अन्य प्रमुख हैं। इसमे लेबर वार्ड और गायनिक वार्ड में भर्ती महिलाओं की समस्या रहती है।

प्रसव पीड़ा उठने या अन्य किसी प्रकार की समस्या होने की दशा में इन्हें वार्ड से लाने जाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। किसी तरह की पैथोलाजी जांच या रेडियोलाजी जांच के लिए इन्हें नीचे लाना पड़ता है, ऐसे में लंबी दूरी तय करनी पड़ती है। उनकी इस समस्या को देखते हुए ही शासन स्तर पर सिम्स के ओएसडी नियुक्त किए गए आईएएस आर प्रसन्ना ने यह निर्देश दिए है। उन्होंने साफ किया है इन महिला वार्डो को जल्द से जल्द प्रथम तल शिफ्ट किया जाए। ऐसे में सिम्स प्रबंधन ने इसके लिए काम चालू कर दिया है।

इसके लिए प्रथम तल में संचालित होने वाले वार्डो को ऊपर के तल में शिफ्ट करने व महिला वार्डों को प्रथम तल में लाने का कार्य शुरू कर दिया गया है। यह महिला मरीजों को बड़ी राहत देगा। एक तरह से सिम्स में सुधार करने की कवायद चल रही है और यह बदलाव इस कवायद का प्रथम चरण है।

अधिकारी रख रहे नजर

सिम्स की बदहाल स्थिति में सुधार लाने के लिए हाई कोर्ट सामने आया है। बदहाल स्थिति का संज्ञान में लेने के बाद ही व्यवस्था सुधारने का काम चल रहा है। ऐसे में शासन स्तर के अधिकारियों में स्वास्थ्य सचिव पी. दयानंद, आइएएस आर. प्रसन्ना के साथ हाई कोर्ट के अधिकारी लगातार सिम्स का निरीक्षण कर रहे हैं। व जो भी निर्देश दे रहा है, उनका पालन हो रहा है कि नहीं, इसकी निगरानी कर रहे हैं। आने वाले दिनों में भी लगातार इन अधिकारियों का निरीक्षण चलता रहेगा।

बड़े भाई के सास-ससुर पर छोटे भाई ने किया प्राण घातक हमला

खैरागढ़, 20 नवम्बर (देशबन्धु)। खैरागढ़ ब्लॉक के गातापार थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले ग्राम सिवनी में खेती किसानी व जीवन बीमा का एजेंट के रूप में काम करने वाले कन्हैया लाल लिल्हारे पिता श्यामलाल लिल्हारे उम्र 49 वर्ष ने गातापार थाने में रिपोर्ट दर्ज कराया है कि बोटेपार निवासी मेरे दामाद रेवत व उसका छोटा भाई नूतन वर्मा कमाने खाने के लिए नागपुर में काम करने के लिए गए हुए थे. दीपावली मनाने अपने गांव बोटेपार आए हुए थे. मेरी बेटी व दामाद दिवाली मानने मेरे घर सिवनी आए हुए थे.17 नवंबर को मेरे समधी गामा वर्मा अपने साथ गांव के 10 से अधिक लोगो को लेकर मेरे घर आए थे. तब मैं अपने काम से खैरागढ़ गया हुआ था. मेरे दामाद रेवत का छोटा भाई नूतन अपने भाई के साथ घर के बटवारा को लेकर लड़ाई झगड़ा कर रहा था. बीच बचाव के लिए मेरी पत्नी पुष्पा गई और मना किया तो नूतन ने देख लूंगा करके बोला था.19 व 20 नवम्बर की रात्रि में खाना खाकर पूरा परिवार सो रहा था. पुष्पा ने रात्रि में 12 बजे के आस पास मुझे कोई मार रहा है. करके आवाज लगाई तब मैं गया तो देखा कि मेरे दामाद का छोटा भाई नूतन पुष्पा को धारधार हथियार से प्राण घातक हमला कर रहा था. बीच बचाव के दौरान मुझे भी हाथ मुक्का से मारपीट कर मेरे चेहरे में भी हथियार से वार किया है. कन्हैया गंभीर रूप से घायल होने के बाद बेहोश पड़ा हुआ था. पुष्पा ने जैसे तैसे घर का दरवाजा खोलकर ग्रामीणों को आवाज लगाई जिसके ग्रामीण अपने निजी वाहन से कन्हैया व पुष्पा को लेकर सिविल अस्पताल खैरागढ़ लेकर आए हुए थे. प्राथमिक उपचार करने के बाद पीड़ित कन्हैया ने अपने दामाद का छोटा भाई नूतन वर्मा के खिलाफ गातापार पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज कराया है. पुलिस ने पीड़ित पक्ष के बताए अनुसार आरोपी नूतन पिता गामा वर्मा के खिलाफ भारतीय दण्ड संहिता की धारा 458, 307 के तहत मामला पंजीबद्ध कर जांच विवेचना में लिया है. पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज करने के बाद आरोपी नूतन वर्मा को विधिवत गिरफ्तार कर लिया है।

- जान से मारने की गई कोशिश
- दो लोगों के मस्तक व चेहरे में आई गंभीर चोट

बोदरी के ग्राम डढ़हा के पटवारी पर लगाया आरोप, कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

बिलासपुर, 20 नवंबर (देशबन्धु)। बोदरी अंतर्गत ग्राम डढ़हा के पटवारी पर गम्भीर आरोप लगा है। दरसल ग्रामीणों ने आज जिले के कलेक्टर के पास पहुंचकर पटवारी पर यह आरोप लगाया है की पटवारी दबाव डालकर वोट डलवा रहे थे, जिसका विरोध किया गया था, और इसी कारण माहौल ख़राब हुआ था। ग्रामीणों ने ज्ञापन देने के बाद मीडिया से कहा की गाँव वालो ने पहले से ही कहा था की मतदान का बहिस्कार किया जा रहा है। इसके बाद भी बेवजह दबाव डालकर मतदान कराया जा रहा था। ग्रामीणों ने बताया की नगरीय निकाय के वार्ड नं. 10 एवं हाईकोर्ट एवं शहर के नजदीक होने के बावजूद उक्त ग्राम डड़हा आज तक मूलभूत आवश्यकताएं रोड, नाली, पानी आदि सुविधाओं से पिछले 75 वर्षों से वंचित रहा है। यहाँ तक जागरूक ग्रामवासी पिछले 40 वर्षों से रोड निर्माण के लिये प्रयासरत् रहे हैं। जिन्होंने कई बार आवेदन किया न्याय की गुहार लगाईं। इसके बाद भी सुनवाई नहीं हुई,जिसके कारण गाँव वालो में काफी आक्रोश बना रहा।

इसी दौरान ग्रामीणों ने एक राय होकर निर्णय लिया की मतदान नहीं करना, जिसके कारण बहिस्कार किया गया। ग्रामीणों ने कहा कि जब तक रोड नहीं-तब तक वोट नहीं के सामूहिक घोषणा के साथ हम ग्रामवासी एकजूट थे 17 नवंबर को समस्त ग्रामवासी के द्वारा मतदान नहीं करने का निर्णय लिया गया था। इस दौरान हल्का नम्बर 1 बोदरी के पटवारी पराग महिलांगे के द्वारा अपने निजी वाहन नंबर सीजी 11 बीके 3330 से 4 लोगों को लेकर दबाव पूर्वक मतदान केन्द्र क्र. 210 में बूथ में लाते पाया गया तो फिर उस दौरान समस्त ग्रामवासियों के द्वारा इसका विरोध किया गया, चूंकि सरकारी अमला एसडीएम, तहसीलदार के होने के बावजूद दबाव पूर्वक मतदान करवाना कानूनी उल्लंघन को दर्शाता है

सामूहिक घोषणा के बावजूद हमारी अभिव्यक्ति की आजादी पर व्यवधान उक्त कर्मचारी के द्वारा किया गया। पटवारी के द्वारा लोगों को मतदान कराना निजी फायदे को दर्शाता है। क्या उक्त कर्मचारी किसी संबंधित पार्टी से लाभान्वित था या धन बल का प्रयोग किया जा रहा था। वही समस्त ग्रामवासी ने यह कहा की जब तक रोड नहीं-तब तक वोट नहीं के नारे के साथ आगे भविष्य में सामूहिक बहिष्कार करते रहेगें एवं उक्त कर्मचारी के निलंबन तक आंदोलन करते रहेगें। इस अवसर पर बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

वन्य जीव साही का शिकार करने गए एक युवक की गुफा के अंदर मिली लाश

सूरजपुर, 20 नवम्बर (देशबन्धु)। सूरजपुर में वन्य जीव साही का शिकार करने गए एक युवक की गुफा के अंदर लाश मिली है। बताया जा रहा है कि गुफा के अंदर जहरीले पत्ते जलाकर युवक वन्य जीव साही का शिकार करना चाह रहा था, लेकिन जहरीले पत्तों से निकले धुएं की वजह से दम घुट गया और उसकी मौत हो गई।

मामले की जानकारी डीडीआरएफ की टीम को दी गई। पुलिस की मौजूदगी में रेस्क्यू कर लाश को गुफा से बाहर निकाला गया। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक मृतक की पहचान अलय कुमार पिता रामप्रसाद अगरिया 22 वर्ष है। पुलिस ने बताया कि घटना 17 नवंबर को रमकोला जंगल में युवक शिकार करने गया था। सुरंग वाले गुफा में साही जानवर होने की उम्मीद में बाहर निकालने जहरीले पत्तों से धुंआ करने लगा। काफी देर बाद किसी जंतु के बाहर नहीं निकलने पर वह गुफा में घुस गया था, लेकिन दोबारा बाहर नहीं निकल पाया। युवक के साथ मौजूद ग्रामीणों ने घटना की सूचना पंचायत प्रतिनिधियों को दी।

सूचना पर 19 नवंबर को सूरजपुर जिला सेनानी संजय गुप्ता के मार्गदर्शन में डीडीआरएफ की संयुक्त टीम मौके पर पहुंची। कड़ी मशक्कत से नाइट विजन कैमरा, बीए सेट के साथ और अन्य उपकरण की मदद से लाश को बाहर निकाला गया। इस दौरान टीम प्रभारी बीरबल गुप्ता, बृज बिहारी गुप्ता, धनसाय, बेला प्रताप, देवनारायण, कृष्णा सिंह, महबूब ने रेस्क्यू कर शव को बाहर निकाला। लाश को परिजनों को सौंप दिया गया है।

चंदिया रोड स्टेशन में प्री एनआई व एनआई कमीशनिंग तीसरी लाइन कनेक्टीविटी का कार्य किया जाएगा

कुछ ट्रेनों का परिचालन प्रभावित

गरीबरथ एक्सप्रेस की रद्द होने की तिथि में संशोधन किया गया

बिलासपुर, 20 नवंबर (देशबन्धु)। रेलवे प्रशासन द्वारा अधोसंरचना विकास के कार्यों को शीघ्र पूरा करने का प्रयास किया जा रहा है । इसी संदर्भ में अधोसंरचना विकास हेतु दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर मंडल के अंतर्गत चंदिया रोड स्टेशन प्री एनआई व एनआई कमीशनिंग के तहत तीसरी लाइन कनेक्टीविटी का कार्य 25 नवम्बर से 4 दिसम्बर तक किया जाने की घोषणा की गयी थी । इस कार्य के फलस्वरूप कुछ यात्री गाड़ियों का परिचालन प्रभावित रहेगा । इस कार्य के पूर्ण होते ही गाड़ियों के परिचालन में गतिशीलता आयेगी।

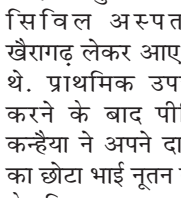

रद्द होने वाली गाडियां

लखनऊ से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 12535 लखनऊ-रायपुर गरीबरथ एक्सप्रेस 01 दिसम्बर के स्थान पर यह गाड़ी 30 नवम्बर को रद्द रहेगी।

रायपुर से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 12536 रायपुर- लखनऊ गरीबरथ एक्सप्रेस 02 दिसम्बर के स्थान पर यह गाड़ी 01 दिसम्बर को रद्द रहेगी।

एसईसीएल ने दर्ज किया इतिहास का सबसे तेज़ 100 मिलियन टन कोयला उत्पादन

बिलासपुर, 20 नवम्बर (देशबन्धु)। वित्तीय वर्ष 2023-24 में एसईसीएल ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए 100 मिलियन टन कोयला उत्पादन हासिल कर लिया है। कंपनी द्वारा स्थापना के बाद से हासिल किया गया यह सबसे तेज़ 100 मिलियन टन कोयला उत्पादन है। पिछले वर्ष की तुलना में कंपनी ने 32 दिन पहले ही 100 मिलियन टन कोयला उत्पादन का आंकड़ा हासिल कर लिया है।

इस उपलब्धि में कंपनी की मेगा परियोजनाओं ने महत्वपूर्ण योगदान दिया है। कंपनी की गेवरा खदान ने 30.76 मिलियन टन, कुसमुंडा ने 23.72 मिलियन टन, एवं दीपका ने 17.39 मिलियन टन कोयला उत्पादन किया है। इसके साथ कुल 100 मिलियन टन में कंपनी की मेगा परियोजनाओं द्वारा लगभग 71त्न का योगदान दिया है। एसईसीएल इस वित्तीय वर्ष में कंपनी पहले ही अपने इतिहास का सबसे तेज़ 100 स्ष्टह्वरू ओबीआर एवं 100 मिलियन टन डिस्पैच दर्ज कर चुकी है।

विदित हो कि एसईसीएल ने पिछले वित्तीय वर्ष में अपने इतिहास का सर्वाधिक 167 मिलियन टन कोयला उत्पादन दर्ज किया था एवं इस वर्ष में 197 मिलियन टन के लक्ष्य की ओर अग्रसर है।

बिलासपुर-झारसुगुड़ा चौथी रेल लाइन परियोजना में ईब नदी पर निर्माणाधीन रेलवे पूल का विहंगम दृश्य

बिलासपुर, 20 नवंबर (देशबन्धु)। बिलासपुर एवं झारसुगुड़ा के बीच 206 कि.मी. चौथी रेल लाइन का निर्माण लगभग 2100 करोड़ रुपए की लागत से किया जा रहा है। इस परियोजना में अब तक ब्रजराजनगर-लजकुरा, चांपा-सारागांव, लजकुरा-बेलपहाड़, झाराडीह-खरसियां-राबर्ट्सन, हिमगीर-बेलपहाड़, ब्रजराजनगर-झारसुगुड़ा, गतौरा-जयरामनगर-लटिया एवं जामगा-हिमगिर स्टेशनों के मध्य लगभग 100 किलोमीटर से अधिक चौथी रेल लाइन का निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया गया है । इस परियोजना के पूर्ण होने से इस रेलखंड में रेल परिचालन में गतिशीलता में वृद्धि होगी ।

NECC

21.11.2023	अंडा	मुर्गी	काकरेल
फार्म	550	83	170
चिल्हर	6.50	98	195

डिलीवरी 565 सैकड़ा
दर्जन अंडा 75 रु.
मुर्गी खाद प्रति ट्राली 1000 रू.
CSPFA

प्रकाशक मुद्रक एवं सम्पादक- राजीव रंजन श्रीवास्तव द्वारा पत्रकार प्रकाशन, प्रा.लि. के लिए पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि. प्रेस में मुद्रित एवं गर्ल्स कॉलेज के पास, जरहाभाटा, बिलासपुर से प्रकाशित। प्रेस पंजीयन- 52158/91 डाक पंजीयन 112-002/2002 सी जी फोन- 07752 422771, 428159 फैक्स नं. 415188